आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2003/11926

जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

डाक पंजियन संख्या: जयपुर सिटी/005/2026-2028

हुक्मनामा समाचार

www.hukmnamasamachar.com

वर्ष 24 : अंक 44 : मूल्य 2 रु. : पृष्ठ संख्या 8

जयपुर, सोमवार, 16 नवम्बर , 2026

www.Lokvarta.net

50 करोड़ लोगों का गरीबी रेखा से बाहर आना आजादी के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है-मोदी

आदिवासी गौरव दिवस समारोह



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से आदिवासी गौरव दिवस समारोह में वर्चुअली हिस्सा लिया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि 50 करोड़ लोगों का बहुत ज़्यादा गरीबी से बाहर आना आज़ादी के बाद भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। यह कार्यक्रम आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के मौके पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने आदिवासी समुदायों की तारीफ करते हुए कहा कि वे हमेशा अन्याय के खिलाफ खड़े हुए हैं। इस मौके पर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। इस अवस पर उन्होंने लगभग 3,000 करोड़ रुपये के 246 विकास प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन प्रोजेक्ट्स का मकसद देश भर में आदिवासी समुदायों के जीवन की क्वालिटी को बेहतर बनाना और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है।

प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब नक्सलियों ने आदिवासी समुदायों को वोट देने का अधिकार नहीं दिया, तो वे 'मूक दर्शक बनी रहीं'। पीएम मोदी ने कहा, 'नक्सल हिंसा के कारण आदिवासी समुदायों को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ, जबकि पिछली सरकारों ने उन्हें अपने हाल पर छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने उन आदिवासी इलाकों को डेवलप करने के लिए पूरी कोशिश की है, जहां लंबे समय से बेसिक सुविधाओं की कमी थी, और उनके डेवलपमेंट के लिए 1 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा दिए गए हैं। ये प्रोजेक्ट्स शिक्षा, हेल्थकेयर, रोजी-रोटी कमाने और कम्युनिटी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे खास सेक्टर्स पर फोकस करते हैं, और जरूरी सर्विसेज तक पहुंच को बेहतर बनाने और आदिवासी आबादी के ओवरऑल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने पर जोर देते हैं। प्रोग्राम के तहत प्रधानमंत्री ने 173 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया, जिसमें आदिवासी स्टूडेंट्स के लिए 38 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत 100 मल्टी-पर्पस सेंटर शामिल हैं।



राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष ने भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर संसद परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को 151वीं जयंती पर किया नमन

तीन वर्षों में जनजातीय समुदाय के विकास के लिए लगभग 3 हजार 200 करोड़ रुपये का किया प्रावधान-भजनलाल शर्मा



जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति, परम्परा और स्वाभिमान की रक्षा के लिए सदियों तक संघर्ष किया है। इस समाज के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महापुरुषों के बलिदान को सम्मान देना हम सभी का दायित्व है। राज्य सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए जनजातीय समाज के शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधन को सुना। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2021 से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर शुरू किया गया जनजातीय गौरव दिवस आज राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। वहीं, जनजातीय समाज के महानायकों के योगदान को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान मिल रहा है। इसी क्रम में जनजातीय समुदाय से आने वाली द्रौपदी मुर्मू आज राष्ट्रपति के रूप में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद आसीन हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' संकल्प के तहत जनजातीय क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने के साथ नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं। वहीं, पीएम-जनमन के माध्यम से जनजातीय समूहों तक बिजली, पानी, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। इसी प्रकार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से विकास की पहुंच दूरस्थ और वंचित जनजातीय क्षेत्रों तक सुनिश्चित की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग, 2 शूटर अरेस्ट

अमृतसर। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है।पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। दीपक सिंह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था।

राहुल गांधी को विदेश नहीं, गांव-गांव घूमने की जरूरत-शाह



पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत को बदनाम करके आप कभी भी सत्ता हासिल नहीं कर पाएंगे। विदेश यात्रा करने के बजाय आपको गांव-गांव घूमने की जरूरत है। शाह ने हैदराबाद में हुई कांग्रेस की भारत समिट को लेकर राहुल गांधी को जवाब दिया है। पुणे के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने देश को बदनाम किया है। अगर राहुल जीतना चाहते हैं तो विदेश जाना छोड़े और गांवों में जाना शुरू करें। पूरा देश यही चाहता है कि राहुल गांधी आप जमीन पर आए, गांवों में जाएं। मगर मुझे मालूम है कि अभी थोड़े दिन में ही फिर से विदेश चले जाएंगे। आपकी सत्ता की आकांक्षा इस तरह से पूरी नहीं होगी। अभी कांग्रेस पार्टी ने भारत समिट 2026 हैदराबाद में आयोजित की। देश भर में वामपंथी विचारधारा के प्रचारकों को भारत में बुलाया। कांग्रेस के राजकुमार भी वहां गए। इस समिट का नाम भी भारत समिट रखा गया था, लेकिन राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत विरोधी विचार बोलकर पूरी दुनिया में भारत को बदनाम करने का काम किया है। इस मंच से महाराष्ट्र की जनता को कहने आया हूं और देश भर के लोगों को भी कहना चाहता हूं। जहां पर भी कांग्रेसी मिलें, आप उनको पूछें कि चुनाव लड़ना, हारना, जीतना, ये पार्टी के नेताओं के परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। 10 साल का आपको मौका दिया था, 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार किए।



देशभर में छठ-पूजा, डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया

नई दिल्ली। देशभर में महापर्व छठ का आज तीसरा दिन है, व्रतियों ने पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। अब सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को लखनऊ में गोमती नदी के किनारे छठ पूजा की।वहीं, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार क्लब में सूर्य को अर्घ्य दिया। उनके साथ दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे।छठ पूजा के लिए दिल्ली में करीब 1400 घाट पर तैयारियां की गई हैं। भीड़ को देखते हुए रविवार दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर सुबह 8 बजे तक यमुना घाटों से सटे रास्तों के पास रूट डायवर्जन लागू रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश-विदेश से 50 लाख से ज्यादा लोग घर लौटे हैं। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा पर 16 नवंबर को छुट्टी का ऐलान किया है।



बिहार में 10 हजार घाटों पर छठ पूजा

पटना। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं।

करौली में महिला से सामूहिक दुष्कर्म

पीड़िता की हालत गंभीर, एक आरोपी गिरफ्तार

करौली (हुक्मनामा समाचार)। अंजनी माता मंदिर इलाके में महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोप है कि वारदात के बाद पीड़िता के साथ मारपीट भी की गई। मामले में चार आरोपियों के शामिल होने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। शौच के लिए गई एक महिला की नजर बदहाल हालत में पड़ी पीड़िता पर पड़ी। उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भिजवाया। जल्द होगा वारदात का पर्दाफाश: एसपी लोकेश सोनवाल ने बताया कि वे स्वयं मौके पर पहुंचे हैं। घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ घटनाक्रम की जानकारी ली गई है।



सिरोही के पिंडवाड़ा-भूला में अज्ञात बीमारी से दो बच्चों की मौत

सिरोही (हुक्मनामा समाचार)। पिंडवाड़ा ब्लॉक के भूला क्षेत्र स्थित काला महादेव खेड़ा की छीतरिया फली में 2 बच्चों की मौत के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया। मृतकों में 10 वर्षीय एक बालक और करीब साढ़े चार वर्षीय एक बालिका शामिल हैं। बच्चों की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जानकारी मिलने पर भूला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ। सुनील कुमार गरासिया के नेतृत्व में मेडिकल टीम प्रभावित क्षेत्र में पहुंची।

13 घरों में सर्वे कर 108 लोगों की हुई जांच: टीम ने प्रभावित परिवारों सहित फली के 13 घरों में सर्वे कर कुल 108 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान एक अन्य बच्चे की तबीयत खराब होने की सूचना पर उसका भी उपचार करवाया गया।

पेनल्टी कॉर्नर



पटेला री पोल

मौसम ने अब खाई पलटी, बहने लगी सर्द हवा
लापरवाही बरतेंगे तो, लेनी पड़ेगी डॉक्टरी दवा
ठंडा पानी और ठंडी हवा, दोनों पड़ेगी अब भारी
बदल लो अब अपनी वर्दी, बात लगी चाहे मेरी खारी

..मुखिया जी

पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़

नूंह। नूंह के फिरोजपुर झिरका के सदर थाना क्षेत्र के बीमा गांव में रविवार तड़के 4.30 बजे पुलिस और गो तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई है। सीएस स्टाफ फिरोजपुर झिरका को गो तस्करी की सूचना मिली थी जिसके बाद नाकेबंदी की गई थी। पिकअप सवारों को रुकने का इशारा किया गया लेकिन उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग की। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें दो गोतस्करों की मौत हो गई, जबकि एक गो तस्कर घायल हैं जिनमें से एक की हालत गंभीर है। क्रॉस फायरिंग में एक पुलिसकर्मी हितेश के हाथ में भी गोली लगी है। कट्टे, कारतूस बरामद : मृतकों की पहचान गब्बर उर्फ हड़िया निवासी दौसा राजस्थान और साबिर पुत्र शेर मोहम्मद निवासी बीमा गांव, फिरोजपुर झिरका, नूंह के रूप में हुई है।

कश्मीर-उत्तराखंड में बर्फबारी, दिल्ली-राजस्थान में बूंदाबांदी

यूपी में कोहरा, एमपी के 19 शहरों में ठंड

नई दिल्ली। कश्मीर और उत्तराखंड के कई इलाकों में शनिवार की रात बर्फबारी हुई। इससे रविवार को मैदानी इलाकों में ठंड पड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में अगले दो दिन बर्फबारी की संभावना है।दिल्ली और राजस्थान में हुई हल्की बारिश से मौसम में ठंडक आ गई है।

दिल्ली के अलावा 10 जिलों में बादल छाए हैं। यहां हल्की बारिश का यलो अलर्ट है।मध्य प्रदेश के 19 जिलों में पारा 15 डिग्री से कम है। अनूपपुर के अमरकंटक में सबसे कम 10.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।इधर, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बना कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इससे 16 नवंबर की शाम तक चक्रवाती तूफान बन सकता है। चक्रवात बना तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। यह एक महीने में बंगाल की खाड़ी से उठा तीसरा तूफान होगा।



अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का 'जिला महिला सम्मेलन' संपन्न

रानी पद्मावती नारी सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण : डॉ. अलका सूरी

जमवारामगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) की जयपुर द्वितीय के तत्वावधान में रविवार दिनांक 15 नवंबर 2026 को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय ब्रह्मपुरी (कंवर नगर) जयपुर में 'जिला महिला सम्मेलन' का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य रानी पद्मावती के जीवन चरित्र एंव शौर्य कौशल पर व्याख्यान एंव महिला शिक्षकों की संगठन में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना, संगठनात्मक गतिविधियों को सुदृढ़ करना तथा महिला संवर्ग से जुड़े शैक्षिक, सामाजिक व संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श करना रहा। सपना राठौड़ (जिला महिला उपाध्यक्ष) ने संगठन की रीति-नीति, स्वरूप, पद्धति एवं विधान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महासंघ अपने ध्येय वाक्य 'राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक, शिक्षक के हित में समाज' के संकल्प के साथ कार्य करता है और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. अलका सूरी (प्रोफेसर, देहरादून उत्तराखंड) राष्ट्रीय महिला प्रमुख ने 'वीरांगना शिरोमणि रानी पद्मिनी (पद्मावती) के शौर्य एवं वीरगाथा' विषय पर ओजस्वी व्याख्यान दिया।

उन्होंने रानी पद्मावती के जीवन, अदम्य साहस और जौहर का वर्णन करते हुए कहा कि रानी ने अलाउद्दीन खिलजी के समक्ष समर्पण करने के बजाय अपने स्वाभिमान, चरित्र और चित्तौड़ के मान की रक्षा के लिए जौहर को चुना। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई, जीजाबाई और पन्नाधाय जैसी वीरांगनाओं का स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय नारी शक्ति ने सदैव देश का गौरव बढ़ाया है।



तृतीय सत्र (महिलाओं के समक्ष चुनौतियां एवं समाधान)- विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. कविता (प्रोफेसर, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर) ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिलाओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके व्यावहारिक समाधानों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि परिवार में महिला का दायित्व घर के वातावरण को सुंदर और संस्कारित बनाता है। सनातन संस्कृति में नारी को सदैव प्रथम स्थान दिया गया है; नारी पहले से ही सशक्त है, आज केवल उसे अपनी आंतरिक शक्ति और सामर्थ्य को पहचानने की आवश्यकता है। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला महिला उपाध्यक्ष सपना राठौड़ ने की तथा मंच संचालन जिला मंत्री मीनू जुनेजा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत जिला महिला प्रतिनिधि विनय शर्मा ने तिलक लगाकर किया एंव रजिस्ट्रेशन कार्य की व्यवस्था महिला मंत्री (खंड आंधी) किरण वर्मा ने संभाली। कार्यक्रम में जिला संयुक्त मंत्री (महिला) राखी सिसौदिया जयपुर द्वितीय ने मुख्य अतिथि एंव मुख्य वक्ता का संगठन का उपर्णना पहना कर एंव स्मृति चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया । कार्यक्रम मे सम्बलन कर्ता एंव पालक अभय सिंह राठौड प्रदेश उपाध्यक्ष (संस्कृत) ने कार्यक्रम का अवलोकन कर सभी महिला कार्यकर्त्ताओ को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए बधाई एंव धन्यवाद दिया ।कार्यक्रम मे समस्त खंडों से आईं प्रदेश, जिला, खंड एवं संकुल स्तर की दायित्ववान महिला पदाधिकारियों व शिक्षिकाओं की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम मे पधारी सभी शिक्षक बहिनो का प्रमिला वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।कार्यक्रम के अंत मे अभय सिंह राठौड प्रदेश उपाध्यक्ष ने जिला बैठक ली , जिस मे प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन के लिए धन संग्रह अभियान की गति बढ़ाने एंव प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन के लिए व्यवस्थाओ को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किया एंव जिला बैठक मे डां अलका सूरी राष्ट्रीय महिला प्रमुख का सानिध्य प्राप्त हुआ।

एक नजर

राज विप्र महासभा का दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

समाज विकास एवं उत्थान पर किया विचार-विमर्श



फुलेरा (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान विप्र महासभा शाखा फुलेरा के तत्वावधान में रविवार को राजू दाधीच की अध्यक्षता में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने भगवान परशुराम जी की पूजा-अर्चना कर दीपावली की राम-श्यामा की तथा एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद सभी ने जलपान किया। इस अवसर पर आयोजित सभा में समाज के विकास एवं उत्थान को लेकर विचार-विमर्श किया गया। नंदकिशोर गौड़, यादराम जोशी, प्रभुदयाल दाधीच, सुरेश चंद्र सारस्वत, महेश सहाय शर्मा, महेश दाधीच, मनीष शर्मा, धनराज शर्मा एवं कमलेश शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को संगठित एवं मजबूत बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन महासभा के महामंत्री शैलेन्द्र शर्मा ने किया। इस दौरान ओमप्रकाश शर्मा, गोपाल लाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, त्रिलोक चंद शर्मा, मुरारी लाल शर्मा, मनीष शर्मा, डॉ. सुमित शर्मा, विशाल सुरोलिया, आदित्य दाधीच, शिवकुमार शर्मा, राजेंद्र शर्मा, ओमप्रकाश दाधीच, संजय शर्मा, दिनेश सुरोलिया, नंदकिशोर शर्मा, रामप्रसाद जोशी, रामविलास शर्मा, गौरीशंकर पारीक, बजरंग जोशी एवं तनिष्क गौड़ सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

बयाना खादी ग्रामोद्योग भंडार के पीछे खेत में लगी आग,

बाइक व घरेलू सामान सहित करीब ढाई लाख रुपए का हुआ नुक़सान,आग लगने के कारण का नहीं चला पता

बयाना (हुक्मनामा समाचार)। बयाना कस्बे के लाल बाग में खादी भंडार के पीछे खेत में रविवार तड़के बाजरे की कड़बी में आग लग गई। आग पास बने किसान के छप्परपोश घर तक पहुंच गई। किसान संजय सिंह के मुताबिक, आग से करीब ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ। आग में छप्परपोश घर, बाइक, अनाज, बिस्तर, बर्तन, कपड़े, खाद के कट्टे और घरेलू सामान जल गया। आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है। संजय सिंह ने खादी भंडार संस्था के खेत फसल उगाने के लिए किराए पर ले रखे हैं। रविवार तड़के खेत में रखी बाजरे की कड़बी में आग लगी। हवा के कारण आग तेजी से फैली और घर तक पहुंच गई। आग की लपटें देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की। लोगों ने नगर पालिका को सूचना दी। दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और दमकलकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया।



जीजा पर साले ने सोते समय फेंका तेजाब:

ससुराल वाले बोले- गांव की जमीन बेचकर यहां मकान खरीदो, तब बेटी को भेजेंगे

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। ससुराल में पत्नी को लाने गए एक युवक पर उसके ही साले ने सोते समय तेजाब डाल दिया। इस हमले में युवक का एक हाथ गंभीर रूप से झुलस गया। घायल को अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। मामला उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित मिठ्ठन नगर का है। पीड़ित अलवर के खेड़ली क्षेत्र के सोंकर गांव निवासी प्रमोद जाटव (32) है। जो अब अलवर जिला अस्पताल में भर्ती है। घटना 13 नवंबर की रात की है। **3 साल से पीहर में रह रही थी पत्नी**- प्रमोद की पत्नी पिछले तीन साल से अपने पीहर (मथुरा) में रह रही है। प्रमोद उसे वापस अपने घर लाने के लिए ससुराल गया था। आरोप है कि वहां ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके सामने शर्त रख दी कि वह अपने गांव की जमीन बेच दे और मथुरा में ही मकान खरीदे। तभी वे अपनी बेटी को उसके साथ भेजेंगे। **मना करने पर रात में किया हमला**- जब प्रमोद ने अपनी पैतृक जमीन बेचने से साफ इनकार कर दिया, तो ससुराल वालों ने पत्नी को भेजने से मना कर दिया। प्रमोद का आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर रात को जब वह सो रहा था, तब उसके साले ध्रुव सिंह ने उस पर तेजाब डाल दिया। इस हमले में प्रमोद का एक हाथ बुरी तरह झुलस गया। प्रमोद का कहना है कि उस पर जानलेवा हमला किया गया था, लेकिन वह किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकलने में कामयाब रहा। अलवर पहुंचने के बाद परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस थाने में मामला दर्ज कराने की बात कही है।

धौलपुर में चम्बल बजरी के अवैध खनन पर बढ़ाई निगरानी:

नदी के आसपास और रास्तों पर रखी जा रही नजर, संदिग्धों पर भी निगरानी

धौलपुर (हुक्मनामा समाचार)। धौलपुर पुलिस ने चम्बल नदी से प्रतिबंधित बजरी के अवैध खनन, निकासी और परिवहन पर रोक लगाने के लिए निगरानी बढ़ाई है। एसपी विकास सांगवान के निर्देशन में जिलेभर में यह काम किया जा रहा है। पुलिस चम्बल नदी के आसपास और बजरी ले जाने वाले संवेदनशील रास्तों पर नजर रख रही है। इन रास्तों से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों और अवैध बजरी गतिविधियों में शामिल लोगों पर भी निगरानी है। पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने कहा है कि प्रतिबंधित चम्बल बजरी के अवैध खनन, निकासी और परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

13 साल की बच्ची ने किया सुसाइड:

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। अलवर शहर में 13 साल की बच्ची ने सुसाइड कर लिया। माता-पिता काम पर गए थे। भाई (15) स्कूल से आया तो बहन कमरे में फंदे पर लटकी हुई थी। भाई ने तुरंत पड़ोसियों को बताया। आसपास के लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और बच्ची को फंदे से उतारा। बच्ची को ईएसआईसी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र की शनिवार शाम करीब 4 बजे की है। फिलहाल सुसाइड का कारण सामने नहीं आया है। हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। जानकारी के अनुसार- हादसे के समय बच्ची घर में अकेली थी। वह 8वीं क्लास में पढ़ती थी और अलवर में एक छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। दो महीने पहले उसका अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ था। तब से घर पर ही थी। बच्ची के पिता का कहना है कि घर में कोई विवाद नहीं हुआ था। मैं और पत्नी काम पर गए थे।

बाल दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



जमवारामगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। रायसर गुडवीव बाल मित्र समुदाय परियोजना के तत्वावधान में बाल दिवस मनाया गया। बच्चों के साथ चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। बच्चों ने स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण देशभक्ति रंग बिरंगे चित्रो के माध्यम से रचनात्मक खूबसूरती प्रस्तुत किया इस अवसर पर मानव संसाधन एव महिला विकास स्थान के फील्ड ऑफिसर पवन जांगिड़ ने बताया कि रायसर,मालीवास, सरजोली में समुदाय स्तर पर बाल दिवस मनाया गया आयोजन में फील्ड फैसिलिटेटर काली प्रजापत,विजय लक्ष्मी टेलर ,मुस्कान रैगर सीमा मीणा मनीषा रछोया,रीना की महत्वपूर्ण भूमिका रही बच्चों को अधिकारो के बारे जानकारी दी गई विजेता पहला दूसरा तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बच्चो को पारितोषिक दिया गया बाल दिवस पर बच्चो को शुभकामनाएं दी गई उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई ।

आंधी की 32 ग्राम पंचायतों में सरपंचो के 418 नामांकन, 288 प्रत्याशी मैदान में

128 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए, दो नामांकन जांच में हुए खारिज; किसी भी ग्राम पंचायत में निर्विरोध निर्वाचन नहीं

जमवारामगढ (हुक्मनामा समाचार)। पंचायतीराज आम चुनाव 2026 के तहत पंचायत समिति आंधी क्षेत्र की 32 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सुबह 8 बजे से 11 बजे तक चली नामांकन प्रक्रिया में क्षेत्र की 32 ग्राम पंचायतों में सरपंच के लिए कुल 418 नामांकन दाखिल किए गए थे।

जांच के दौरान इनमें से ग्राम पंचायत नीमला व पोतली-हुरेला में एक-एक नामांकन जांच में खारिज होने के बाद 416 नामांकन वैध पाए गए। नाम वापिसी के निर्धारित समय तक 128 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए जिनमें ग्राम खरड़ में सर्वाधिक 11 प्रत्याशियों ने नाम वापिस लिए।

नाम वापिसी के बाद सभी 32 ग्राम पंचायतों में कुल 288 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। निर्वाचन विभाग से जारी आंकड़ों के अनुसार क्षेत्र की किसी भी ग्राम पंचायत में सरपंच पद पर निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति नहीं बनी है। सभी 32 ग्राम पंचायतों में चुनावी मुकाबला होगा।

16 ग्राम पंचायतों में में 10 या अधिक

नामांकन प्रक्रिया के बाद पंचायत समिति की 32 ग्राम पंचायतों में से 16 ग्राम पंचायतों में 10 या उससे अधिक प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। बिरासना में 16, भावनी व मंहगी में 14-14, खरड़ और लालवास में 13-13 तथा श्रीनगर व गांवली में12- 12 , थली, थोलाई, रायसर व नीमला में 11-11, तथा बहलोड, धूलारावजी, फुटोलाव व रायपुर में 10-10 प्रत्याशी मैदान में हैं इनमें से ग्राम पंचायतों में पद अनारक्षित वर्ग से है।

सबसे अधिक चावण्डिया एवं सबसे कम धामस्या में - नामांकन प्रक्रिया के बाद सरपंच पद के लिए ग्राम पंचायत चावंडिया में सबसे अधिक 17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। यहां सरपंच पद अनारक्षित ओपन वर्ग का है जबकि ग्राम पंचायत धामस्या में सबसे कम 2 ही प्रत्याशी होने से यहां सीधा मुकाबला है।

7 ग्राम पंचायतों में पांच या उससे कम

पंचायत समिति क्षेत्र में सात ग्राम पंचायतों में पांच या उससे कम प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में हैं जिसमें धामस्या ग्राम पंचायत में दो दौलतपुरा और रामपुरा में तीन-तीन डांगरवाड़ा और सायपुर में चार-चार तथा डगोता व कोलीवाड़ा में पांच -पाच प्रत्याशी मैदान में हैं। नाम वापसी के दौरान सर्वाधिक 11 प्रत्याशियों ने खरड़ ग्राम पंचायत में अपने नाम वापस लिए यहां सर्वाधिक 24 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। इसके अलावा भावनी और महांगी में आठ-आठ तथा दांतली, चावंडिया और लालवास में सात-सात प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए। अब 16 नवंबर को होने वाले मतदान के साथ ही ग्राम पंचायतों में चुनावी मुकाबले का फैसला मतदाता करेंगे।

ग्राम पंचायत रामजीपुरा व दौलतपुरा में भी 3-3 प्रत्याशी ही होने से मुकाबला रोचक होने की उम्मीद है।

खैरथल में नगर परिषद के 1000 पशु पकड़ने के दावों के उलट जमीनी हालात

30 लाख के टेंडर, फिर भी शहर में बंदरों, गोवंश और कुत्तों का आतंक

खैरथल (हुक्मनामा समाचार)। शहर को बंदरों, निराश्रित गोवंश और आवारा कुत्तों से मुक्त कराने के लिए नगर परिषद ने 30 लाख रुपए के दो टेंडर जारी किए, लेकिन इस अभियान का असर शहर की सड़कों पर नजर नहीं आ रहा। परिषद के रिकॉर्ड में एक साल के दौरान 400 बंदर, 100 बेसहारा गोवंश और 500 कुत्तों सहित कुल 1000 पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई दर्ज है। इसके बावजूद शहर की प्रमुख सड़कें, बाजार और चौराहे आज भी आवारा जानवरों के कब्जे में हैं। सवाल यह है कि जब 30 लाख रुपए का ठेका दिया गया और 1000 पशु पकड़ने का दावा है तो फिर शहरवासियों को राहत क्यों नहीं मिल रही? नगर परिषद ने बंदर और निराश्रित गोवंश पकड़ने के लिए 2025-2026 में 15 लाख रुपए का ठेका केपी कंस्ट्रक्शन खैरथल को दिया है। वहीं कुत्तों के बधियाकरण और वैक्सीनेशन के लिए 15 लाख रुपए का ठेका सिद्धि वेलफेयर सोसाइटी, झुंझुनूं को सौंपा गया है। परिषद के अनुसार पिछले तीन महीनों में 67 बंदरों को जिंदोली पहाड़ियों में छोड़ा गया, 25 गोवंश को महंत सीमा बाई गौशाला भेजा गया और 6कुत्तों का बधियाकरण व टीकाकरण कराया गया।

बाजार तक आवारा पशुओं के झुंड-जमीनी



तस्वीर इन दावों से बिल्कुल अलग है। रेलवे स्टेशन, मातोर रोड, सिनेमा रोड, पुरानी मंडी, आनंद नगर, हेमू कालानी चौक, अंबेडकर सर्किल और हरसौली रोड पर आवारा पशुओं के झुंड दिखाई दे रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर बंदर यात्रियों का सामान छीन रहे हैं तो बाजारों में लोगों पर झपट रहे हैं। सड़कों पर बैठे गोवंश वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बने हुए हैं। इसका असर अस्पताल के आंकड़ों में भी दिखाई दे रहा है। पिछले तीन महीनों में बंदरों के हमले में 9 और कुत्तों के काटने से 27 लोग उपचार के लिए सेटेलाइट अस्पताल पहुंचे। शहरवासी वरुण शर्मा, जितेन्द्र प्रदनानी, रविंदर, मनोज कुमार का कहना है कि अभियान पर निगरानी सही नहीं हो रही।

सेठ मोतीलाल कॉलेज की धरोहर बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान तेज

जनआंदोलन बनाने का निर्णय

झुंझुनूं (हुक्मनामा समाचार)। शहर के ऐतिहासिक सेठ मोतीलाल कॉलेज की भूमि और मूल शैक्षणिक स्वरूप की रक्षा के लिए 'सेठ मोतीलाल कॉलेज बचाओ एवं बढ़ाओ संगठन' की बैठक एवं प्रेस वार्ता आयोजित हुई। बैठक में हस्ताक्षर अभियान की समीक्षा कर इसे तहसील, गांव और वार्ड स्तर तक पहुंचाने तथा जनआंदोलन का रूप देने का निर्णय लिया गया।

बैठक में तरुण खेतान, पंकज बगड़िया, मनीष बगड़िया, परमेश्वर हलवाई, नितिन नारनौली, सीमांत तुलस्यान, गौरव गाडिया, रामनिरंजन पुरोहित, नीरज कटेवा और श्रीकांत सारस्वत सहित अनेक नागरिक एवं पूर्व छात्र मौजूद रहे। वक्ताओं



ने कहा कि संस्थान की स्थापना गरीब और ग्रामीण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। संगठन के अनुसार कॉलेज के पास करीब 9.66 हेक्टेयर भूमि, मुख्य भवन, साइंस ब्लॉक, लॉ कॉलेज, बीएड कॉलेज और खेल मैदान सहित महत्वपूर्ण संपत्तियां हैं। संगठन ने ट्रस्टियों से अपील की कि संस्थान की भूमि को बेचने, हस्तांतरित करने या व्यावसायिक उपयोग के लिए एग्रीमेंट करने पर रोक लगाई जाए।

वक्ताओं ने कहा कि यह संपत्ति भावी पीढ़ियों की अमानत है। संगठन ने संस्थान के संचालन और विकास में ट्रस्टियों को आवश्यक सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

सामुहिक विवाह सम्मेलन में 13 जोड़े बने हमसफर

बीदासर (हुक्मनामा समाचार)। कस्बे के सिलावट समाज भवन में रविवार को सिलावट समाज सहायता संस्थान के तत्वावधान में सामुहिक विवाह सम्मेलन 13 जोड़ो की निकाह के बाद संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आगाज तिलावते कुरआन पाक से हाजी सिकंदर सोलंकी ने किया। इस अवसर पर मुफ्ती मूसा, विधायक मनोज मेघवाल, पालिकाध्यक्षा प्रतिनिधि बाबूलाल करड़वाल, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष मेराज उल हसन छींपा, जयप्रकाश बेंगाणी आदि ने संबोधित किया। वक्ताओं ने संबोधन में कहां की विवाह सम्मेलन समाज एकता की मिसाल है, शादी केवल दो लोगों का रिश्ता नहीं है, बल्कि दो परिवारों का मिलन और समाज में नई जिम्मेदारियों की शुरुआत है। आज के दौर में शादी-ब्याह में बढ़ते खर्च, दिखावे और दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों के कारण कई परिवार आर्थिक परेशानी का सामना करते हैं। ऐसे समय में सामूहिक विवाह सम्मेलन एक अच्छी सामाजिक पहल है।

इस दौरान सिलावट समाज सहायता संस्थान के अध्यक्ष जाकिर भुट्टा ने कहा कि बीदासर सिलावट समाज की ओर से यह पांचवा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया था जिसमे 13 जोड़ों का निकाह हुआ है। ऐसे आयोजनों से फिजूल खर्ची पर रोक लगती है। साथ ही आपसी भाईचारा और समाज में एकता कायम होती है। संस्था अध्यक्ष ने सम्मेलन को सफल बनाने पर समाज के लोगों का आभार जताया। इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में पांच सौ से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भोजन, पानी, लाईट, साफ सफाई सहीत विभिन्न व्यवस्थाएं संभाली। सम्मेलन में मुफ्ती मूसा, कारी अमीरुद्दीन, हाफिज यूनुस, हाफिज रमजान, हाफिज मुस्लिम, मौलाना अरशद, मौलाना साहजहां ने निकाह अदा कराई।

कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष इमरान सोलंकी, कोषाध्यक्ष यूसुफ भुट्टा, सचिव नदीम सोलंकी, सलाहकार तहसीन मुगल, मीडिया प्रभारी इमरान भुट्टा, हाजी सादिक सोलंकी, हाजी बिलाल, सदर इकबाल भुट्टा, हाजी इशाक भुट्टा, रमजान सोलंकी, हाजी आदम



खिलजी, अब्दुल रज्जाक भुट्टा, सलीम सोलंकी, यूसुफ भुट्टा, यूनुस खिलजी, सतार भुट्टा, जलालदीन भुट्टा, जुल्फिकार भुट्टा, अब्दुल गफ्फार, मुन्ना ऐरानी, सलीम मुगल, मकराना टीम के साथ सदर अब्दुल शकूर, इकबाल भुट्टा, सत्तार हंसोरिया, समदु भुट्टा, इरफान सोलंकी, फरमान अली, अकबर टेलर, सदिक भुट्टा, अकरम, महबूब, अफजल मुगल, शरीफ भुट्टा, अकबर सोलंकी, खलील, समीर, साजिद, गुलामनबी भुट्टा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन हाजी सिकंदर सोलंकी, अफरोज बलखी व अकरम खिलजी ने किया।

राज्यपाल जैन संत आचार्य सुंदर सागर जी महाराज के 50वें स्वर्णिम जन्मोत्सव समारोह में हुए शामिल

शांति और अहिंसा को जन-जन तक पहुंचाने में जैन धर्म का बड़ा योगदान- राज्यपाल

टोंक (हुक्मनामा समाचार)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रविवार को टोंक जिले की नगरपालिका निवाई पहुंचे। जहां बागडे जैन संत आचार्य सुंदर सागर जी महाराज के 50वें स्वर्णिम जन्मोत्सव समारोह में शामिल हुए। राज्यपाल बागडे ने कहा कि जैन धर्म अहिंसा, आत्मसंयम और त्यागशील जीवन जीने की सीख देता है। भगवान महावीर स्वामी ने संयम और सरलता को जीवन का आदर्श रुप बताया है।

शांति और अहिंसा को जन-जन तक पहुंचाने में जैन धर्म का बहुत बड़ा योगदान है। यह जीवित प्राणियों में अनुशासित और आत्मिक शुद्धता पर जोर देता है। राज्यपाल बागडे ने जैन श्रद्धालुओं से कहा कि सनातन संस्कृति में गौमाता की सेवा को सबसे बड़ा और पुण्यकारी माना गया है। जैन धर्म गौमाता की देखभाल, गौशालाओं में आर्थिक दान, चारे की व्यवस्था और संरक्षण में भी अग्रणी है। उन्होंने आचार्य सुंदर सागर जी महाराज और अन्य साधु साध्वियो को प्रणाम निवेदित किया और उनका आशीर्वाद लिया।



जयपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन, 101 यूनिट रक्त एकत्रित

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजधानी जयपुर में सामाजिक सरोकारों के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। किसान मार्ग स्थित टोंक फाटक पर आयोजित शिविर का शुभारंभ पूर्व मंत्री एवं विधायक कालीचरण सराफ ने किया। शिविर का आयोजन विवेकानंद युवा परिषद और वी यूनाइट फाउंडेशन की ओर से किया गया। इस दौरान विधायक कालीचरण सराफ ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और नियमित रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।



जयपुर में युवक के पेट में कैंची घोंपी

मैरिज गार्डन में काम करते समय हमला, कहासुनी के बाद हुआ था झगड़ा

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। जयपुर के एक मैरिज गार्डन में शनिवार रात कहासुनी के बाद दो युवकों में झगड़ा हो गया। झगड़े में गुस्साए एक युवक ने दूसरे के पेट में कैंची घोंप दी। घायल युवक को गंभीर हालत में स्स्क्र हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। ज्योति नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावर की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया- शास्त्री नगर के नाहरी का नाका निवासी आमीर अहमद (28) पर जानलेवा हमला हुआ। वह शादी प्रोग्राम में तंदूर लगाने का काम करता है। वह शनिवार शाम अपने साथी अंसार व मोहम्मद ग्यास के साथ वेदा मैरिज गार्डन में काम करने गया था। गार्डन में फ्लोवर डेकोरेशन का काम गोपाल नाम का व्यक्ति कर रहा था। **कैंची के वार से जमीन पर गिर गया** रात करीब 8 बजे कामकाज के दौरान गोपाल खाने में डालने वाले कलर की डिब्बी उठा ले गया।

लोकसभा अध्यक्ष एवं चिकित्सा मंत्री ने दिवंगत डॉ.जसवंत सिंह यादव के चित्र पर श्रृद्धासुमन अर्पित कर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने बहरोड विधायक एवं पूर्व मंत्री दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव के निधन पर उनके अलवर स्थित आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर श्रृद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रृद्धाजंलि अर्पित की तथा शोक संतृप्त परिवारजनों को ढाढस बंधाया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, रामगढ विधायक सुखवंत सिंह, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल व मंगलराम कोली सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने बहरोड विधायक एवं पूर्व मंत्री दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव को श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।



न्यूज विंडा

ओवरस्पीड बस ने बोलेरो-एम्बुलेंस सहित तीन गाड़ियों को मारी टक्करः एक युवक की मौत, गाड़ियों में फंसे लोगों को मुश्किल से निकाला; 16 लोग घायल

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में प्राइवेट बस और एम्बुलेंस सहित तीन वाहनों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जोबनेर-रेनवाल हाईवे पर भोजपुरा स्टैंड के पास रविवार देर शाम करीब 6:45 बजे यह हादसा हुआ। एएसआई मदनलाल ने बताया- हादसे में दूदू के लातेड़िया निवासी विश्राम जाट (35) पुत्र भूराराम जाट की मौत हो गई। उसके साथ बोलेरो में दो और लोग मौजूद थे। वे घायल हो गए। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा गया है। जोबनेर थाना पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे यात्रियों को रेस्क्यू करवाया गया। पुलिस ने करीब 16 घायलों को रेस्क्यू कर हॉस्पिटल भिजवाया। **बोलेरो को टक्कर मारने के बाद एंबुलेंस और कार को मारी टक्कर** एसआई लक्ष्मण ने बताया- प्राइवेट कंपनी की बस सवारियां लेकर जयपुर से दांतारामगढ़ जा रही थीद्य हाईवे पर भोजपुर बस स्टैंड के पास ओवर स्पीड बस और बोलेरो की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। इसके बाद अनियंत्रित बस ने एम्बुलेंस और एक कार को चपेट में ले लिया। तीनों गाड़ियों को टक्कर मारते हुए बस क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गई। **रेनवाल और जोबनेर अस्पताल पहुंचे घायल** स।ह (जोबनेर) मोतीलाल शर्मा ने बताया- हादसे में बोलेरो गाड़ी आगे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बोलेरो में फंसे दो-तीन लोगों को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत कर बाहर निकाला। साथ ही बस में सवार यात्रियों को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बाहर निकलवाया। रेनवाल और जोबनेर हॉस्पिटल की एंबुलेंस को बुलाकर हादसे में घायल करीब 16 लोगों को एडमिट कराया गया। पुलिस ने करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त गाड़ियों को रोड किनारे कर ट्रैफिक शुरू करवाया। **महाराष्ट्र से खाटूश्यामजी दर्शन करने आया था पेशेंट**,स्ड्ड मदनलाल ने बताया- बस और बोलेरो की आमने-सामने भिड़ंत हुई। इसके बाद कार और एंबुलेंस को बस ने टक्कर मारी। एंबुलेंस में महाराष्ट्र का एक कैंसर पीड़ित व्यक्ति खाटूश्यामजी दर्शन करने आया था। दर्शन करने के बाद वह वापस एंबुलेंस से महाराष्ट्र जा रहा था। हालांकि एंबुलेंस में सवार व्यक्तियों को मामूली चोट आई है।

जयपुर में 57 किलो चांदी की लूट, एक साल से फरार 10 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजधानी जयपुर के जौहरी बाजार में एक ज्वेलर की दुकान से 57 किलो चांदी की लूट के मामले में एक साल से फरार चल रहा 10000 रुपए का इनामी बदमाश आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। माणक चौक थाना पुलिस की सूचना पर उसे खोह नागोरियान थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब उसे माणक चौक थाना पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। जयपुर (पूर्व) डीसीपी रंजीता शर्मा ने बताया कि टोंक के निवासी अशफाक हुसैन उर्फ लक्की (36) को खोह नागोरियान थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 170 में गिरफ्तार किया है। अब माणक चौक थाना पुलिस उसे मुकदमे में गिरफ्तार कर पूछताछ करेगी। आरोपी से पूछताछ में लूट की इस वारदात के साथ ही अन्य वारदातों के बारे में भी पुलिस को अहम जानकारियां हाथ लगने की संभावना है। पुलिस से बचने के लिए रह रहा था किराए के मकान में : उनका कहना है कि शहर में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए एडिशनल डीसीपी पारस जैन के सुपरविजन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खोह नागोरियान थानाधिकारी सुनील गोदारा के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल कमलेश, कांस्टेबल कैलाश और रामजीलाल की टीम ने अशफाक को बीएनएस की धारा 170 में गिरफ्तार किया है। वह मूलत: टोंक का निवासी है और जयपुर के खोह नागोरियान थाना इलाके में किराए के मकान में रहकर फरारी काट रहा था। वह माणक चौक थाने में दर्ज चांदी लूट के मामले में वांछित था और उस पर दस हजार रुपए का इनाम था। चार आरोपी पहले पकड़े गए : वहीं, माणक चौक थानाधिकारी राकेश ख्यालिया का कहना है कि जौहरी बाजार में एक ज्वेलर की दुकान पर तीन बदमाशों ने 57 किलो चांदी की लूट की वारदात को अंजाम दिया था। यह घटना नवंबर 2025 की है। इस मामले में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों और उनकी मदद करने के एक आरोपी को पुलिस पहले गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में सामने आया कि टोंक निवासी अशफाक ने भी बदमाशों की मदद की थी। वह एक साल से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम था। अब उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।



राज्यपाल बागडे ने जैन संत आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित चातुर्मास समारोह में भाग लिया





जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रविवार को चाकसू तहसील के ग्राम निमोडिया पहुंचे। उन्होंने वहां जैन संत आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित चातुर्मास समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने वहां पिच्छी परिवर्तन महोत्सव में भी भाग लिया और कहा कि युवाओं को धर्म व संस्कृति से जोड़ने का यह अपूर्व अवसर है। राज्यपाल बागडे ने कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति है। उन्होंने जैन धर्म की अहिंसा, सहिष्णुता,अपरिग्रह के संदेशों को सभी को आत्मसात करने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे श्रद्धालुओं को आचार्य, मुनिराज और आर्यिका माताजी को नई पिच्छी भेंट करने और उनकी पुरानी पिच्छी को प्रसाद स्वरूप प्राप्त करने की घटना के भी साबने।

चुनाव ड्यूटी के दौरान शिक्षक की मौत

डीग (हुक्मनामा समाचार)। जिले के गांव खोहरी में पंचायती राज आम चुनाव-2026 में मतदान केंद्र पर पंच, सरपंच नामांकन प्रक्रिया के दौरान रविवार को शिक्षक सैयद साबिर अली 57 वर्ष कि ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत खराब होने पर राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया शिक्षक सैयद साबिर अली कामा तहसील के विलोद गांव के रहने वाले हैं जो कि 2001 से विलोद स्कूल में अपनी सेवा दे रहे थे पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार जनों को सौंपा।

सड़क हादसों में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि, सुरक्षित सफर का दिया संदेश

दौसा (हुक्मनामा समाचार)। सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार, 15 नवंबर को राजस्थान सहित पूरे विश्व में 'वर्ल्ड रिमेम्बरेंस डे' एवं 'राज्य सड़क सुरक्षा दिवस' मनाया गया।कार्यालय महानिदेशक पुलिस (यातायात), राजस्थान की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित इस दिवस की इस वर्ष की थीम 'ऋश्वस्श्वस्क्षश्वऋ स्क्कह्कक्ष,ट्टज्ञ' रखी गई है। महानिदेशक पुलिस (यातायात) मालिनी अग्रवाल ने प्रदेश के सभी पुलिस उपायुक्तों, जिला पुलिस अधीक्षकों एवं जीआरपी अधिकारियों को विशेष जन-जागृति कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।इसी क्रम में दौसा पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत 12 प्रमुख बिंदुओं पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर सड़क हादसों में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही दुर्घटना पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं से जुड़े कार्मिकों के योगदान के प्रति आभार जताया गया। पुलिस अधिकारियों ने आमजन को यातायात नियमों की पालना करने और सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने का संदेश दिया।इस अवसर पर सीओ कपिल गुप्ता, यातायात प्रभारी गोपाल लाल शर्मा, सदर थानाधिकारी युधिष्ठिर सिंह, हनुमान सहाय, महिला थानाधिकारी राजेश शर्मा सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

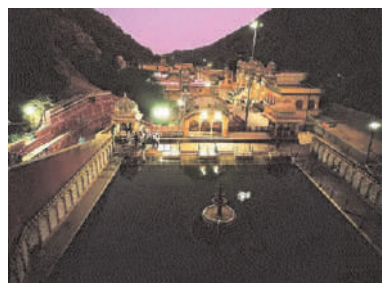
जयपुर में ज्वेलरी फैक्ट्री के स्ट्रॉन्ग रूम में घुसे बदमाश

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। जयपुर की एक ज्वेलरी फैक्ट्री के स्ट्रॉन्ग रूम में घुसकर बदमाशों ने कीमती गहने और उसमें रखे अन्य आइटम चोरी कर लिए। बदमाशों ने दीवार में बड़ा छेद कर वारदात को अंजाम दिया। घटना के दौरान फैक्ट्री का गार्ड छुट्टी पर गया हुआ था। दरअसल, बंद फैक्ट्री के स्ट्रॉन्ग रूम को काटकर बदमाश अंदर घुसे थे। सांगानेर सदर थाने में पीड़ित ज्वेलर पार्टनर की ओर से स्ड्ढक्रदर्ज करवाई गई है। **कंपनी में कीमती गहनों और आइटम बनाने का किया जाता था काम** सांगानेर सदर थाने के स्ड्ढ धर्मवीर ने बताया कि श्याम नगर के रहने वाले अजय शंकर खंडेलवाल (62) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया गया कि वह शंकर ज्वेल्स कंपनी में पार्टनर है। सांगानेर सदर के सीतापुरा में कंपनी की फैक्ट्री है। जिसमें कीमती गहनों और आइटमों को बनाने का काम किया जाता था। फैक्ट्री परिसर में कीमती गहनों और आइटमों को सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रॉन्ग रूम बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे फैक्ट्री में बने स्ट्रॉन्ग रूम की जांच की गई। चेक करने पर स्ट्रॉन्ग रूम को अनजान व्यक्तियों की ओर से काटना पाया गया। जिसे काटकर स्ट्रॉन्ग रूम में बदमाश घुसकर अंदर रखे कीमती गहने और आइटमों की चोरी कर ले गए।

9 विभागों को जिम्मेदारी; कुंडों पर 24 घंटे गोताखोर

गलता तीर्थ में 24 नवंबर तक कार्तिक स्नान, कंट्रोल रूम व पीसीआर वैन तैनात रहेगी

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। उत्तर भारत के प्रमुख तीर्थ स्थल गलता जी में जीर्णोद्धार के बीच अब 27 अक्टूबर से 24 नवंबर तक चल रहे कार्तिक स्नान और छठ पूजन के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधाओं पर प्रशासन का विशेष फोकस है। विशेषकर महिलाओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला कलेक्टर एवं मंदिर ठिकाना गलता जी के प्रशासक ने 9 विभागों की जिम्मेदारी तय की है। **पुलिस और प्रशासन को सौंपी अपनी-अपनी जिम्मेदारी** नागरिक सुरक्षा के उप नियंत्रक को जनाना व मर्दाना कुंड पर चौबीसों घंटे गोताखोर और स्वयंसेवक तैनात रखने के निर्देश दिए गए हैं। डीसीपी उत्तर को अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित करने, पीसीआर वैन लगाने व संदिग्ध वस्तुओं की जांच करने को कहा गया है। डीसीपी ट्रैफिक पार्किंग और लावारिस वाहनों की निगरानी करेंगे। एसडीएम जयपुर प्रथम खुशबू शर्मा व एसडीएम उत्तर श्रीकांत व्यास को सभी व्यवस्थाओं का समग्र प्रभारी बनाया गया है। दमकल, चल शौचालय, चिकित्सा टीम और पेयजल टैंकर रहेंगे तैनात; नगर निगम को मंदिर के पास दमकल वाहन, दो चल शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और रास्तों से अतिक्रमण व आवारा पशु हटाने की जिम्मेदारी दी गई है। जेवीवीएनएल खुले तारों को दुरुस्त करेगा और पीएचईडी पेयजल टैंकर लगाएगा। सीएमएचओ प्रथम को डॉक्टरों की टीम व एंबुलेंस तैनात रखने के आदेश हैं। प्राचीन भित्ति चित्रों व शिल्पकला का होगा संरक्षण; नगर निगम के अधिकांश कार्य पूरे होने के बाद अब जेडीए और आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण नए विकास कार्य कराएंगे। आमेर प्राधिकरण ने मैसर्स अरुण कुमार धीरन को मुख्य मंदिर भवन की मरम्मत, पारंपरिक रंग-रोगन तथा प्राचीन भित्ति चित्रों व शिल्पकला के संरक्षण का वर्क ऑर्डर जारी किया है, जिसे 16 फरवरी 2027 तक पूरा करना है।



देवस्थान विभाग राजस्थान के वनबिहारी मंदिर पर कदमखंडी, जतीपुरा में संत गोविंद स्वामी की बैठक पर भव्य संगीत महोत्सव का आयोजन

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान की समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं संगीत परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग स्थित देवस्थान विभाग राजस्थान के वनबिहारी मंदिर पर कदमखंडी, जतीपुरा में अष्टछाप के महान संत-कवि एवं संगीतज्ञ अष्टसखा गोविंद स्वामी की बैठक पर भव्य संगीत महोत्सव का आयोजन किया गया। 'कृष्ण सखा गोविंद स्वामी जी - रसिक अनन्यनि को पथ बाँको' शीर्षक से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में अष्टछाप के महान कवियों के पदों का शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित रागों में भावपूर्ण गायन किया गया। विशेष रूप से अष्टसखा गोविंद स्वामी के चुनिंदा पदों की संगीतमय प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं संगीतप्रेमियों को भावविभोर कर दिया। अष्टसखा गोविंद स्वामी राजस्थान की सांस्कृतिक, कृष्ण भक्ति एवं ब्रज परंपरा के महान संवाहक संत-कवि एवं संगीतज्ञ थे। उनका जन्म राजस्थान के भरतपुर जिले के अटारी गांव में हुआ था। उन्होंने अपनी विलक्षण काव्य प्रतिभा और संगीत साधना के माध्यम से श्रीकृष्ण भक्ति को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें राधा के भाई श्रीदामा का अवतार माना जाता है । ब्रजभाषा में उनके द्वारा रचित 600 से अधिक पद उनकी आध्यात्मिक अनुभूति, काव्य प्रतिभा और संगीत साधना के परिचायक हैं। उनकी रचनाओं में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, मधुर भावों, स्वरूप सौंदर्य और दिव्य लीलाओं का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण मिलता है। गोवर्धन की पावन भूमि पर स्थित उनकी बैठक आज भी उनकी साधना और भक्ति परंपरा की स्मृति को संजोए हुए है। अष्टछाप की परंपरा भारतीय भक्ति साहित्य, संगीत और कृष्णभक्ति की अत्यंत समृद्ध विरासत है। इस परंपरा के आठ महान कवि-संगीतज्ञों को अष्टछाप कहा जाता है। वैष्णव मान्यता के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के अंतरंग सखाओं की भांति कलियुग में श्रीनाथजी की सेवा और लीला-स्मरण के लिए इन महान भक्तों का प्राकट्य हुआ। गोवर्धन पर्वत पर श्रीनाथजी के प्राकट्य और उनकी सेवा-पूजा की परंपरा के साथ इन कवियों ने अपने पदों, कीर्तनों और संगीत के माध्यम से कृष्णभक्ति को जन-जन तक पहुंचाया। महाप्रभु वल्लभाचार्य एवं गोस्वामी विट्ठलनाथ जी ने इन आठ महान कवियों को श्रीनाथजी की अष्टयाम सेवा से जोड़ा। इनमें सूरदास, कुंभनदास, परमानंददास, कृष्णदास, गोविंद स्वामी, नंददास, चतुर्भुजदास एवं छीतस्वामी सम्मिलित हैं। इनकी रचनाओं ने हिंदी साहित्य के भक्तिकाल को समृद्ध करने के साथ भारतीय संगीत और पुष्टिमार्गीय कीर्तन परंपरा को भी विशिष्ट पहचान प्रदान की। इन महान कवियों ने श्रीनाथजी की सेवा करते हुए अपनी काव्य प्रतिभा, संगीत साधना और अनन्य भक्ति से एक ऐसा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण किया, जिसकी गूंज आज भी ब्रजभूमि में सुनाई देती है। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर स्थित इनकी बैठकें इस गौरवशाली परंपरा की जीवंत स्मृतियां हैं। कार्यक्रम का आयोजन ब्रज संस्कृति संगीत समिति, वृंदावन के तत्वावधान में अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान के सहयोग से शास्त्रीय संगीतज्ञ ब्रज रसिक मधुकरजी के संयोजन में किया गया। उल्लेखनीय है कि अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान अष्टछाप के कवियों, उनके साहित्य, संगीत और आध्यात्मिक योगदान पर शोध एवं अनुसंधान के कार्य में सक्रिय है। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि गोविंद स्वामी के चुनिंदा पदों का पारंपरिक शास्त्रीय संगीत के प्रतिष्ठित रागों में सस्वर गायन किया गया। हवेली संगीत, शास्त्रीय गायन एवं कथक की सांगीतिक और भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से अष्टछाप की परंपरा को अभिव्यक्ति दी गई। पूरी संगीत मंडली ने अपनी सुरमयी प्रस्तुतियों से गोविंद स्वामी की भक्ति, काव्य और संगीत साधना को जीवंत कर दिया। उपस्थित श्रद्धालु पदगायन के दौरान कृष्णभक्ति के भाव में सराबोर दिखाई दिए। इस अवसर पर देवस्थान विभाग राजस्थान के वनबिहारी मंदिर के पुजारी नंदलाल शर्मा ने आयोजन के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कदमखंडी स्थित गोविंद स्वामी की बैठक में इस प्रकार का विशिष्ट संगीत आयोजन पहली बार हुआ है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को ब्रज की प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भी इस अद्भुत आयोजन के लिए शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया । कार्यक्रम में अष्टसखा गोविंद स्वामी शोध संस्थान के संस्थापक एवं संरक्षक, प्रख्यात भागवताचार्य पंडित योगेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज के मंगलकामना संदेश के साथ उनकी टीम ने सहभागिता की। इस अवसर पर अष्टसखा गोविंद स्वामी की वंश परम्परा के कीर्तनकार डॉ भगवान मकरंद (कामवन), जयपुर से वरिष्ठ साहित्यकार रामानंद राठी, डॉ. योगेश कुमार शर्मा, सुशांति फाउंडेशन की संस्थापक राधे राधे पुष्पाजी तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. गोवर्धन लाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त अष्टछाप साहित्य, ब्रज संस्कृति और कृष्णभक्ति में रुचि रखने वाले सैकड़ों श्रद्धालु एवं भक्तजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।



कार्यालय नगर पालिका-लवाण
जिला-दौसा (राज.)

Email Id:- Nagarpalikalawan1234@gmail.com Phone No. 01427-299401

क्रमांक : न.पा.ल./2026-27/1270 दिनांक : 13.11.2026

संशोधन-पत्र (Corrigendum-01)

इस कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना क्रमांक न.पा.ल./2026/1197 दिनांक 04.11.2026 द्वारा कार्य संख्या 1 नगर पालिका क्षेत्र में खानपुरा रोड नदी से पशु चिकित्सालय की और ओक्टुग्नल पोल मय एलईडी लाईट लगाने का कार्य व कार्य संख्या 2 नगर पालिका क्षेत्र में स्टेट हाईवे से कालू टेन्ट वाले की ढाणी की और ओक्टुग्नल पोल मय एलईडी लाईट लगाने का कार्य की ई-निविदा सूचना प्रकाशित की गई थी, जिसमें ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड/अपलोड/करने की अन्तिम दिनांक एवं समय 14.11.2026 को सायं 06.00 बजे तक था, जिसके स्थान पर 16.11.2026 समय सायं 06.00 बजे पढा जावे तथा तकनिकी बिड प्रपत्र व निविदा दस्तावेज भौतिक रूप से जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय 16.11.2026 के स्थान पर 18.11.2026 प्रात: 11.00 बजे पढा जावे तथा निविदा खोलने की दिनांक व समय 16.11.2026 के स्थान पर 18.11.2026 दोपहर 04.00 बजे पढा जावे। शेष समस्त शर्ते यथावत रहेगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका लवाण, दौसा

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रदीप लोढ़ा द्वारा एफ बी-3, करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया रोड नंबर-4, जयपुर से मुद्रित एवं जी 1, एफ ब्लॉक गणपति एनक्लेव अजमेर रोड जयपुर से प्रकाशित। फोन (0141) 2220403, 2220405,2220060,8824399949-59 संपादक - प्रदीप लोढ़ा, प्रबंध संपादक - वैभव लोढ़ा, जोधपुर कार्यालय -902, तीसरी ई रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। फोन 2433621, अजमेर कार्यालय- पीली कोठी, जयपुर गोल्डन, जयपुर रोड, अजमेर।

सम्पादकीय...

टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं



विश्व स्वास्थ्य संगठन की ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2026 में भारत में टीबी के खिलाफ चल रही लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रगति सामने आई है। 2015 की तुलना में भारत में टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं टीबी के मरीजों के इलाज में सफलता की दर बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा बताता है कि भारत में टीबी की रोकथाम और उपचार के क्षेत्र में लगातार बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2015 में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी से 28 लोगों की मौत होती थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 18 रह गई। यह बदलाव स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और समय पर उपचार की दिशा में किए गए प्रयासों को दर्शाता है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है। हालांकि यह शरीर के दूसरे अंगों को भी प्रभावित कर सकती है। इसके प्रमुख लक्षणों में लंबे समय तक खांसी रहना, बुखार आना, रात में पसीना आना, भूख कम लगना और वजन में कमी होना शामिल हैं। इन लक्षणों को सामान्य मौसमी बीमारी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक खांसी बनी रहती है तो उसे चिकित्सक से सलाह लेकर जांच करवानी चाहिए। समय पर बीमारी की पहचान होने से उपचार आसान हो जाता है और संक्रमण को फैलने से रोकने में भी मदद मिलती है। पहले टीबी के मरीजों के सामने सबसे बड़ी समस्या बीमारी की पहचान और उपचार की उपलब्धता थी। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं की कमी और जागरूकता के अभाव में कई मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते थे। आर्थिक कमजोरी के कारण भी उपचार बीच में छूट जाता था। लेकिन अब देश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हुआ है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की जांच और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। भारत सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। निक्षय पोषण योजना के माध्यम से टीबी मरीजों को पौष्टिक भोजन के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। निक्षय मित्र पहल के माध्यम से समाज के लोगों, संस्थाओं और संगठनों को टीबी मरीजों की मदद के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

वैभव लोढ़ा...

इतिहास में आज

1908 - जनरल मोटर्स निगम की स्थापना की गई।
1995 - भारतीय मूल के वासुदेव पाण्डे त्रिनिदाद एवं टौबेगो के प्रधानमंत्री बने।
2000 - रूस द्वारा अंतरिक्ष केन्द्र मीर को डुबाने का फैसला।
2006 - पाकिस्तान ने मध्यम दूरी के गौरी-V मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

-धर्म चंद मेहता

क्रॉस फायर

❑राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को घेरा, कहा जब 14 करोड़ वोटर अवैध तो 2024 का चुनाव वैध कैसे।

◆अपने ही जाल में आयोग फस गया।

❑राहुल गांधी बोले चुनाव से पहले कडे मुकाबला और गठबंधन होते थे पर अब लोकतंत्र खत्म कर दिया।

◆समय के हिसाब से खुद को भी बदलो।

❑भारत ने पाकिस्तान को हराकर नवमी बार जीता अंडर-19 एशिया कप।

◆इसमें ही खुश हो लो।

❑अमेरिका में 9 /11 के हमले के बाद दूसरी बार एयर इमरजेंसी।

◆अब तो वैसे भी इमरजेंसी समझ लो।

❑राहुल के बाद सैम पित्रोदा कोई बोले मेरा फोन और लैपटॉप टेप हुआ।

◆इसमें कौन सी नई बात।

❑सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर बोले गोधरा कांड दुर्घटना नहीं साजिश थी।

◆पर यह बताओ साजिश के पीछे दिमाग किसका था।

❑शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी के लिए भारत ने रखी दो शर्त।

◆भारत के भेजने में ही भलाई है।

❑गहलोत ने खोली बजट फाइल्स पहला एपिसोड में जल जीवन मिशन पर सरकार को घेरा।

◆दोनों में से एक की पोल तो खुलेगी।

.....अंजू लोढ़ा

आज का राशिफल

सोमवार 16 नवम्बर, 2026

मेष राशि: आज के दिन तनाव व चिंता की कुछ घटनाएं हो सकती हैं लेकिन मन शांत रखकर समस्याओं से पार पा लेंगे। प्रोफेशन में परिवर्तन चाहते हैं। पढ़ाई में रुचि की कमी रहेगी।

वृषभ राशि: अपने व्यवसाय को लेकर यात्रा होगी। प्रोजेक्ट के लिए नए साझेदार मिलेंगे। घर के किसी सदस्य की चिंता रहेगी। अस्वस्थता रहेगी। बकाया वसूली होगी।

मिथुन राशि: रोज़ नई योजना बनती है पर चालू एक नहीं होती। परिवार में पूछ-परख कम होगी। पिता के साथ आज कल अच्छी घुल मिल रही है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। भय, चिंता तथा तनाव का माहौल खत्म होगा। मेहनत अधिक होगी।

कर्क राशि: आज का दिन महत्वपूर्ण है। नए लोगों से जरा संभल कर मित्रता करें। किसी देव स्थान का भ्रमण संभव है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। किसी भी विवाद से बचें।

सिंह राशि: दिन की शुरुआत में आलस हावी रहेगा। संतों का सान्निध्य मिलेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से बचें। अतिविश्वास हानिकर सिद्ध होगा।

कन्या राशि: किसी भी कीमत पर झुकना आप को पसंद नहीं है। वैवाहिक यात्रा सफल रहेगी। गृहस्थ सुख मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कार्य में बाधा संभव है। मकान बदलने से लाभ होगा।

तुला राशि: आज आप जल्दबाजी में कार्यों को अंजाम देने से बचें। अपने करियर को लेकर आप ईमानदार नहीं हैं, संभल जाएं। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं जो लाभ देंगे। कार्यस्थल में उन्नति होगी।

वृश्चिक राशि: समय के परिवर्तन से राहत महसूस करेंगे। विद्यार्थी वर्ग सफल रहेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। अनाज में निवेश शुभ रहेगा। सोच विचार कर व्यापार करें।

धनु राशि: आपके हौसले से ही आप प्रगति करेंगे। नए वस्त्र की प्राप्ति संभव है। माता-पिता अस्वस्थ रह सकते हैं, उनका ध्यान रखें। आपसी विवाद न करें। शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरी में प्रयास अधिक करने पड़ेंगे।

मकर राशि: कार्यस्थल पर अधिकारियों से विवाद होंगे। आपकी गलती के कारण बने बनाय काम बिग? सकते हैं। बातचीत से काम बन जाएंगे। कार्यसिद्धि होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ राशि: अपने यदि कोई राय दे रहे हैं तो उनकी बात भी मान लेनी चाहिए। पुराने मित्र-संबंधी से मुलाकात आज संभव है। मित्रों से शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। नौकरी-व्यापार में तरक्की संभव है।

मीन राशि: आज किसी से भी विवाद न करें। अपने अधिकारों का गलत प्रयोग न करें। यात्रा लाभकारी रहेगी। आपकी मेहनत से उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। निवेश आदि कार्य में सफल होंगे। कुबुद्धि से हानि संभव है।



राजेन्द्र गुप्ता
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद, मो. 9611312076

नोट- अगर आप अपना भविष्य जानना चाहते हैं तो दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके या इसी व्हाट्स एप नम्बर पर मैसेज भेजकर पहले शर्तें जान लेवें, इसी के बाद अपनी बर्थ डिटेल और हैंडप्रिंट्स भेजें।

चिंतन - धनपिशाचों की अंधी दौड़

धन के पीछे भागती दुनिया-लक्ष्मी की तलाश में अलक्ष्मी का आलिंगन



-डॉ. दीपक आचार्य

धन-संपत्ति का अंबार लगा लेना ही लक्ष्मीवान होना नहीं; वास्तविक लक्ष्मी वहाँ निवास करती है, जहाँ संतोष, सदाचार, उदारता और परोपकार का वास हो।

दीपावली बीत गई। इसके साथ जुड़े दूसरे पर्व भी धीरे-धीरे विदा हो रहे हैं। इन दिनों हमने लक्ष्मी मैया को प्रसन्न करने और अपने घर-आँगन में स्थायी रूप से विराजमान करने के लिए क्या-क्या नहीं किया! असंख्य दीप जलाए, आँखों को चुँधिया देने वाली रोशनी से रात को जगमगाया, रातभर जागकर पूजा-पाठ किया और देवी की आराधना में कोई कसर बाकी नहीं रखी। लक्ष्मी और महालक्ष्मी के मंदिरों में ढोल-नगाड़े बजाए, भजन-कीर्तन किए, डीजे और ध्वनि-विस्तारकों पर स्तोत्रों, मंत्रों और स्तुतियों की गूँज पैदा की। सुबह, दोपहर, शाम और मध्यरात्रि तक आरतियाँ हुईं। जयघोषों से वातावरण गुंजायमान रहा। घरों में लक्ष्मीपूजन हुआ, पण्डितों से अनुष्ठान करवाए गए, मंत्रोच्चार हुए और देवी की प्रतिमाओं का मनोहारी शृंगार किया गया। हमने वह सब कुछ किया, जो हमारी परम्पराओं में रहा है, जो हमें बताया गया और जो हमारी कल्पनाओं में आया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या लक्ष्मी मैया वास्तव में हम पर प्रसन्न हुईं? क्या वे हमारे घरों में ठहरने आईं? अथवा हम केवल बाहरी आडम्बर और कर्मकाण्डों में ही उलझे रह गए? लक्ष्मी चंचला कही जाती हैं। लेकिन क्या उनके न ठहरने का कारण केवल उनकी चंचल प्रकृति है, अथवा हमारी अपनी जीवनशैली और धन के प्रति दृष्टिकोण भी इसके लिए जिम्मेदार है?

लक्ष्मी की आराधना या धन की अंधी उपासना? सच तो यह है कि किसी अन्य पर्व-त्योहार के लिए हम शायद ही इतनी गंभीरता और उत्सुकता दिखाते हों, जितनी लक्ष्मीपूजन के अवसर पर दिखाई देती है। आखिर मामला धन-संपत्ति का जो है! धन के नाम पर हमारी सक्रियता, तत्परता और समर्पण देखते ही बनता है। लगता है जैसे जीवन का एकमात्र उद्देश्य धन अर्जित करना और उसे किसी भी कीमत पर अपने पास बनाए रखना ही रह गया है। आज अधिकांश लोगों की प्राथमिकताओं में पैसा सर्वोपरि हो गया है। धन पाने की लालसा कई बार मनुष्य को नैतिकता, संवेदना और विवेक की सीमाएँ लाँघने के लिए भी प्रेरित कर देती है। हम धन के लिए अपना समय, स्वास्थ्य, पारिवारिक सुख, मानसिक शान्ति और यहाँ तक कि आत्मसम्मान तक दाँव पर लगाने को तैयार हो जाते हैं। विडम्बना यह है कि धन की इस अंधी दौड़ में शामिल होकर हम स्वयं को भाग्यशाली और सफल समझने लगते हैं, जबकि कई बार हमारी यह दौड़ हमें वास्तविक समृद्धि से दूर ले जाती है। हम प्रतिवर्ष लक्ष्मी की आराधना करते हैं, लेकिन वर्षभर हमारी प्राथमिकताएँ कुछ और ही रहती हैं। मन में अकूत धन-संपदा पाने की आकांक्षा बनी रहती है और उसके लिए उचित-अनुचित, नैतिक-अनैतिक रास्तों के बीच का अंतर भी धुँधला पड़ने लगता है। इसके बावजूद तृप्ति नहीं मिलती।

जिसे लक्ष्मी समझ बैठे हैं, कहीं वह अलक्ष्मी तो नहीं? लक्ष्मी और अलक्ष्मी के बीच का अंतर समझना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। हमारी सबसे बड़ी भूल यही है कि हमने लक्ष्मी के अर्थ को केवल रुपये-पैसे, सोने-चाँदी, जमीन-जायदाद और भौतिक वैभव तक सीमित कर दिया है। जबकि वास्तविक लक्ष्मी का अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। धन जीवन का एक साधन है, स्वयं जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं। वास्तविक समृद्धि वह है, जिसमें धन के साथ स्वास्थ्य, मानसिक शान्ति, संतोष, सदाचार, आत्मसम्मान, पारिवारिक सुख, सामाजिक प्रतिष्ठा और दूसरों के काम आने की क्षमता भी शामिल हो। जिस संपत्ति को पाने के लिए मनुष्य को अपनी शान्ति गँवानी पड़े, जिसके संरक्षण के लिए हर समय भय और आशंका में जीना पड़े, जिसके कारण रिश्ते टूटें, विश्वास समाप्त हो और जीवन निरन्तर तनाव से घिरा रहे, उसे वास्तविक लक्ष्मी कैसे कहा जा सकता है? ऐसी संपदा भले ही बाहर से आकर्षक दिखाई दे, लेकिन यदि वह व्यक्ति के भीतर लोभ, असुरक्षा, अहंकार और अशान्ति बढ़ा रही है तो वह समृद्धि नहीं, बल्कि अलक्ष्मी का स्वरूप है।

अलक्ष्मी की चौकीदारी में बीतता जीवन- अनुचित साधनों से अर्जित धन को अपने पास बनाए रखने के लिए मनुष्य को अनेक प्रकार के जतन करने पड़ते हैं। उसे हर समय चोरी, लूट, धोखाधड़ी, छीन लिए जाने और कानूनी कार्रवाई का भय सताता रहता है। धन की सुरक्षा के लिए पहरेदार, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा के अनेक इंतजाम करने पड़ते हैं। कई बार अपनी अवैध कमाई और काले कारनामों को छिपाने के लिए नए-नए समझौते और जोड़-तोड़ भी करने पड़ते हैं। ऐसे धन का स्वामी बाहर से कितना ही शक्तिशाली और प्रभावशाली क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह आशंकाओं और असुरक्षाओं से घिरा रहता है। उसकी रातों की नींद और दिन का चैन धन की रखवाली में ही खप जाता है।

इसके विपरीत, शुचिता, ईमानदारी और पुरुषार्थ से अर्जित संपत्ति व्यक्ति को आत्मसम्मान और निर्भयता प्रदान करती है। उसे अपने धन को लेकर किसी के सामने सफाई देने या अनैतिक समझौते करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वह अपनी उपलब्धियों के साथ सहज और संतुष्ट रह सकता है। यही वास्तविक अंतर है लक्ष्मी और अलक्ष्मी का। एक मनुष्य को निर्भयता, संतोष और आत्मगौरव देती है, जबकि दूसरी उसे लोभ, भय और असुरक्षा के जाल में उलझाए रखती है।

करोड़ों के स्वामी, फिर भी भिखारी जैसी बेचैनी- धन के पीछे भागने की प्रवृत्ति का सबसे विचित्र रूप उन लोगों में दिखाई देता है, जिनके पास पहले से ही अकूत संपत्ति, विशाल जमीन-जायदाद और तमाम भौतिक सुविधाएँ मौजूद हैं, लेकिन उनकी भूख समाप्त होने का नाम नहीं लेती। वे दिन-रात और अधिक पाने की जुगत में लगे रहते हैं। अपने से अधिक संपन्न और प्रभावशाली लोगों के आगे झुकते हैं, मिन्नतें करते हैं, जोड़-तोड़ करते हैं और कई बार अपने आत्मसम्मान तक को दाँव पर लगा देते हैं। यह कैसी विडम्बना है कि जिसके पास सब कुछ है, वह भी स्वयं को अभावग्रस्त समझता है! जिसके भण्डार भरे हुए हैं, वह भी और अधिक पाने के लिए बेचैन है। धन बढ़ता जाता है, लेकिन तृप्ति घटती जाती है। ऐसे लोग धनवान तो हो सकते हैं, लेकिन आवश्यक नहीं कि लक्ष्मीवान भी हों।

लक्ष्मी का वास्तविक स्वरूप - संतोष, शुचिता और सदाचार- लक्ष्मी का अर्थ केवल मुद्रा और भौतिक संपदा नहीं है। जीवन में स्वास्थ्य, सौंदर्य, ज्ञान, विवेक, सद्बुद्धि, प्रतिष्ठा, आत्मविश्वास, परिवार का स्नेह, सामाजिक सम्मान और मानसिक शान्ति भी समृद्धि के ही स्वरूप हैं। जिस व्यक्ति के पास पर्याप्त धन हो, लेकिन वह उसका उपभोग तक न कर पाए, रातभर चैन से सो न सके, बीमारियों और तनाव से घिरा रहे, परिवार में आत्मीयता न हो और समाज में उसका सम्मान न हो, उसकी संपन्नता का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है? वास्तविक लक्ष्मीवान वह है, जिसके पास जीवन को आनंदपूर्वक जीने की क्षमता हो। जो अपने धन का सदुपयोग कर सके, दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बन सके और अपने भीतर संतोष तथा उदारता बनाए रख सके।

खबर से बड़ा हो गया बाजार और सच से तेज प्रचार



राजेश जैन

लोकतंत्र को मीडिया चाहिए या सिर्फ खबरों का कारोबार? यह सवाल आज इसलिए अधिक प्रासंगिक है, क्योंकि खबरों की दुनिया पहले से कहीं बड़ी हो गई है, लेकिन सच तक पहुंचना उतना ही मुश्किल होता जा रहा है। सुबह अखबार खोलिए, टीवी चलाइए या मोबाइल पर सोशल मीडिया देखिए; हर ओर खबरें, घटनाओं के वीडियो, विशेषज्ञों की राय, बहसें और हर मुद्दे पर तत्काल प्रतिक्रियाएं हैं।

सूचना की इस बाढ़ में कमी सिर्फ एक चीज की महसूस होती है—ठहरकर सच की पड़ताल करने की। पत्रकारिता का संकट यह नहीं है कि लोग खबरें पढ़ या देख नहीं रहे। असली संकट यह है कि खबरों की बहुतायत के बीच पाठक यह तय नहीं कर पा रहा कि किस पर भरोसा करे। एक ही घटना पर अलग-अलग दावे, आधे-अधूरे तथ्य, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करना और बिना पुष्टि के वायरल होती सूचनाएं इस भरोसे को लगातार कमजोर कर रही हैं। ऐसे में पत्रकारिता की भूमिका केवल सूचना पहुंचाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे सूचना और सत्य, दावे और तथ्य तथा प्रचार और खबर के बीच का फर्क भी स्पष्ट करना होगा। 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। इसी दिन 1966 में भारतीय प्रेस परिषद ने काम करना शुरू किया था। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने के साथ पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखना भी था। यानी प्रेस की आजादी और उसकी जिम्मेदारी को शुरू से ही एक-दूसरे का पूरक माना गया। आज, जब मीडिया का स्वरूप, पहुंच और प्रभाव तेजी से बदल रहे हैं, इस मूल भावना को नए सिरे से समझने की जरूरत है।

खबरों की तेजी और सच की पड़ताल- एक समय खबर पाठक तक पहुंचने के लिए अखबार के अगले संस्करण या रेडियो-टीवी बुलेटिन का इंतजार करती थी। अब घटना होते ही उसका वीडियो और उससे जुड़ा दावा कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। इस बदलाव ने सूचना के प्रसार को तेज और व्यापक बनाया है। आपदा, दुर्घटना, स्थानीय समस्या या प्रशासनिक लापरवाही की जानकारी अब किसी बड़े मीडिया संस्थान की मोहताज नहीं रही। आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर सार्वजनिक कर सकते हैं। सूचना के इस लोकतंत्रीकरण ने खबरों की दुनिया में नए रास्ते खोले हैं। लेकिन सूचना का प्रसार आसान होने के साथ उसकी विश्वसनीयता की चुनौती भी बढ़ी है। सोशल मीडिया पर किसी वीडियो का मौजूद होना उसके सच होने का प्रमाण नहीं है। तस्वीर असली हो सकती है, लेकिन उसका समय, स्थान और संदर्भ गलत हो सकता है। किसी बयान का छोटा-सा हिस्सा पूरे अर्थ को बदल सकता है। फर्जी दस्तावेज और कृत्रिम रूप से तैयार तस्वीरें भी वास्तविकता जैसी दिखाई दे सकती हैं। इसलिए आज पत्रकारिता की कसौटी केवल सबसे पहले खबर देने की नहीं, बल्कि उसकी पुष्टि कर सही संदर्भ के साथ पाठक तक पहुंचाने की है।

जब खबर की जगह तमाशा लेने लगे- पत्रकारिता की मूल भूमिका सत्ता से सवाल पूछना, जनता की समस्याओं को सामने लाना और व्यवस्था को जवाबदेह बनाना रही है। लेकिन आज टेलीविजन समाचारों का बड़ा हिस्सा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, तीखी बहसों और सनसनी के बीच उलझा दिखाई देता है। किसी मुद्दे की जमीनी पड़ताल से ज्यादा महत्व कई बार इस बात को मिलने लगता है कि किसने क्या कहा और किसने किसे जवाब दिया। बहस अपने आप में समस्या नहीं है। लोकतंत्र में असहमति और विचारों का टकराव जरूरी है। समस्या तब पैदा होती है, जब बहस का उद्देश्य मुद्दे को समझना नहीं, बल्कि दर्शक को बांधे रखना बन जाता है। स्टूडियो में ऊंची आवाजें सुनाई देती हैं, लेकिन गांव में पानी की समस्या, अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी, स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद या मजदूरों की मजदूरी जैसे सवाल उतनी जगह नहीं पाते। खबर का महत्व उसके जनहित से तय होना चाहिए, न कि उससे पैदा होने वाली उत्तेजना से। टीआरपी और विज्ञापन आधारित मॉडल ने इस प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। टेलीविजन रेटिंग दर्शकों की संख्या और कार्यक्रमों की लोकप्रियता मापने का माध्यम है। इसका सीधा संबंध विज्ञापन से है। सरकार ने मार्च 2026 में टीवी रेटिंग के लिए नई नीति जारी की, जिसमें पारदर्शिता, ऑडिट और मापन की विश्वसनीयता पर जोर दिया गया। यह सुधार जरूरी है, लेकिन बड़ा सवाल अब भी कायम है—क्या दर्शकों की पसंद ही खबरों की प्राथमिकता तय करेगी या जनहित भी संपादकीय फैसलों का आधार बना रहेगा?

संपादकीय स्वतंत्रता पर बाजार और सत्ता का दबाव- मीडिया संस्थान भी आर्थिक व्यवस्था से बाहर नहीं हैं। अखबार को कागज, छपाई, वितरण और कर्मचारियों पर खर्च करना पड़ता है। टीवी चैनल और डिजिटल पोर्टल भी विज्ञापन तथा दूसरे आय स्रोतों के सहारे चलते हैं। समस्या मीडिया के कारोबार करने में नहीं, बल्कि तब पैदा होती है जब कारोबारी हित संपादकीय फैसलों को प्रभावित करने लगते हैं। जब किसी बड़े विज्ञापनदाता, कॉरपोरेट समूह या राजनीतिक ताकत से संस्थान के आर्थिक हित जुड़े हों, तो खबरों के चयन और प्रस्तुति पर दबाव की आशंका बढ़ जाती है। यह दबाव हमेशा सीधे आदेश के रूप में सामने नहीं आता। किसी खबर को प्रमुखता न देना, किसी जांच को बीच में रोक देना, आलोचनात्मक रिपोर्ट को कमजोर कर देना या प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ खबर प्रकाशित करने से बचना भी संपादकीय स्वतंत्रता को सीमित कर सकता है। आत्म-सेंसरशिप का यह रूप अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन पाठक तक पहुंचने वाली खबरों को प्रभावित जरूर करता है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के 2026 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157वें स्थान पर है। संगठन ने राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी, सामाजिक और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं के आधार पर यह आकलन किया है। किसी एक रैंकिंग को देश की पूरी पत्रकारिता का अंतिम मूल्यांकन नहीं माना जा सकता, लेकिन यह उन परिस्थितियों की ओर ध्यान जरूर खींचती है जिनमें मीडिया को काम करना पड़ रहा है। प्रेस की स्वतंत्रता पर बाहरी दबावों की चर्चा जरूरी है, लेकिन यह भी देखना होगा कि मीडिया संस्थान अपने भीतर संपादकीय स्वतंत्रता की कितनी रक्षा कर पा रहे हैं। **डिजिटल मीडिया ने बदली खबरों की दुनिया**- डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता के सामने नई संभावनाएं खोली हैं।

लोकतंत्र के चारों स्तम्भ सहिष्णुता और असहिष्णुता के सागर में गोते लगा रहे है



बाल मुकुन्द ओझा

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व सहिष्णुता दिवस हर साल 16 नवम्बर को मनाया जाता है। सहिष्णुता या सहनशीलता वह मानवीय गुण है जो हमें दूसरों के भिन्न विचारों, विश्वासों और प्रथाओं को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने की अनुमति देता है। यह शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की आधारशिला है।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहनशील होना आवश्यक है। सहनशीलता व्यक्ति को मजबूत बनाती है, जिससे वह बड़ी से बड़ी परेशानी का डटकर मुकाबला कर सकता है। अक्सर देखा जाता है हम छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर देते हैं, जिससे बात आगे बढ़ जाती है और अनिष्ट भी हो जाता है। ऐसी ही छोटी-छोटी बातों को मुस्कुराते हुए सुनने वाला व्यक्ति ही सहनशील है। सहनशीलता यानि सहिष्णुता का शब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना। मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरूद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देती देश में आज सहिष्णुता तार तार हो रही है। हम ने अपने हित साधने के लिए दूसरों को बलि का बकरा बनाना सीख लिया है। यही कारण है की समाज में भाई चारे का स्थान वैमनस्यता ने ले लिया है। यह भी लगता है लोकतंत्र के चारों स्तम्भ सहिष्णुता और असहिष्णुता के सागर में गोते लगा रहे है। लोकतंत्र के चार स्तंभ है, विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता। इनमें विधायिका, कार्यपालिका और पत्रकारिता पर सहिष्णुता को तार तार करने के आरोप लगते रहते है मगर अब न्यायपालिका भी इसमें शामिल हो गई है। पिछले साल की ही बात करे, इलाहबाद हाईकोर्ट के एक विवादस्पद फैसले की देशभर में खूब नुक्ताचीनी हुई । इस फैसले में माननीय न्यायालय ने कहा किसी बच्ची के स्तनों को पकड़ना और पायजामे का नाडा तोड़ने तथा नीचे खींचने का प्रयास करना बलात्कार या बलात्कार की कोशिश का अपराध नहीं है। न्यायालय के इस असहिष्णु आदेश की देशभर में थू थू होने पर सुप्रीम कोर्ट को आखिर हस्तक्षेप कर कहना पड़ा यह फैसला लिखने वाले जज में संवेदनशीलता की कमी दिखती है। विदेशी आक्रांता औरंगज़ेब को लेकर देश में तरह तरह की भ्रांतियां फैलाई जा रही है जबकि यह ऐतिहासिक सच्चाई है की ओरंगजेब हमारा आइकॉन नहीं हो सकता। उसके जोर जुल्म की कहानियासर्वविदित है। इसी भांति एक कॉमेडियन ने एक राजनेता पर जानबूझकर सियासी टिप्पणी कर अपनी असहिष्णुता का परिचय दिया तो राजनेता समर्थकों ने पलटवार कर उसके कार्यालय में तोड़फोड़ कर दी।

दोनों पक्षों ने संयम और सहनशीलता का परिचय नहीं दिया। जहां तक विधायिका की बात है, लोकसभा और राज्यसभा के अध्यक्ष आये दिन सदस्यों को सहनशीलता और अनुशासन में रहने की सीख देते है जिसे कोई भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है। चौदहवीं और पन्द्रहवीं शताब्दी को समाज सुधार की दिशा में अग्रणी माना गया है। इस अवधि में समाज सुधार आंदोलन फैला और सामाजिक बुराइयों को चुनौती मिली। समाज सुधार के इस आंदोलन का नेतृत्व संतों और समाज सुधारकों ने किया। इन सन्तों ने जाति प्रथा, धार्मिक कट्टरता और अंध विश्वास के विरूद्ध लोगों में चेतना के बीज बोये। संतों ने समाज में बराबरी, समता, भाईचारे और प्रेम का सन्देश फैलाया। आपसी कटुता और बैरभाव के विरूद्ध लोगों को चेताया। संत कबीरदास से लेकर गुरू नानक, रैदास और सुन्दरलाल आदि संतों ने समाज में सहिष्णुता का भाव उत्पन्न कर सामाजिक समरसता को जन जन तक पहुंचाया। इससे समाज में सही अर्थों में सहिष्णुता की भावना बलवती हुई। संत कबीर हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। उन्होंने राम-रहीम को एक माना और कहा ईश्वर एक है भले ही उसके नाम अलग-अलग क्यों न हों।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस और इसकी प्रासंगिकता



-सुनील कुमार महला।

16 नवंबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। वास्तव में यह दिन केवल पत्रकारिता के महत्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह मीडिया की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी पर आत्ममंथन करने का भी अवसर है। बहरहाल , यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय प्रेस परिषद ने आज ही के दिन यानी कि 16 नवंबर, 1966 को कार्य करना प्रारंभ किया था और इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है।

जैसा कि हम सभी यह जानते हैं कि लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।शायद यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, क्योंकि यह जनता और शासन के बीच संवाद का माध्यम बनता है। सत्ता के निर्णयों को जनता तक पहुँचाना, जनसमस्याओं को शासन के सामने रखना, व्यवस्थागत कमियों को उजागर करना और नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना पत्रकारिता के प्रमुख दायित्व हैं। उल्लेखनीय है कि समय के साथ ही साथ आज सूचना और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आया है। समाचार पत्रों और टेलीविजन के साथ डिजिटल मीडिया, समाचार पोर्टल और सोशल मीडिया ने सूचना के प्रसार को अत्यंत तीव्र बना दिया है। अब कोई भी घटना कुछ ही क्षणों में दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच जाती है। यह बदलाव जहाँ सूचना की पहुँच को व्यापक बना रहा है, वहीं कई नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर रहा है। अधूरी जानकारी, भ्रामक खबरें, फर्जी समाचार, भ्रामक शीर्षक और बिना पुष्टि के प्रसारित सामग्री समाज में भ्रम, अविश्वास और तनाव पैदा कर सकती है। ऐसे समय में पत्रकारिता की विश्वसनीयता और उसकी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबरों को सबसे पहले प्रसारित करना नहीं, बल्कि सही तथ्यों के साथ उन्हें समाज के सामने रखना भी है। कुत्ता आदमी को काट ले,यह खबर नहीं है। आदमी कुत्ते को काट ले, खबर वह है, क्यों कि जो अप्रत्याशित है,वहीं ख़बर है। वास्तव में,ख़बर की पुष्टि, स्रोतों की विश्वसनीयता, दोनों पक्षों को सुनना और भाषा की मर्यादा बनाए रखना निष्पक्ष पत्रकारिता की बुनियादी शर्तें हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को प्रभावित करने वाली खबरों में विशेष सावधानी अपेक्षित है। सनसनीखेज प्रस्तुति और टीआरपी की होड़ में समाचार की मूल आत्मा प्रभावित नहीं होनी चाहिए, जैसा कि आज हो रहा है। इतना ही नहीं, आज पत्रकारिता के सामने एक बड़ी चुनौती आर्थिक दबाव, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और विभिन्न प्रकार के प्रभावों के बीच अपनी संपादकीय स्वतंत्रता बनाए रखने की भी है। पत्रकारिता तभी सार्थक हो सकती है, जब वह किसी पक्ष विशेष के हितों के बजाय जनहित को प्राथमिकता दे। सरकार की उपलब्धियों को सामने लाना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक उसकी कमियों और जनसमस्याओं पर सवाल उठाना भी है। इसी प्रकार सकारात्मक कार्यों, सामाजिक बदलावों और समाज के अंतिम व्यक्ति के संघर्ष को स्थान देना भी मीडिया का महत्वपूर्ण दायित्व है। यही नहीं, आज ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए। पत्रकारिता का दायरा केवल राजनीतिक बयानबाजी और मनोरंजन तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं से जुड़े विषयों को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। एक जिम्मेदार पत्

पुष्कर मेला-2026 : परंपरा, संस्कृति और पर्यटन के नए अनुभवों का होगा संगम

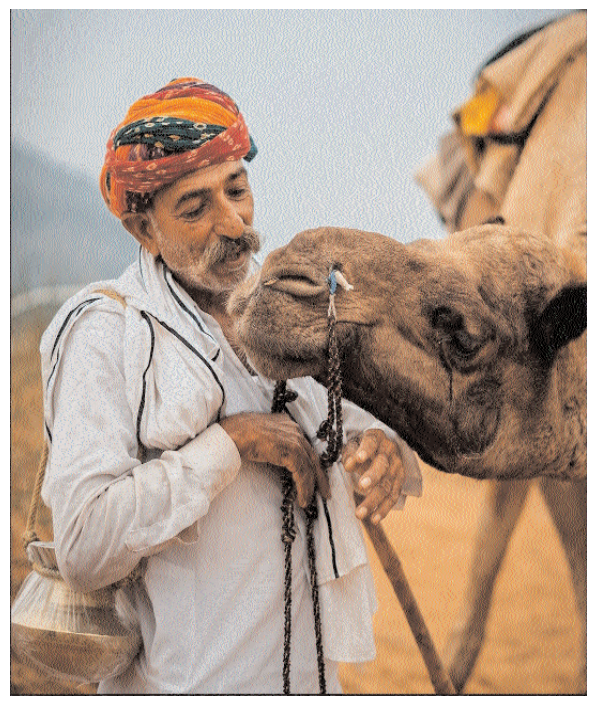
17 से 24 नवंबर तक आयोजित होगा मेला, विदेशी पर्यटक राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में लेंगे भाग

- शिल्पग्राम में फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल, ऊंट एवं घोड़ा नृत्य और लोक सांस्कृतिक स्तुतियां रहेंगी खास आकर्षण

- वर्ष 2025 में 1.32 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों ने कया पुष्कर का रुख

पुष्कर (हुक्मनामा समाचार)। धार्मिक आस्था, राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन के जीवंत रंगों से सराबोर पुष्कर मेला-2026 आगामी 17 से 24 नवंबर तक आयोजित होगा। इस बार मेला परंपरागत धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ पर्यटन के नए और सहभागी अनुभवों का भी साक्षी बनेगा। विदेशी पर्यटक जहां स्थानीय प्रतिभागियों के साथ राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों में भाग लेते नजर आएंगे, वहीं शिल्पग्राम में आयोजित होने वाला फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल प्रदेश के हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय कला का आकर्षण प्रस्तुत करेगा।

पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अजय शर्मा के अनुसार, इस वर्ष मेले में ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं, ऊंट एवं घोड़ा नृत्य, लोक संगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और शिल्पग्राम की गतिविधियां विशेष आकर्षण रहेंगी। आयोजन का उद्देश्य पुष्कर की पारंपरिक पहचान को कायम रखते हुए देशी-विदेशी पर्यटकों को राजस्थान की संस्कृति, खानपान और ग्रामीण जीवन से जुड़ने के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। **पर्यटकों की बढ़ती संख्या से पुष्कर की पर्यटन महत्ता को मिल रही पहचान:**- पुष्कर धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। उपलब्ध पर्यटन आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023 में पुष्कर में 59,951 विदेशी और 76.42 लाख घरेलू पर्यटकों का आगमन हुआ। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 74,726 विदेशी और 1.24 करोड़ घरेलू पर्यटकों तक पहुंच गई। वर्ष 2025 में 68,327 विदेशी पर्यटकों के साथ 1.32 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों ने पुष्कर का भ्रमण किया। वहीं, वर्ष 2026 में अगस्त तक 31,459 विदेशी और 70.88 लाख से अधिक घरेलू पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है। **ग्रामीण खेलों में विदेशी पर्यटकों की भागीदारी होगी खास:**- पुष्कर मेले में इस बार राजस्थान के पारंपरिक ग्रामीण खेलों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन अनुभव से जोड़ने की पहल की गई है। लगड़ी टांग, सतोलिया और गिल्ली-डंडा जैसी प्रतियोगिताओं में स्थानीय प्रतिभागियों के साथ विदेशी पर्यटकों की भागीदारी प्रस्तावित है। फुटबॉल मुकाबले में भी स्थानीय प्रतिभागियों और विदेशी पर्यटकों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। इसके अतिरिक्त रस्साकशी, कबड्डी, वॉलीबॉल और अंतर पंचायत समिति ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ऊंट दौड़, ऊंट नृत्य और घोड़ा नृत्य के साथ साफा बांधने, मूंछ प्रतियोगिता, महिलाओं की मटका दौड़ और म्यूजिकल चेयर जैसे आयोजन मेले के उत्सवी माहौल को और जीवंत बनाएंगे। **शिल्पग्राम में सजेगा खानपान और हस्तशिल्प का रंग:** संयुक्त निदेशक व पुष्कर मेले के नोडल अधिकारी दलीप सिंह राठौड़ के अनुसार शिल्पग्राम में 20 नवंबर को फूड एंड क्राफ्ट फेस्टिवल का उद्घाटन होगा। 21 से 23 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन में राजस्थान के पारंपरिक खानपान और हस्तशिल्प को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। स्थानीय शिल्पकारों और कारीगरों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए मंच मिलेगा। यह आयोजन पर्यटकों को प्रदेश की पारंपरिक पाक कला और शिल्प विरासत से रूबरू कराने के साथ स्थानीय कलाकारों एवं उद्यमियों के लिए भी अवसर उपलब्ध कराएगा। **आस्था, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीवंत होंगे घाट:**-पुष्कर मेले की आध्यात्मिक पहचान को भी विशेष महत्व दिया जाएगा। पुष्कर सरोवर के घाटों पर महाआरती, दीपदान और अन्य धार्मिक गतिविधियां आयोजित होंगी। प्रतिदिन होने वाली महाआरती श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण रहेगी। वहीं, राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार संगीत और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक विविधता के रंग बिखेरेंगे। 17 नवंबर को उद्घाटन दिवस से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा। 24 नवंबर को मेगा सांस्कृतिक



कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण और समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। अजय शर्मा के अनुसार, पुष्कर मेले की विशिष्टता धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और ग्रामीण जीवन के सहज स्वरूप में निहित है। बदलते समय के अनुरूप नए पर्यटन अनुभवों को शामिल करने से इसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान और व्यापक होगी। पुष्कर मेला राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के साथ स्थानीय कला, शिल्प, खानपान और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

श्रीरामलीला महोत्सव की समीक्षा बैठक आयोजित

भरतपुर (हुक्मनामा समाचार)। श्रीरामलीला समिति भरतपुर कार्यकारिणी की बैठक पुराने लक्ष्मण मंदिर पर स्थित, संस्था कार्यालय में ब्रजेश कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आय-व्यय प्रस्तुति एवं हाल ही में सम्पन्न हुए श्रीरामलीला महोत्सव की समीक्षा की गई। अध्यक्ष द्वारा श्रीरामलीला महोत्सव के भव्यता एवं दिव्यता के साथ सफ्लतापूर्वक सम्पन्न होने में सभी सदस्यों की कर्तव्य परायणता के साथ तन-मन-धन जैसी भी सहायता बनी, से सहयोग करने में संतुष्टि व्यक्त करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित की गई। उनके द्वारा महोत्सव की व्यवस्था के लिए धन संग्रहण हेतु सामूहिक रूप से साथ-साथ चलकर एवं अपने स्वयं के प्रयासों से राशि संग्रहण



करने में लगे सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि रामकाज हेतु किया गया कोई भी कार्य व्यर्थ में नहीं जाता है बल्कि उस व्यक्ति की सम्पन्नता एवं समाज में मान एवं प्रतिष्ठा बढाने का कार्य करता है। दीपावली के शुभ अवसर पर सभी को परिवार सहित शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। बैठक में उपाध्यक्ष मोहनलाल मित्तल, मंत्री हरिओम गोतम, उपमंत्री ओमप्रकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष मदनमोहन गुप्ता एवं सदस्य डॉ. नरेश तिवारी, योगेश शर्मा, कृष्ण कुमार किस्सू, रेणुदीप गौड, जमुना प्रसाद शर्मा, विवेक गुप्ता, मुकेश माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे व मंत्रो%चार के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

महिला शिक्षकों की एकजुटता और नेतृत्व का संगम, जिला महिला सम्मेलन संपन्न

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) जिला सीकर के तत्वावधान में रविवार को कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिल्वर जुबली रोड, सीकर में जिला महिला सम्मेलन हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। प्रदेश पर्यवेक्षक देवेंद्र शर्मा (जयपुर) के सानिध्य में आयोजित सम्मेलन में जिलेभर से आई महिला शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। सम्मेलन में तीन सत्र आयोजित हुए। प्रथम सत्र में डॉ. दीपिका शर्मा ने वीरांगना रानी पद्मावती के जीवन से प्रेरणा लेते हुए नारी गरिमा और साहस पर विचार रखे। द्वितीय सत्र में सुशीला



कस्वां ने संगठनात्मक संरचना एवं विस्तार पर जोर देते हुए सक्रिय सदस्यता और सामूहिक सहभागिता को संगठन की शक्ति बताया। तृतीय सत्र में सुशीला रेवाड़ ने महिला शिक्षकों को प्रेरक पाथेय प्रदान करते हुए आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने की बात कही। प्रदेश पर्यवेक्षक देवेंद्र शर्मा ने महासंघ की रीति-नीति और वैचारिक आधार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता, अनुशासन और सामूहिक समर्पण से होती है। सम्मेलन में महिला शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए संगठनात्मक एकजुटता और सामाजिक चेतना को नई दिशा देने का संकल्प लिया।

क्रिकेट लीग सीजन 3 का महा मुकाबला 18 से 20 नवंबर को गांव डेलवा में ,

पदमपुर (हुक्मनामा समाचार)। मां आशापुरा क्रिकेट लीग सीजन 3 का महा मुकाबला 18 से 20 नवंबर को गांव डेलवा में होगे आयोजित , संभाग स्तर पर आयोजित होने वाले महाकुंभ को लेकर विभिन्न मन्डीयो व ग्रामीण आंचल में समाज के प्रमुख प्रतिनिधि बड़ी संख्या में बनेंगे हिस्सा , आयोजक समिति सदस्यों ने संपर्क कर अधिक संख्या में पहुंचने का दिया निमंत्रण पत्र , तीन दिवसीय संभाग स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता को लेकर सिंधी समाज ही नही बल्कि अन्य समाज के युवाओं मे उत्साह की झलक दिखाई दे रही है , रविवार को आयोजक कमेटी द्वारा जालफा माता मंदिर धर्मशाला में विभिन्न व्यवस्थाओ को अंतिम रूप बैठक में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां निर्धारित कर दिया गया । देव भदरा , घनश्याम मीठिया एस एल बदरा , दिनेश कुमार,



ललित हरवानी आदि सदस्यों ने बताया कि हनुमानगढ़ - गंगानगर जिले के रावला , घड़साना , अनूपगढ़ , विजयनगर , रायसिंहनगर , सूरतगढ़ , जैतसर , गंगानगर , करणपर , केसरीसिंहपर अरायन , हनुमानगढ़ सहित अन्य स्थानो पर समाज के लोगों से संपर्क करने के लिए अलग-अलग टीमो का गठन कर निमंत्रण पत्र दिये गए और बताया कि महा मुकाबले में 16 टीमे में प्रवेश लेगी ।

उदयरामसर में महिला फंदे से झूली पीबीएम अस्पताल पहुंचाया शव

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। उदयरामसर के मकान में रविवार शाम को एक महिला के फंदे से झूलने का मामला सामने आया। जानकारी के अनुसार 15 नवंबर को शाम करीब 5:45 बजे सूचना मिली कि उदयरामसर स्थित एक निवास स्थान पर एक महिला फंदे से झूलती मिली है। सूचना मिलने पर खादिमतगार खादिम सोसाइटी और असहाय सेवा संस्थान के सेवादार एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंचे। संबंधित थाना पुलिस की टीम की जांच और निगरानी में शव को पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। मृतका की पहचान करीना पत्नी निसार, निवासी उदयरामसर, बीकानेर के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके पर खदिमतगार खादिम सोसाइटी के हाजी जाकिर, हाजी नसीम, सोयेब भाई, मोहम्मद जुनैद खान, अब्दुल सतार, इमरान, अयूब लोदा एवं राजकुमार खडग़ावत सहित असहाय सेवा संस्थान के सेवादार मौजूद रहे।

चतुर्थ चरण के चुनाव को लेकर पंच-सरपंच प्रत्याशियों ने भरे नामांकन

दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी के बाद 2 बजे बाद हुआ चुनाव चिन्ह का आवंटन

चूरू (हुक्मनामा समाचार)। पंचायती राज चुनाव 2026 के चौथे और अंतिम चरण के चुनाव के तहत सोमवार को पंच-सरपंच के चुनाव होंगे। चुनाव को लेकर सभी ग्राम पंचायतों में पंच-सरपंच पद के उम्मीदवारों ने रविवार को प्रात: 08 से 11 बजे तक नामांकन



दाखिल किये। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि प्रात: 11 से 11.30 बजे तक नामांकन पत्रों की समीक्षा की गई। इसके बाद प्रात: 11:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया हुई। दोपहर 2 बजे बाद चुनाव मैदान में शेष रहे प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह का आवंटन किया गया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मेघसर में पांच प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें किरण पुनिया, तस्लीम बानो, सीमा कंवर, धर्मा देवी व सुमन कंवर मैदान में हैं। सोमवार को प्रात: 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान चतुर्थ चरण के पंचायत चुनाव के तहत पंच-सरपंच के लिए सोमवार को प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। चुनाव को लेकर गांवों में सरगर्मियां तेज हो गई हैं और मतदाताओं में काफी उत्साह भी है। एडीएम ने बताया कि मतदान के तुरंत बाद मतगणना होगी। मतगणना के बाद निर्वाचित पंच-सरपंच को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई जायेगी।

गीता क्लासेज में बच्चों को दी नियमित गोसेवा के महत्व की जानकारी

गोपाष्टमी पर सभी बच्चों को गोसेवा से जोड़ने का लिया संकल्प

चूरू (हुक्मनामा समाचार)। भास्कर भवन में सराफ फाउंडेशन बेंगलुरु की ओर से संचालित गीता क्लासेज रविवार को कक्षा का शुभारंभ गिरधारी लाल सर्राफ व गीता क्लासेज के कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम संयोजक संजय सिंघानिया ने बच्चों से महापुरुषों के जयकारे लगवाए। इसके बाद बच्चों को पंचामृत, पांच श्लोक व स्वामी जी की आवाज में प्रार्थना का सामूहिक अभ्यास करवाया गया। जनार्दन आचार्य ने बच्चों को गीता के प्रथम व बारहवें अध्याय का अध्ययन करवाया तथा निरंजन देव आचार्य ने सातवें व पन्द्रहवें अध्याय का अध्ययन करवाया। बच्चों की सुविधा एवं बेहतर अध्ययन के लिए छह अलग-अलग कक्षाएं



संचालित की गई। इस दौरान युक्ति संस्थान के डॉ. रमेश सोनी को पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर गीता क्लासेज की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रमेश सोनी ने गीता क्लासेज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चूरू में गीता कक्षा द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किये जा रहे हैं वर्तमान समय में बच्चों को संस्कार व नैतिक शिक्षा के लिए ऐसी कक्षाओं की आवश्यकता है। इस दौरान आगामी 17 नवंबर को मनाये जाने वाले गोपाष्टमी पर्व के महत्व पर भी बच्चों को विस्तार से जानकारी दी गई।

एक नजर

शांति भंग एवं भय दिखाने वाले सात लोग किये गिरफ्तार



डीग (हुक्मनामा समाचार)। जिला पुलिस अधीक्षक शरण गोपीनाथ कांबले के निर्देशन में कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत डीग पुलिस द्वारा कार्यवाही कर कुल 7 गैरसायलान को गिरफ्तार किया गया हैं। ग्राम पपरेरा में पंचायत चुनाव नामांकन के दौरान शांति भंग एवं आमजन में भय व्याप्त करने वाले कुल 7 गैरसायलान को गिरफ्तार किया। रविवार को पंचायतीराज चुनाव ड्यूटी मे लगी मोबाईल पार्टी न 05 के इंचार्ज लालचन्द सउनि ने थानाधिकारी कुम्हेर को जरिये मोबाईल सूचना दी की मोबाईल पार्टी इलाका क्षेत्र के गांव पपरेरा में सरपंच पद के फार्म भरे जाने के दौरान मतदान केन्द्र सरकारी स्कूल के पास सार्वजनिक स्थान पर बनी पानी की टंकी के पास कुछ बाहर के लोग आये हुये हैं जो इकट्ठा होकर सरपंच पक्ष के दो पक्षों में गुट बनाकर झगडा कर रहे हैं उक्त इत्तला पर त्वरित कार्यवही करते हुए थानाधिकारी कुम्हेर द्वारा उ%चाधिकारियों को सूचना से अवगत करवाते हुये मय जाप्ता ग्राम पपरेरा में मतदान केन्द्र के पास पहुंचा जहां आपस में झगडा करने वाले एवं आमजन मे भय व्याप्त करने वाले कुल 07 लोगों को शांति भंग में गिरफ्तार कर मौके पर शांति व्यवस्था कायम की गई।

कुट्टी कटाई को लेकर विवाद, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और उनके पति पर हमला, 4 घायल

कोटकासिम थाना क्षेत्र के सारणवास गांव की घटना, चारों को अलवर रैफर किया

खैरथल (हुक्मनामा समाचार)। कोटकासिम थाना क्षेत्र के सारणवास गांव में शनिवार शाम पशुओं के लिए कुट्टी कटाई को लेकर हुए विवाद में एक परिवार पर हमला कर दिया। आरोप है कि लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से किए गए हमले में पिता-पुत्र और महिला सहित चार लोग गंभीर घायल हो गए। चारों को किशनगढ़बास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से गंभीर हालत में अलवर रेफर कर दिया गया। सारणवास निवासी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर मीनू प्रजापत पत्नी कुलदीप प्रजापत ने बताया कि शनिवार शाम उनके घर पर ट्रैक्टर से पशुओं के लिए कुट्टी कटवाई जा रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले 5-6 लोगों ने -विवाद शुरू कर दिया। आरोप है - कि सभी ने एकराय होकर उनके परिवार पर लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में मीनू के ससुर बाबूलाल प्रजापत, जेठ धनराज, पति कुलदीप प्रजापत और वह खुद गंभीर घायल हो गईं। परिजन चारों को लहूलुहान हालत में किशनगढ़बास अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने उन्हें अलवर रेफर कर दिया। देर रात तक घटना के संबंध में मामला दर्ज नहीं हुआ था। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। घायलों के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान आंधी में मनाई पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती



जमवारामगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। आधुनिक भारत के निर्माता, देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस सेवादल के प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत रत्न स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर जयपुर ग्रामीण के आंधी स्थित महात्मा गांधी शिक्षण संस्थान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल की ओर से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस सेवादल के प्रदेश महासचिव रमेश मीणा के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पंडित नेहरू जी के जीवन, विचारों, व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए इस अवसर पर बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं विचारों की अभिव्यक्ति देखने को मिली। कार्यक्रम में कांग्रेस सेवादल के साथी रमेश मीणा, बृजकिशोर पाठक, रामावतार शर्मा, सुंदर जैन एवं दाऊदयाल मीणा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्यपाल बागडे ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दी

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) की स्थापना के सम्मान में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय प्रेस दिवस (16 नवंबर) की बधाई और शुभकामनाएं दी है। बागडे ने कहा कि यह दिवस लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया की स्वतंत्रता और ज़िम्मेदारियों की ओर ध्यान आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस से ही लोकतंत्र सुदृढ़ होता है। उन्होंने लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया है।

बयाना चलती ट्रॉली का टायर फटा, ट्राली पलटने से 18 वर्षीय बालिका ट्रॉली के नीचे दबी, गंभीर घायल

बयाना (हुक्मनामा समाचार)। बयाना के पास त्यौहारी गांव में रविवार शाम ट्रैक्टर-ट्रॉली का टायर फटने से ट्रॉली पलट गई। हादसे में 18 वर्षीय युवती नीचे गिरकर घायल हो गई। परिजनों ने उसे बयाना उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, त्यौहारी गांव के कुछ लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली से ग्राम पंचायत उमरैण में राशन डीलर के यहां राशन लेने गए थे। शाम को गांव लौटते समय ट्रॉली का टायर फट गया। टायर फटने से ट्रॉली असंतुलित हो गई और उसमें सवार लोग संभल नहीं पाए। हादसे में त्यौहारी निवासी सोनम (18), पुत्री संजय, ट्रॉली से नीचे गिरकर घायल हो गई। परिजन उसे तुरंत बयाना उप जिला अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज जारी है।

जनजातीय विकास को नई पहचान देने की पहल, शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से आदिवासी अंचल को संवारने में जुटी भजनलाल सरकार

तीन वर्षों में जनजातीय समाज के उत्थान के लिए योजनाओं का विस्तार, वन अधिकार से लेकर वन धन केंद्रों तक कई महत्वपूर्ण कदम; 1,902 करोड़ के विकास कार्यों से आदिवासी क्षेत्रों में विकास को गति देने का प्रयास

राजस्थान की पहचान केवल यहां की संस्कृति, विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों से ही नहीं, बल्कि यहां रहने वाले जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराओं, लोककलाओं और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंधों से भी है। प्रदेश के बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर, सिरोही, बारां सहित कई जिलों में बड़ी संख्या में जनजातीय परिवार निवास करते हैं। इन क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियां, दूर-दराज बसी आबादी और लंबे समय से चली आ रही बुनियादी सुविधाओं की चुनौतियां विकास के सामने अलग तरह की आवश्यकताएं प्रस्तुत करती रही हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, सड़क, पेयजल और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अपने लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल में जनजातीय क्षेत्रों के विकास को लेकर विभिन्न स्तरों पर पहल की है। सरकार की योजनाओं में एक तरफ विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, मां-बाड़ी केंद्र और आवासीय विद्यालय हैं, तो दूसरी तरफ वन अधिकार पट्टे, वन धन विकास केंद्र, कौशल प्रशिक्षण, कृषि सहायता, जनजातीय पर्यटन और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए लक्षित कार्यक्रम शामिल हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि आदिवासी परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना और उन्हें विकास की मुख्यधारा में समान अवसर दिलाना है। **जनजातीय विकास के लिए बढ़ाया बजट और बनाई व्यापक कार्ययोजना** राज्य सरकार ने जनजातीय विकास के लिए वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है। मुख्यमंत्री ने नवंबर 2024 में बांसवाड़ा में गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना का शुभारंभ किया। इसी अवसर पर जनजाति उपयोजना (टीएसपी) का बजट 1,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,500 करोड़ रुपये करने की घोषणा की गई। इसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध करवाना और योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करना था। वित्त वर्ष 2026-27 में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के लिए 1,255.10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें छात्रावासों, मां-बाड़ी केंद्रों, आवासीय विद्यालयों और विशेष जनजातीय सहायता कार्यक्रमों पर ध्यान दिया गया है। इसके अलावा अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत राज्य के विभिन्न विभागों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, कृषि, पेयजल, सामाजिक सशक्तीकरण और आर्थिक गतिविधियों के लिए अलग-अलग प्रावधान किए गए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि जनजातीय विकास को केवल एक विभाग का काम मानने के बजाय विभिन्न विभागों की योजनाओं के माध्यम से आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। **गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना से वनवासी परिवारों को सहारा** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 नवंबर 2024 को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर बांसवाड़ा में गोविंद गुरु जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना का शुभारंभ किया। इस योजना का विशेष महत्व इसलिए है क्योंकि इसका संबंध वन क्षेत्रों में रहने वाले उन आदिवासी परिवारों से है, जिनकी आजीविका जंगल और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर रही है। योजना के माध्यम से वन अधिकार अधिनियम के तहत पात्र परिवारों को उनके अधिकारों का लाभ दिलाने, सामुदायिक वन क्षेत्रों में विकास कार्य करवाने और वनवासी परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया गया है। सरकार ने वन अधिकार पट्टाधारकों को कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य आजीविका योजनाओं से जोड़ने की दिशा में भी पहल की है। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है, ताकि वन अधिकार



प्राप्त परिवारों की आय के साधन बढ़ सकें। इस योजना का एक बड़ा उद्देश्य यह भी है कि आदिवासी परिवारों को उनके पारंपरिक संसाधनों के साथ सम्मानजनक जीवन और आर्थिक अवसर उपलब्ध हों। **1,902 करोड़ रुपये के विकास कार्यों से आदिवासी अंचल को बड़ी सौगात** जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए मुख्यमंत्री ने 17 मार्च 2026 को बेणेश्वर धाम में 1,902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। ये कार्य बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर और सिरोही जिलों से संबंधित हैं। इन कार्यों का उद्देश्य आदिवासी अंचल में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। इसी कार्यक्रम में वन क्षेत्रों में निवास करने वाले पात्र आदिवासी परिवारों को व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार पट्टे उपलब्ध करवाने के लिए विशेष अभियान चलाने की घोषणा भी की गई। वन अधिकार पट्टों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने पर भी जोर दिया गया, जिससे पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच बनाने में आसानी हो सके। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जमीन और वन अधिकारों से जुड़ी स्पष्टता ग्रामीण और जनजातीय परिवारों की आर्थिक सुरक्षा के लिए अहम भूमिका निभाती है। **वन धन विकास केंद्रों से रोजगार और स्थानीय उत्पादों को बाजार** जनजातीय समाज की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए वन धन विकास केंद्रों को महत्वपूर्ण माध्यम बनाया जा रहा है। इन केंद्रों का उद्देश्य आदिवासी परिवारों द्वारा एकत्रित की जाने वाली लघु वन उपज और कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और विपणन करना है। राजस्थान में आठ जिलों में 530 वन धन विकास केंद्रों के गठन की जानकारी राज्य सरकार ने दी है। वहीं प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन के अंतर्गत उदयपुर, सलूंबर, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों में 283 वन धन विकास केंद्रों को 85,349 लाभार्थियों के लिए स्वीकृत किया गया है। इन केंद्रों के माध्यम से शहद, आंवला, हल्दी, मिर्च, मक्का, चना, दालें, अचार और अन्य स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग तथा बिक्री को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री की पहल पर वनगिरि ब्रांड के अंतर्गत 'आदिपराग' नाम से वन शहद उत्पाद भी लॉन्च किया गया। इसके साथ ही राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ और कॉनफेड के बीच वन उत्पादों के विपणन और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया गया। इस व्यवस्था से आदिवासी परिवारों को केवल कच्चा माल बेचने के बजाय अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त करने के अवसर मिल सकते हैं। इससे विशेष रूप से महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादकों की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की संभावना है। **विद्यार्थियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान, छात्रावास और मां-बाड़ी केंद्रों का विस्तार** जनजातीय समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक आदिवासी क्षेत्रों में दूरस्थ गांवों, आर्थिक कठिनाइयों और आवागमन की समस्याओं के कारण बच्चों को नियमित शिक्षा से जोड़ना चुनौतीपूर्ण रहा है। राज्य सरकार ने इस दिशा में आश्रम छात्रावासों, मां-बाड़ी केंद्रों और आवासीय विद्यालयों को मजबूत करने की योजना बनाई है। वर्ष 2026-27 के बजट में 30,375 विद्यार्थियों को आश्रम छात्रावासों के माध्यम से लाभान्वित करने, 97,470 विद्यार्थियों को मां-बाड़ी केंद्रों से जोड़ने और 6,220 विद्यार्थियों को आवासीय एवं मॉडल पब्लिक स्कूलों के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त मां-बाड़ी केंद्रों में कार्यरत शिक्षाकर्मियों, महिला सहयोगिनियों, स्वच्छता और स्वास्थ्य कर्मियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। प्रदेश में 250 नए मां-बाड़ी केंद्र खोलने के आदेश भी जारी किए गए हैं। छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों का मैस भत्ता बढ़ाकर 3,250 रुपये प्रतिमाह किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर पोषण और आवासीय सुविधा उपलब्ध करवाना है। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में आधुनिक शिक्षा सुविधाएं विकसित करने की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं। राजस्थान के 11 जिलों के 29 एकलव्य विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर लैब स्थापित करने के लिए 16.01 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी मिली है। इससे प्रतिवर्ष 10 हजार से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिलने का लक्ष्य है। **विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए विशेष सहायता** राजस्थान में सहरिया, खैरवा और कथौड़ी जैसे समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। वर्ष 2026-27 के बजट में लगभग 1.30 लाख पात्र व्यक्तियों को दाल, तेल और देशी घी का निःशुल्क वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए सामुदायिक क्रेच की व्यवस्था, कौशल प्रशिक्षण, आवासीय सुविधाएं और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर ध्यान दिया जा रहा है। जुलाई 2026 में जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए 196.39 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें 28 सामुदायिक क्रेच, 1,820 युवाओं के लिए बाजार आधारित कौशल प्रशिक्षण, 500 आदिवासी परिवारों के लिए एकीकृत कृषि मॉडल और 26 आवासीय विद्यालयों में स्क्वॉशरूट लैब स्थापित करने जैसे कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 395 मां-बाड़ी केंद्रों के स्थायी भवन बनाने और उदयपुर जिले के कोटड़ा में जनजातीय अतिथि गृह तथा हाट बाजार विकसित करने के प्रस्ताव भी शामिल किए गए हैं। **स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और सिकल सेल बीमारी पर विशेष पहल** जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। पहाड़ी और दूरस्थ गांवों में रहने वाले परिवारों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आदिवासी समाज में सिकल सेल बीमारी की पहचान और रोकथाम के लिए भी विशेष पहल की गई है। उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज में सिकल सेल बीमारी की जांच, परामर्श और जागरूकता के लिए सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस स्थापित करने हेतु 3.10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट, टीकाकरण और पात्र परिवारों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने पर काम किया जा रहा है। इन प्रयासों का लक्ष्य है कि दूरदराज के आदिवासी परिवारों को उपचार के लिए लंबी दूरी तय करने की मजबूरी कम हो और बीमारी की पहचान शुरुआती स्तर पर हो सके। **वन अधिकार प्रकोष्ठों से पट्टों की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रयास** वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत पात्र परिवारों के दावों की प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने वन अधिकार प्रकोष्ठ स्थापित करने की पहल की है। राज्य में कुल 19 वन अधिकार प्रकोष्ठों के गठन के लिए 3.45 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 18 जिला स्तरीय और एक राज्य स्तरीय प्रकोष्ठ शामिल हैं।

फोटोग्राफरों की कार और सवारियों से भरी जीप में आमने-सामने भिड़ंत, 16 घायल, 8 रेफर ,कार चालक को नींद की झपकी आने की आशंका



दौसा (हुक्मनामा समाचार)। दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र में रविवार अलसुबह एक भीषण सड़क हादसे ने हड़कंप मचा दिया। नगरियावास गांव के पास नजदीक नेशनल हाईवे-23 पर कार और जीप की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों में सवार लोगों को गंभीर चोटें आईं। हादसे में कुल 16 लोग घायल हो गए। इनमें से 8 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया। **शादी समारोह की फोटोग्राफी करने जा रहे रहे थे कार सवार** प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार में सवार पांचों लोग फोटोग्राफी के व्यवसाय से जुड़े हुए थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने करौली क्षेत्र में एक शादी समारोह की फोटोग्राफी की बुकिंग ले रखी थी और समारोह में फोटो खींचने करौली जा रहे थे रविवार तड़के करीब 3:30 बजे उनकी कार मुकुंदपुरा के पास पहुंची। इसी दौरान चालक को नींद की झपकी आने की आशंका जताई जा रही है। इसके चलते कार सामने से आ रही जीप से टकरा गई।

जयपुर के 300वें स्थापना वर्ष को समर्पित तीन दिवसीय जयपुर डिज़ाइन फेस्टिवल का आज भव्य आयोजन

राजस्थान ट्यूरिज़म और जवाहर कला केंद्र के सहयोग से एडीआई द्वारा आयोजित

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। शहर के 300वें स्थापना वर्ष के उत्सव को रचनात्मकता और डिजाइन के माध्यम से खास बनाने के उद्देश्य से आयोजित हो रहा पहला जयपुर डिज़ाइन फेस्टिवल (जेडीएफ) कल, 16 नवंबर से जवाहर कला केंद्र में शुरू होगा। राजस्थान टूरिज्म व जवाहर कला केंद्र के सहयोग से एसोसिएशन ऑफ डिजाइनर्स ऑफ इंडिया (एडीआई) जयपुर चैप्टर द्वारा जयपुर चैप्टर की पहल पर आयोजित इस तीन दिवसीय फेस्टिवल का शुभारंभ पारंपरिक गणेश वंदना के साथ होगा। उद्घाटन समारोह में द प्रियरंग प्रोजेक्ट की ओर से 'गणेश वंदना : महागणपतिम' की विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। जयपुर की परंपरा और आधुनिक रचनात्मक सोच के सुंदर मेल को दर्शाते हुए निर्देशक दीप्ती कोठारी द्वारा कोरियोग्राफ की गई इस फ्यूजन प्रस्तुति में पारिधि कनोडिया, काव्या शाह और स्वरा कोठारी अपनी प्रस्तुति देंगी। जयपुर डिज़ाइन फेस्टिवल 16 से 18 नवंबर तक जवाहर कला केंद्र में आयोजित होगा। कार्यक्रमों की कड़ी में रविवार को कर्तव्य फाउंडेशन और जेडीए की ओर से सेंट्रल पार्क में सामूहिक स्वच्छता अभियान भी आयोजित हुआ। इस पहल में शहरवासियों, डिज़ाइन प्रेमियों और स्वयंसेवकों द्वारा बड़ी मात्रा में क्लीनलीनेस ड्राइव हुई। इस दौरान कर्तव्य फाउंडेशन की ओर से संदीप जेडीएफ की ओर से मिनासिंह, गीतांजलि कासलीवाल, आयुष कासलीवाल, लीला बोर्डिया, उर्वशी भाटी, अनुराग शर्मा व अन्य ने भारी मात्रा में कचरा एकत्रित किया। **16 नवम्बर, पहले दिन ये कार्यक्रम होंगे खास** - फेस्टिवल के पहले दिन डिजाइन और शहर के भविष्य से जुड़े दो महत्वपूर्ण फोरम व वर्कशॉप्स आयोजित होंगे। सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक



'एजुकेशन बाय डिजाइन' विषय पर चर्चा होगी, दोपहर 2 से 4 बजे तक 'सर्कुलर जयपुर' फोरम संवाद होगा। दोनों फोरम कृष्णायन में आयोजित किए जाएंगे। वर्कशॉप्स में सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक केया वासवानी की ओर से 'द आर्ट ऑफ सीइंग' वर्कशॉप होगी। दोपहर 2 से 5 बजे तक सना सोनी की '50 सीट्स, 50 स्टोरीज' वर्कशॉप होगी। इसी समय मनपत बारडिया और प्रियांशी खत्री की ओर से 'डिजाइन्ड स्टोरीटेलिंग यूजिंग फाइव सेंसिस' वर्कशॉप आयोजित होगी। वहीं, दोपहर 3 से 5 बजे तक अंकिता कोठारी की 'द पावर ऑफ कलर विद पैनटोन' वर्कशॉप में रंगों की दुनिया और उनके रचनात्मक उपयोग को समझाया जाएगा। साथ ही अलंकार में सुबह 10 से रात 9 बजे तक ओपन एग्जीबिशन भी दर्शकों के लिए खुली रहेगी। शाम 5 से 6 बजे तक 'बियॉन्ड कन्वर्सेशंस' के बाद शाम 6:30 से 7:30 बजे तक माध्यवर्ती में 'गालिबाज़ी : द वॉइस ऑफ जयपुर' की प्रस्तुति होगी, जो पहले दिन के कार्यक्रमों को सांस्कृतिक रंग देगी।

न्यूज विंडो

कर्मचारी मैदान में गूंजा जनजातीय स्वाभिमान का जयघोष

धरती आबा बिरसा मुंडा को किया नमन



बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। जनजातीय समाज के स्वाभिमान,अधिकारों और सांस्कृतिक अस्मिता के लिए संघर्ष करने वाले महान जननायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती रविवार को बीकानेर के कर्मचारी मैदान में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में उत्साह,श्रद्धा और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाई गई। मीणा समाज अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त महासंघ,समस्त विभाग बीकानेर के तत्वावधान में आयोजित समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित एवं भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। समारोह में समाज के अधिकारी-कर्मचारियों और समाज बंधुओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी निभाते हुए धरती आबा को नमन किया तथा जनजातीय गौरव, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक मजबूती का संकल्प लिया। समारोह के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त बीकानेर आईएएस विश्राम मीणा रहे,जबकि अध्यक्षता महासंघ के जिलाध्यक्ष जयपाल मीणा ने की। विशिष्ट अतिथि पीबीएम अस्पताल के सीनियर फिजीशियन डॉ.मनोज कुमार मीणा एवं शिक्षक संघ रेसटा,राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष व महासंघ के संयोजक मोहर सिंह सलावद रहे। समारोह में भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन,त्याग,बलिदान और जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए ऐतिहासिक योगदान पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। **जनजातीय गौरव की रक्षा के साथ शिक्षा और संस्कृति को दें प्राथमिकता : विश्राम मीणा** कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन साहस, संघर्ष, स्वाभिमान और समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणा दायी मिसाल है। उन्होंने अत्यंत कम आयु में जनजातीय समाज को संगठित कर अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष किया।

फिल्म गीत संगीत का विदेशी मेहमानों ने लिया आनंद

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। संध्या को विश्वकर्मा नाट्य संगीत कला संस्थान, बीकानेर द्वारा हनुमानजी मंदिर के सामने मोहता भवन हॉल में आयोजित 'हर दिल जो प्यार करेगा वो गाना गायेगा' दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम के दौरान विदेशी यूरोपीय देश जर्मनी के मेहमानों -पर्यटकों ने भारतीय बॉलीवुड हिन्दी फिल्मी गीत संगीत कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। संस्था अध्यक्ष मेघराज नागल ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि संस्था से जुड़े स्थानीय गायक कलाकार नारायण बिहाणी, मेघराज नागल,संजीव एरन, श्रीगंगानगर की रजनी सक्सेना, चंद्र भोजक, इंजीनियर कमलकांत सोनी द्वारा बॉलीवुड के सदाबहार और लोकप्रिय गाये गीतों की धुनों पर विदेशी मेहमान नृत्य कलाकार घनश्याम सोलंकी एवं केशव पारीक के साथ जमकर थिरकते नजर आए। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक मेघराज नागल ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य नये कलाकारों को मंच के माध्यम से आगे गायकी के क्षेत्र में बढ़ावा देना और विदेशी मेहमानों व पर्यटकों को भारतीय कला और संगीत की समृद्ध विरासत से रूबरू कराना था। इस अवसर पर कार्यक्रम मुख्य अतिथि एनडी रंगा, शायर मौहम्मद उमर रंगरेज, मेघराज नागल, रजनी सक्सेना ने सभी मेहमानों का मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। अत: में कार्यक्रम में आए सभी श्रोताओं एवं मेहमानों का कार्यक्रम सहयोगी सैय्यद अख्तर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन इंजीनियर कमलकांत सोनी ने किया।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत , परिजनों ने दर्ज कराया मुकदमा

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। जेएनवीसी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

घटना को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बान्दा बास, गोगागेट निवासी एवं वर्तमान में जोईया मार्केट के पास रहने वाले महेन्द्र पुत्र मिठुराम जावा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवादी ने बताया कि पिछली 9 नवंबर की तारीख को उसका भतीजा विजय जावा अपने परिचित सन्नी पुत्र भेराराम के साथ मोटरसाइकिल पर सवार था।

इस दौरान अंबेडकर सर्किल के पास मोटरसाइकिल फिसल जाने से दोनों सड़क पर गिर गए। हादसे में विजय गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच एएसआई ईश्वर सिंह कर रहे हैं।

फिजियोथैरेपी चिकित्सा आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत कड़ी, नई तकनीक से मरीजों को मिल रही तेजी से राहत: टीकाराम जूली

अलवर में द्वितीय राष्ट्रीय फिजियोथैरेपी कॉन्फ्रेंस 'नेशनल अलवर फिजियोकॉन-2026' का भव्य शुभारंभ, देशभर के विशेषज्ञों ने साझा किए शोध, अनुभव और आधुनिक उपचार पद्धतियां

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। अलवर में चिकित्सा विज्ञान, आधुनिक तकनीक और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब रविवार को प्रताप ऑडिटोरियम में द्वितीय राष्ट्रीय फिजियोथैरेपी कॉन्फ्रेंस 'नेशनल अलवर फिजियोकॉन-2026' सीजन-2 का भव्य शुभारंभ हुआ। अलवर एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट्स के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने किया। इस अवसर पर उन्होंने फिजियोथैरेपी को आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि आज मरीजों के उपचार और तेजी से रिकवरी में फिजियोथैरेपिस्ट्स की भूमिका लगातार बढ़ रही है। जूली ने कहा कि यह अलवर के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि लगातार दूसरे वर्ष देशभर के प्रतिष्ठित फिजियोथैरेपिस्ट्स यहां एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। ऐसे राष्ट्रीय आयोजन न केवल चिकित्सा जगत के विशेषज्ञों को अपने अनुभव और ज्ञान साझा करने का अवसर देते हैं, बल्कि नई तकनीकों, शोध और उपचार की आधुनिक पद्धतियों को आम मरीजों तक पहुंचाने का रास्ता भी खोलते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विज्ञान निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आज उपचार का दायरा केवल दवाइयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और विशेषज्ञों के समन्वित प्रयासों से मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दवा और दुआ के साथ आधुनिक फिजियोथैरेपी तकनीक मरीजों की रिकवरी को अधिक प्रभावी और तेज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। फिजियोथैरेपिस्ट्स आज चिकित्सा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं।' नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि फिजियोथैरेपी केवल शारीरिक तकलीफों से राहत देने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति को दोबारा आत्मनिर्भर और सामान्य जीवन की ओर लौटाने की महत्वपूर्ण चिकित्सा पद्धति है। ऐसे में इस क्षेत्र में लगातार हो रहे शोध, नवाचार और तकनीकी विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे चिकित्सकों और विशेषज्ञों द्वारा नई थीसिस, नवीन विचारों, शोध और आधुनिक तकनीकों पर किए जा रहे विचार-विमर्श को चिकित्सा जगत के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस सम्मेलन से निकले निष्कर्ष भविष्य में मरीजों के उपचार को और अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। जूली ने कहा कि अलवर अब केवल औद्योगिक और ऐतिहासिक पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि चिकित्सा एवं शैक्षणिक गतिविधियों के क्षेत्र में भी अपनी अलग



पहचान बना रहा है। लगातार दूसरे वर्ष इतने बड़े राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन अलवर की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला कदम है। अंत में उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी चिकित्सकों, आयोजकों, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि समाज को स्वस्थ, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने में चिकित्सा जगत की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन चिकित्सा क्षेत्र में ज्ञान, नवाचार और सेवा की भावना को नई दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ योगेंद्र शर्मा, डॉ, एस सी मित्तल, डॉ मुकेश शर्मा, डॉ स्नेह साइवाल,डॉ सचिन अग्रवाल, डॉ सतीश शर्मा, डॉ संदीप सैनी, डॉ अनुराधा गोयल, डॉ मनमोहन शर्मा, डॉ हरबंस माथुर, डॉ चेतन शर्मा, डॉ निकिता, डॉ गौतम, डॉ अंकित, डॉ मनीष कुमार, डॉ रवि महलावत सहित देशभर से आए चिकित्सक और शोधार्थी उपस्थित रहे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने धौलपुर जिले की ग्राम पंचायत सलेमपुर, बरौली एवं बड़ागांव के मतदान केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

धौलपुर (हुक्मनामा समाचार)। पंचायती राज आम संस्थाओं के आम चुनाव 2026 को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजेश्वर सिंह ने धौलपुर जिले के दौरे के दौरान ग्राम पंचायत सलेमपुर, बरौली और बड़ागांव के विभिन्न मतदान केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा निरीक्षण के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त सिंह ने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे—पेयजल, छाया, बिजली, रैंप और कतार प्रबंधन का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदान के दिन किसी भी मतदाता को, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बरौली मतदान केंद्र पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मतदान केंद्र पर प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

सुरक्षा और कानून व्यवस्था की समीक्षा आयुक्त ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंधों की भी समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या आचार संहिता के उल्लंघन को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों को दिए निर्देश- श्री सिंह ने मौके पर मौजूद सेक्टर प्रभारियों, पीठासीन अधिकारियों और अन्य चुनाव कर्मियों को पूरी निष्पक्षता और सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की मंशा है कि चुनाव भयमुक्त, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हों, ताकि मतदाता बिना किसी दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

मतगणना के संबंध में विशेष निर्देश- मतदान के उपरांत होने वाली मतगणना प्रक्रिया को अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण बताते हुए आयुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मतगणना पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिमुक्त होनी चाहिए। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देशित किया। सुरक्षित एवं सुसज्जित कक्ष-मतगणना स्थल पर पर्याप्त रोशनी,



बैरिकेडिंग और वीडियोग्राफी की चाक-चौबंद व्यवस्था हो, ताकि प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे। प्रशिक्षित कर्मी-मतगणना कार्य में लगाए जाने वाले सभी कार्मिकों को पूरी तरह प्रशिक्षित किया जाए ताकि परिणाम तैयार करने में किसी प्रकार की मानवीय भूल या देरी की गुंजाइश न रहे। प्रवेश नियंत्रण-मतगणना स्थल पर केवल अधिकृत व्यक्तियों प्रत्याशियों, उनके अभिकर्ताओं और निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों को ही नियमानुसार प्रवेश दिया जाए। प्रवेश द्वार पर कड़ी सुरक्षा जांच हो। शांति एवं व्यवस्था-मतगणना के दौरान और परिणामों की घोषणा के तुरंत बाद कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहे, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। इस दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे पिता-पुत्र व भतीजे को बंधक बनाकर पीटा

पावर ग्रिड के सुरक्षाकर्मियों पर मुकदमा दर्ज

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। श्रीकोलायत उपखंड के बज्जू तहसील में बीकमपुर स्थित पावर ग्रिड में कार्यरत दो सुरक्षा गार्डों के साथ कथित रूप से मारपीट कर उन्हें बंधक बनाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में बीकमपुर निवासी नत्थूराम पुत्र बीरमाराम ने पुलिस अधीक्षक बीकानेर को परिवाद भेजकर पावर ग्रिड के अन्य गार्डों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। परिवाद के अनुसार, पिछली नौ नवंबर को नत्थूराम का पुत्र चैनाराम और उसके छोटे भाई का पुत्र जीवणराम अपनी ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे थे। दोनों पावर ग्रिड में सीजी पावर एसआईएस सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत हैं। आरोप है कि इसी दौरान पावर ग्रिड के कुछ अन्य गार्डों ने दोनों को रोककर कथित रूप से अपहरण कर बंधक बना लिया तथा करीब एक घंटे तक उनके साथ मारपीट की। परिवाद में बताया गया कि दोनों के निर्धारित समय पर घर नहीं पहुंचने पर परिजन उनकी तलाश करते हुए पावर ग्रिड पहुंचे। वहां दोनों को गार्डों के कब्जे में देखकर परिजनों ने बीच-बचाव कर उन्हें छुड़ाया और घर लेकर आए। आरोप है कि मारपीट में दोनों को चोटें भी आईं। परिवादी ने दावा किया है कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध हैं। नत्थूराम के अनुसार, इस मामले में पहले पुलिस थाना बज्जू में लिखित शिकायत दी गई, लेकिन आरोपित गार्डों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उल्टा उसके पुत्र और भतीजे को ही पुलिस थाने में गिरफ्तार कर रखे जाने का आरोप लगाया है। इसके बाद परिवादी ने पिछली 13 नवंबर को पुलिस अधीक्षक बीकानेर को डाक के जरिए परिवाद भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच, सीसीटीवी फुटेज की जांच तथा आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। परिवाद की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच सहायक उपनिरीक्षक झंवरलाल को सौंपी है।

भगवान की भक्ति में किंचित मात्र भी संदेह न करें : प्रहलाद महाराज

रतनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। भगवान में प्रेम होने से भगवान की भक्ति में प्रीति होती है।आप भाव से विश्वास कर ले, फिर उसका अनुभव स्वत: हो जाएगा। उनकी भक्ति में किंचित मात्र भी संदेह नहीं करें। भगवान की शरण होने से जीव का कल्याण हो जाता है।जीवन में शांति के लिए भगवान के प्रति समर्पण भाव होना चाहिए। उक्त धर्म संबोधन संत प्रहलाद महाराज ने पोद्दार गेस्ट हाउस के धर्म प्रवचन पंडाल में व्यास परिवार की ओर से हो रही संगीतमय श्रीराम कथा में दिया। उन्होंने कहा कि हमारे अंतकरण में तभी शांति मिल सकती हैं, जब हम भगवान श्रीराम के चरित्र अनुरूप अपने को ढालने का सद प्रर्यत्न करेंगे। भगवान की लीलाएं सुनने से अच्छे विचारों का उदय होता है। जीवन का असली सुख तो भगवत भक्ति में ही है। कथा शुरू होने से पूर्व व्यासपीठ पर रखी मानस की पूजा अर्चना राहुल कुणाल व्यास परिवार ने की। महाराज ने आज भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं, ताड़का वध,जनकपुरी, राम के द्वारा धनुष भंग के प्रसंग को बड़े ही मर्म से समझाया। कथा में राजूदास महाराज देवास, एसीजेएम कन्हैयालाल पारीक, रमेश ओझा, देवीदत्त हारित, चतुर्भुज गोस्वामी, विकाश रिणवा ,एड.बजरंग गुर्जर, प्रभात फेरी प्रमुख पवन सोनी, एडवोकेट कैलाश सिखवाल, सुरेशचंद्र ओझा, किशोर सिखवाल, हनुमान श्रृंगी, सत्यनारायण सिखवाल, विष्णु सिखवाल, मनोज पंडित, तुलाधर शर्मा, सीए कुलदीप शर्मा, अनिल शर्मा,सुगनचंद मंडार सहित पोद्दार गेस्ट हाउस के प्रांगण में आज रविवार को श्रीराम कथा में हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी तथा रामकथा का अमृत पानकर आध्यात्मिक लाभ उठाया।



खेल मैदान में गूंजा नशामुक्ति का संदेश, बरजांगसर की श्री गुरु दादा टीम बनी वॉलीबाल चैंपियन

रतनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। मेरा युवा भारत केंद्र, चूरू के तत्वावधान में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान' के अंतर्गत आईपीएस एकेडमी में आयोजित दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बरजांगसर की श्री गुरु दादा टीम ने वॉलीबाल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया था। युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलों के माध्यम से स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों सहित कुल 147 युवाओं ने विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दो दिवसीय आयोजन के दौरान वॉलीबाल, कबड्डी एवं खो-खो सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। खिलाड़ियों ने पूरे जोश, उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वॉलीबाल प्रतियोगिता में बरजांगसर की श्री गुरु दादा टीम ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया। समापन समारोह में आईपीएस एकेडमी के संचालक नंदलाल शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आपसी सहयोग और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। माय भारत स्वयंसेवक बलराम गौड़ ने बताया कि 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान' का प्रमुख उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें खेल, शिक्षा एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। इस अवसर पर मनोज शर्मा, कन्हैया शर्मा, उत्तम, अंकित, घनश्याम, प्रांजल, श्रवण ढाका, मुकेश, अजय सहित अन्य युवा उपस्थित रहे।



श्री पाबूजी महाराज के विशाल भंडारे में पहुंचे टीकाराम जूली, दर्शन कर लिया आशीर्वाद



उमरैण (हुक्मनामा समाचार)। उमरैण में आयोजित पाबूजी महाराज के विशाल भंडारे में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शिरकत कर श्रद्धापूर्वक दर्शन किए और महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सर्वजन कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन हमारी आस्था, संस्कृति और सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता की भावना मजबूत होती है। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर सभी के सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से रघुवीरपुरा में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित, आत्मिक स्वच्छता का दिया संदेश

झुंझुनूं (हुक्मनामा समाचार)। ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से रविवार को चंदू का बास (रघुवीरपुरा) में दीपावली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने दीपावली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों को बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ आत्मिक स्वच्छता एवं मन की पवित्रता अपनाने का संदेश दिया। झुंझुनूं ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र संचालिका बीके अमृत बहन ने कहा कि दीपावली के अवसर पर प्रत्येक व्यक्ति अपने घर, दुकान और कार्यालय की साफ-सफाई करता है, लेकिन अपने अंतर्मन में व्याप्त अज्ञान के अंधकार और विकारों रूपी गंदगी को दूर करने पर कम ध्यान देता है।



आत्मशुद्धि के लिए सत्य गीता ज्ञान एवं राजयोग का निरंतर अभ्यास आवश्यक है। इससे जीवन में सुख, शांति और संपन्नता का संचार होता है। डॉ. धर्मवीर शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि दीपावली केवल दीपक जलाने और घरों में रोशनी करने का पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्मा के अंधकार को मिटाकर ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करने का संदेश देता है।

केवल बाहरी रोशनी से जीवन में वास्तविक उजाला नहीं आता। परमात्मा शिव से आत्मा का संबंध स्थापित कर राजयोग और ज्ञान का अभ्यास करने से अज्ञान रूपी अंधकार का नाश होता है तथा जीवन सुख, शांति और सकारात्मकता से जगमगा उठता है।

कारीगर पहल के तहत 10 पारंपरिक शिल्प कलाओं के 3,214 कारीगरों का डिजिटल जिओ टैगिंग

एग्जीबिशन 'सीन एट लास्ट' में जयपुर के हुनरमंद कारीगरों को मिला मंच

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। गुलाबी नगरी की पहचान उसकी ऐतिहासिक इमारतों और पर्यटन के साथ-साथ यहां की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा से भी है, लेकिन इन कलाओं को जीवंत रखने वाले कारीगर अक्सर पहचान और उचित मंच से वंचित रह जाते हैं। इसी अंतर को दूर करने के उद्देश्य से जयपुर में पले-बढ़े तीन युवा सह-संस्थापक तिरशिव ओहलान, समरवीर सिंह शेखावत और अनिका सिंह ने इस पहल 'कारीगर' की शुरुआत की। उनका उद्देश्य राजस्थान की पारंपरिक कलाओं को सुरक्षित करने के साथ उन कारीगरों को पहचान दिलाना है, जिनके हुनर से जयपुर की सांस्कृतिक पहचान बनी हुई है। अब इसी उद्देश्य के अंतर्गत 'सीन एट लास्ट' नाम से विशेष प्रदर्शनी रविवार को जयपुर में बानी पार्क स्थित कृपाल कुंभ में आयोजित की गई। जिसका विधिवत उद्घाटन डायरेक्टर, राजस्थान टूर के मधुवंती सिंह ने किया। इनके अलावा, जयपुराइट्स के साथ राजस्थान सरकार के समाज



कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष, अर्चना शर्मा; सवाई मानसिंघ द्वुड्डु म्यूजियम ट्रस्ट की डायरेक्टर, रामा दत्त और फॉर्मर विधान सभा स्पीकर, दीपेंद्र सिंह भी शामिल हुए। कारीगर के तहत अब तक जयपुर के 3,214 पारंपरिक कारीगरों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। साथ ही 10 पारंपरिक शिल्प कलाओं ब्लॉक प्रिंटिंग, फ्रेस्को, ब्लू पॉटरी, मिनिएचर पेंटिंग, लाख, तारकशी, ठिकरी, बंधेज, और नक्काशी की तकनीक, इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को डिजिटल आर्काइव के रूप में संकलित किया गया है। जिनमे से प्रदर्शनी में चार तकनीकों को प्रदर्शित किया गया है।

प्रदेश में आबकारी पुलिस फोर्स ने किया पी.टी., परेड ड्रिल

आबकारी पुलिस के अधिकारियों, जवानों ने अलसुबह किया अभ्यास

उदयपुर (हुक्मनामा समाचार)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में आबकारी पुलिस फोर्स के लिए नियमित पी.टी., परेड ड्रिल को अनिवार्य किया गया है जिसके तहत सम्पूर्ण प्रदेश में शनिवार एवं रविवार अलसुबह से आबकारी पुलिस फोर्स के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा नियमानुसार पी.टी., परेड ड्रिल, व्यायाम का गहन अभ्यास किया गया। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के अनुसार वर्दीधारी आबकारी पुलिस के जवानों को नियमित रूप से पी.टी., परेड ड्रिल के लिए निर्देशित किया गया है इससे यूनिफॉर्म धारण के शिष्टाचार सहित पी.टी., परेड ड्रिल से जवानों में फिटनेस, अनुशासन, कार्य के प्रति समर्पण एवं प्रतिबद्धता के भाव में दृढ़ता आएगी। प्रदेश में उक्त अभ्यास संबंधित जोन के अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, उपायुक्त आबकारी पुलिस फोर्स की मॉनिटरिंग एवं निर्देशन में किया गया। आबकारी आयुक्त ने पी.टी., परेड ड्रिल को नियमितता के साथ करने संबंधी आदेश प्रदान किए है साथ ही इसकी मॉनिटरिंग के लिए संबंधित जोन एवं जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। सम्पूर्ण प्रदेश में रविवार अलसुबह



पंचायत चुनाव में कांग्रेस का पलड़ा कहां भारी बाड़ाबंदी के बीच डोटासरा करेंगे दो दिवसीय महामंथन

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। प्रदेश में चार चरणों में पंचायत चुनाव का मतदान संपन्न हो गया है. मतदान खत्म होते ही अब सियासी हलचल तेज हो गई है. एक तरफ भाजपा और कांग्रेस अपने-अपने समर्थित सदस्यों को एकजुट रखने के लिए बाड़ाबंदी की रणनीति में जुट गई हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस ने चुनावी नतीजों का आकलन शुरू कर दिया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत चुनाव को लेकर पार्टी के भीतर बड़े स्तर पर मंथन की तैयारी की है. इसके लिए 17 और 18 नवंबर को लगातार दो दिन कांग्रेस वॉर रूम में प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें हार-जीत के कारणों और संगठन की मजबूती पर चर्चा होगी.200 पर्यवेक्षकों से वन-टू-वन लेंगे फीडबैक: बैठक में प्रदेशभर के सभी 200 पर्यवेक्षकों और जिला प्रभारियों को बुलाया गया है. डोटासरा खुद एक-एक पर्यवेक्षक और जिला प्रभारी से वन-टू-वन बातचीत कर पंचायत चुनाव का फीडबैक लेंगे. पार्टी ने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की पूरी जमीनी रिपोर्ट और चुनावी नतीजों का विस्तृत विश्लेषण लेकर आएं. बैठक में केवल जीत और हार के आंकड़ों पर ही चर्चा नहीं होगी, बल्कि यह भी पड़ताल की जाएगी कि आखिर किन कारणों से कांग्रेस को किन क्षेत्रों में सफलता मिली और कहां पार्टी को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाए.किस जिले में कांग्रेस मजबूत, कहां भाजपा ने मारी बाजी: पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस की इस कवायद का सबसे बड़ा मकसद यह पता लगाना है कि पंचायत चुनाव में पार्टी का पलड़ा आखिर कहां भारी रहा, किन जिला परिषदों और पंचायत समितियों में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया और किन क्षेत्रों में भाजपा ने मजबूत स्थिति बनाई. पर्यवेक्षकों से क्षेत्रवार चुनावी स्थिति,



प्रत्याशियों की जीत-हार के अंतर, स्थानीय समीकरणों और संगठन की सक्रियता की जानकारी ली जाएगी. कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व यह भी जानना चाहता है कि किन क्षेत्रों में पार्टी के उम्मीदवारों को स्थानीय नेताओं के प्रभाव का फायदा मिला और कहां नेताओं की आपसी खींचतान और गुटबाजी ने चुनावी संभावनाओं को प्रभावित किया. इसके अलावा निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका और स्थानीय स्तर पर बने राजनीतिक समीकरणों पर भी चर्चा की जाएगी.बाड़ाबंदी के बीच जिला प्रमुख और प्रधान की कुर्सी पर नजर: डोटासरा पर्यवेक्षकों से यह भी जानकारी लेंगे कि किन जिलों में कांग्रेस की स्थिति मजबूत है, कहां बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने की संभावना है और किन जगहों पर अतिरिक्त समर्थन की जरूरत पड़ सकती है. बाड़ाबंदी के बीच पार्टी अपने निर्वाचित सदस्यों को एकजुट रखने और स्थानीय स्तर पर रणनीतिक तालमेल बनाने पर भी ध्यान देगी.संगठन की ताकत और नेताओं की भूमिका का भी आकलन:दो दिवसीय बैठक में पंचायत चुनाव के दौरान कांग्रेस संगठन की सक्रियता भी समीक्षा के केंद्र में रहेगी. बूथ स्तर से लेकर ब्लॉक और जिला स्तर तक संगठन ने कितनी मजबूती से काम किया, स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने कितनी सक्रिय भूमिका निभाई तथा प्रत्याशियों के पक्ष में कितना प्रभावी चुनाव प्रचार हुआ, इन सभी पहलुओं पर रिपोर्ट ली जाएगी. पर्यवेक्षकों से स्थानीय स्तर पर सामने आई शिकायतों और कार्यकर्ताओं की नाराजगी का फीडबैक भी लिया जा सकता है.डोटासरा के लिए सियासी ताकत का लिटमस टेस्ट: राजनीतिक विश्लेषक योगेश शर्मा का मानना है कि दो दिन तक चलने वाला यह महामंथन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के लिए भी अहम माना जा रहा है. पंचायत चुनाव के नतीजे प्रदेश में कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और संगठन की जमीनी पकड़ का संकेत देंगे. बैठक में मिलने वाले फीडबैक से यह भी साफ होगा कि आगामी राजनीतिक लड़ाई के लिए पार्टी को किन क्षेत्रों में अपनी रणनीति बदलने और संगठन को मजबूत करने की जरूरत है.कुल मिलाकर पंचायत चुनाव के बाद कांग्रेस अब केवल जीत-हार का हिसाब नहीं लगा रही, बल्कि जिला प्रमुख और प्रधान की कुर्सियों के लिए अपनी राजनीतिक संभावनाएं भी तलाश रही है. 17 और 18 नवंबर को होने वाला यह महामंथन तय करेगा कि पंचायत चुनाव में कांग्रेस का पलड़ा किन क्षेत्रों में भारी रहा और आगे की सियासी लड़ाई के लिए पार्टी के सामने क्या चुनौतियां हैं. पंचायत चुनाव में कांग्रेस बनाएगी बढ़त: वहीं, इस मामले में पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का कहना है कि पंचायत चुनाव को लेकर पर्यवेक्षकों से जमीनी फीडबैक लेंगे. पर्यवेक्षकों को पूरी तैयारी के साथ आने को कहा गया है. पंचायत चुनाव में कांग्रेस बढ़त बनाएगी.

छठ महापर्व डूबते सूर्य को अर्घ्य, उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। औद्योगिक क्षेत्र स्थित मदीना कॉलोनी में लोक आस्था का महापर्व छठ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। पर्व के अवसर पर व्रतियों ने जलाशयों एवं घाटों पर पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगल जीवन की कामना की। इस दौरान व्रतियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों से माहौल भक्तिमय हो गया। पूजा की सजी हुई टोकरी, फल, ठेकुआ और दीपों से घाटों की रौनक देखते ही बन रही थी। श्रद्धालुओं ने छठी मैया के जयकारे लगाकर परिवार और समाज की मंगलकामना की।



तीन साल के कार्यकाल में योजनाओं की मॉनिटरिंग को बनाया प्राथमिकता

योजनाओं की घोषणा नहीं, धरातल पर लाभ पहुंचाना है असली सुशासन...

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बदली सरकारी कामकाज की कार्यशैली

आमजन तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता बन रही सरकार की पहचान



मुख्यमंत्री खुद ले रहे हैं विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। लोकतंत्र में किसी भी सरकार की सफलता का आकलन केवल इस बात से नहीं होता कि उसने अपने कार्यकाल में कितनी योजनाओं की घोषणा की, कितने नए कार्यक्रम शुरू किए या कितने बड़े-बड़े वादे किए। सरकार की वास्तविक सफलता इस बात में छिपी होती है कि उसकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंचा। सरकारी फाइलों में दर्ज उपलब्धियां तभी सार्थक होती हैं, जब उनका सकारात्मक असर आम आदमी के जीवन में दिखाई दे। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज को इसी कसौटी पर देखने की जरूरत है। सरकार के तीन वर्ष पूरे होने की ओर बढ़ते इस दौर में एक बात विशेष रूप से चर्चा में है कि मुख्यमंत्री स्वयं सरकारी योजनाओं की प्रगति, उनके क्रियान्वयन और आमजन को मिल रहे लाभ को लेकर सक्रिय नजर आते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह दिखाई देता है कि वे योजनाओं की शुरुआत को ही अंतिम उपलब्धि नहीं मानते, बल्कि उनके परिणामों पर भी ध्यान देते हैं। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के रोजगार, किसानों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को लेकर सरकार की प्राथमिकता केवल बजट आवंटन अथवा प्रशासनिक आदेश जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे, पात्र परिवार किसी तकनीकी अथवा प्रशासनिक अड़चन के कारण वंचित न रहे और सरकारी व्यवस्था में जवाबदेही बनी रहे, यही सुशासन का वास्तविक अर्थ है।

प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली से मिली प्रेरणा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कई अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कार्यशैली से प्रेरणा मिलने की बात कह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में समयबद्ध लक्ष्य, योजनाओं की निगरानी, तकनीक का उपयोग और परिणाम आधारित प्रशासन को विशेष महत्व दिया जाता है। इसी सोच का प्रभाव राज्य सरकार की कार्यप्रणाली में भी दिखाई देना चाहिए। मुख्यमंत्री के लिए यह आवश्यक है कि वे केवल विभागों की बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को इस तरह सक्रिय रखें कि प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय हो। अधिकारियों को यह स्पष्ट संदेश मिले कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को राहत पहुंचाना है और इसमें किसी तरह की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री का समय देना, योजनाओं की समीक्षा करना और अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेना प्रशासनिक व्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया की असली सफलता तभी मानी जाएगी, जब समीक्षा के बाद सामने आने वाली कमियों का समाधान भी समयबद्ध तरीके से हो।

केंद्र और राज्य की योजनाओं का समन्वय बना विकास का आधार

राजस्थान में केंद्र सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भी संचालित हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण परिवारों और मध्यम वर्ग के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। दूसरी ओर राज्य सरकार भी अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है। ऐसे में राज्य सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। केंद्र की योजनाओं का लाभ राजस्थान के पात्र नागरिकों तक पहुंचाना, राज्य की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करना और दोनों स्तरों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना किसी भी मुख्यमंत्री के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस दिशा में प्रशासनिक समन्वय और योजनाओं की प्रगति को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिजली और ऊर्जा के क्षेत्र में आमजन को राहत देने के प्रयास हों, पेयजल से जुड़ी परियोजनाएं हों, किसानों के हितों से जुड़े कार्यक्रम हों अथवा युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसरों का विस्तार, इन सभी क्षेत्रों में सरकार की कार्यशैली का मूल्यांकन उनके वास्तविक परिणामों से ही होगा।

सामान्य परिवार से आने का अनुभव, आमजन की जरूरतों की समझ

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का राजनीतिक और सामाजिक सफर भी उनकी कार्यशैली को समझने का एक महत्वपूर्ण आधार है। वे एक सामान्य परिवार से आते हैं और संगठन के विभिन्न स्तरों पर काम करते हुए मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे हैं। इसलिए आम परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों, आर्थिक चुनौतियों और सरकारी सहायता के महत्व को समझना उनके लिए केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार का विषय भी है। एक गरीब परिवार के लिए बिजली बिल में राहत, घर तक पानी पहुंचना, बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलना, युवा को रोजगार का अवसर मिलना अथवा किसान को समय पर सरकारी सहायता मिलना बहुत बड़ी बात होती है। कई बार किसी परिवार की आर्थिक स्थिति में छोटा-सा सरकारी सहयोग भी बड़ा बदलाव ला सकता है। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार की ओर से घोषित प्रत्येक सुविधा वास्तविक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री की सक्रियता का महत्व इसी बात में है कि वे योजनाओं को आमजन के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम बनाने पर जोर देते दिखाई देते हैं। सरकार की योजनाओं की उपयोगिता तभी सिद्ध होगी, जब प्रदेश का सामान्य नागरिक यह महसूस करे कि शासन उसकी समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है।

राजनीतिक विरासत से अलग अपनी पहचान बनाने की चुनौती : राजस्थान की राजनीति में पिछले लगभग ढाई दशकों तक अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे दो प्रमुख मुख्यमंत्री चेहरों के रूप में रहे हैं। दोनों नेताओं का प्रदेश की राजनीति और प्रशासन पर गहरा प्रभाव रहा है। ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी ने वर्ष 2023 में एक नए चेहरे के रूप में पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी। यह निर्णय अपने आप में राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था। संगठन में लंबे समय तक काम करने वाले एक कार्यकर्ता को प्रदेश की सबसे बड़ी जिम्मेदारी देना भाजपा की संगठनात्मक राजनीति का भी संदेश था। मुख्यमंत्री बनने के बाद भजनलाल शर्मा के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी अपनी अलग प्रशासनिक और राजनीतिक पहचान स्थापित करना। तीन वर्ष के करीब पहुंचते कार्यकाल में उन्होंने अपनी कार्यशैली के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया है कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं को गति देना, विकास कार्यों को आगे बढ़ाना और आमजन से जुड़े विषयों पर सक्रिय रहना है। किसी भी नए मुख्यमंत्री के लिए यह सफर आसान नहीं होता, क्योंकि जनता की अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं और हर निर्णय का आकलन राजनीतिक एवं प्रशासनिक दोनों स्तरों पर होता है। सरकार की उपलब्धियों की चर्चा के साथ उन चुनौतियों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जिनका सामना राजस्थान को करना पड़ रहा है। योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचाना, ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं की गुणवत्ता सुधारना, बेरोजगारी की चुनौती से निपटना, पेयजल की स्थायी व्यवस्था करना और स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना लगातार प्रयास मांगता है। मुख्यमंत्री की सक्रियता तभी स्थायी परिणाम दे पाएगी, जब जिला प्रशासन से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक जवाबदेही सुनिश्चित हो।

योजनाओं की सफलता का असली पैमाना है अंतिम व्यक्ति तक लाभ

राजस्थान जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र और विविध सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों वाले प्रदेश में सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना आसान काम नहीं है। प्रदेश के दूरदराज के गांवों से लेकर बड़े शहरों तक जरूरतें अलग-अलग हैं। कहीं पेयजल की समस्या है, कहीं बिजली की उपलब्धता चुनौती है, तो कहीं युवाओं को रोजगार और किसानों को सरकारी सहायता की आवश्यकता है। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि योजनाओं का लाभ केवल कागजों तक सीमित न रहे। अक्सर देखा गया है कि सरकारें अच्छी योजनाएं बनाती हैं, उनके शुभारंभ भी बड़े स्तर पर होते हैं, लेकिन कुछ समय बाद उनकी नियमित निगरानी कमजोर पड़ जाती है। विभागीय अधिकारी अपने स्तर पर काम करते रहते हैं, योजनाओं की प्रगति की रिपोर्ट भी तैयार होती रहती है, लेकिन कई बार वास्तविक लाभार्थी की समस्या उच्च स्तर तक पहुंच ही नहीं पाती। परिणामस्वरूप पात्र व्यक्ति सरकारी सुविधा से वंचित रह जाता है। यहीं पर मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत सक्रियता और नियमित मॉनिटरिंग महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली का एक प्रमुख पक्ष यह है कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके परिणामों को लेकर अधिकारियों से जवाबदेही चाहते हैं। इसका संदेश प्रशासनिक तंत्र तक स्पष्ट रूप से जाता है कि केवल आदेश जारी कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका परिणाम भी दिखाई देना चाहिए।

पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाओं से सीखने की जरूरत

राजस्थान का राजनीतिक इतिहास देखें तो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में भी कई महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू हुईं। दोनों नेताओं ने अपने-अपने कार्यकाल में जनता से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी। कई योजनाओं ने प्रदेश के लोगों को राहत भी पहुंचाई और उनका सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिला। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि पूर्ववर्ती सरकारों की योजनाएं अच्छी नहीं थीं। वास्तव में किसी भी सरकार की योजनाओं का मूल्यांकन उसके उद्देश्य, क्रियान्वयन और परिणामों के आधार पर होना चाहिए। हालांकि, शासन व्यवस्था में एक बड़ी चुनौती हमेशा बनी रही है कि योजनाओं की शुरुआत के बाद उनकी निरंतर निगरानी किस तरह सुनिश्चित की जाए। किसी भी योजना के सामने सबसे बड़ा खतरा यही होता है कि समय बीतने के साथ उसका उत्साह और प्रशासनिक प्राथमिकता कम हो जाए। मुख्यमंत्री बदल सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन जनकल्याणकारी योजनाओं की निरंतरता और प्रभावी क्रियान्वयन बना रहना चाहिए। भजनलाल शर्मा सरकार के सामने भी यही अवसर है कि वह योजनाओं की मॉनिटरिंग को अपनी प्रशासनिक पहचान बनाए। यदि मुख्यमंत्री स्तर पर नियमित समीक्षा, विभागीय जवाबदेही और लाभार्थियों से सीधा फीडबैक लेने की व्यवस्था मजबूत होती है तो इससे सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता में निश्चित रूप से सुधार आ सकता है।

ऑपरेशन त्रिनेत्रः हिस्ट्रीशीटर वसीम खान की 1.25 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

प्रतापगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। जिला पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत हिस्ट्रीशीटर वसीम खान की करीब 1 करोड़ 25 लाख रुपये की संपत्ति फ्रीज की है। इसमें गांव देवल्दी स्थित आलीशान मकान, एक केटा कार और जॉन डियर ट्रैक्टर शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक विशाल जांगिड़ के निर्देशन में थाना अरनोद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ(1) के तहत प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी, सफेमा नई दिल्ली को भेजा था। 13 नवंबर को फ्रीजिंग आदेश अनुमोदित होने के बाद 15 नवंबर को संपत्तियों पर कार्रवाई की गई।

रामसिंहपुर रेलवे ट्रैक बम विस्फोट मामले में दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार,

पाकिस्तानी हैंडलर से जुड़े तार

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। श्रीगंगानगर के रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में 3 नवंबर को रेलवे ट्रैक पर हुए बम विस्फोट मामले में राजस्थान एटीएस और श्रीगंगानगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के गुरदासपुर से दो आरोपियों महकदीप कौर और देवेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो विदेशी पिस्टल, 46 जिंदा कारतूस और वारदात के लिए मिले 30 हजार रुपये बरामद किए हैं। डीजीपी राजीव शर्मा और एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन में काउंटर इंटेलिजेंस पंजाब के सहयोग से संयुक्त कार्रवाई की गई।

प्रारंभिक जांच में मुख्य आरोपी महकदीप कौर के पाकिस्तानी हैंडलर 'शाह' और पाकिस्तान में 'चाचा' नाम से पहचाने जाने वाले व्यक्ति के संपर्क में होने की जानकारी सामने आई है।जांच के अनुसार आरोपियों ने अक्टूबर में भी रेलवे ट्रैक पर विस्फोट की योजना बनाई थी, लेकिन बम उपलब्ध नहीं होने और बाद में



तकनीकी खामी के कारण प्रयास सफल नहीं हुए। अंततः 3 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे टाइमर बम से विस्फोट किया गया। पुलिस को ऑनलाइन भुगतान और सोशल मीडिया संपर्कों के जरिए साजिश के तार जोड़ने के संकेत मिले हैं।

बाजी मारने की तैयारी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निकाय चुनाव के बाद पालिका चुनाव में भी बाजी मारने के लिए पूरी तैयारी कर ली है ज्यादा से ज्यादा प्रधान और प्रमुख बनने के लिए साम दाम दंड भेद का उपयोग किया जाएगा इसके लिए पर्याप्त समय रखा गया है इतने समय बाडा बंदी करना विपक्ष के किसी दावेदार के बस में नहीं है इसलिए जमकर हॉर्स ट्रेडिंग होगी। चुनाव में बस यही देखना है कि जिला परिषद और पंचायत प्रतिनिधि कांग्रेस के ज्यादा आते हैं या नहीं।

जश्न की तैयारी।

सरकार के 3 वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर व्यापक और यादगार समारोह की तैयारी शुरू हो गई है दिल्ली से डेपुटेशन खत्म कर लौटे आईएएस अधिकारी गौरव गोयल को इसका जुम्मा सौंप दिया गया है वे डायनेमिक भी है और नए प्रयोग भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री की इच्छा है कि वर्षगांठ के कार्यक्रमो की गूंज दिल्ली तक पहुंचे और ज्यादा से ज्यादा प्रदेशवासियों की इसमें भागीदारी हो।

तूफान से पहले की शांति।

वरिष्ठ अधिकारी शिखर अग्रवाल को फसाने में कुछ अधिकारियों का ही योगदान बताया जा रहा है अब अग्रवाल छुट्टियों से लौटकर डी ओ पी मैं पद भार संभाल चुके हैं। और स्थिति कंट्रोल करने के साथ कुछ अधिकारियों की फाइल निपटाने के काम में भी लग गए हैं इनमें कुछ वर्तमान और कुछ निवर्तमान अधिकारी शामिल है। वैसे जिस तरह से अग्रवाल को घेरा गया है और उन्हें बदनाम करने की चेष्टा की गई है उससे ज्यादातर अधिकारी नाराज है।

199 का फेर।

राजस्थान विधानसभा का मौजूदा भवन जब से बना है तब से 200 का आंकड़ा ज्यादा समय नहीं रह पाता है मौजूदा अध्यक्ष देवनानी ने कई पूजा पाठ करा ली है विभिन्न द्वार के नाम बदल दिए हैं परंतु 200 का आंकड़ा ज्यादा समय नहीं रह पाया है अब विधायक जसवंत यादव के निधन के बाद फिर 199 विधायक रह गए हैं और इनका चुनाव होने तक फिर संख्या कम हो जाएगी ऐसी शंका जताई जा रही है।

दिल्ली को मजबूत करते गहलोत।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ढाई साल तक राजस्थान में अपनी पकड़ कार्यकर्ताओं और संगठन पर मजबूत करने के बाद अब दिल्ली की ओर रुख कर लिया है कहते हैं पिछले दिनों दिल्ली रैली में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, इसके बाद गांधी परिवार से भी उनकी वन टू वन बात हो गई है, उनके सानिध्य में दिल्ली में हुई 2 दिन की नुक्कड़ नाटक कार्यशाला भी सफल रही और उसकी चर्चा पूरे संगठन में भी हुई। कहां जा रहा है कि उनके अनुभव और वफादारी का दिल्ली जल्दी ही उपयोग करना चाहती है।

कारवां बढ़ने लगा।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का कारवां अब दिनों दिन बढ़ रहा है शनिवार को अलवर में दिवगंत विधायक जसवंत यादव के निवास पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने पहुंची राजे का लंबा चौड़ा काफिला देखने को मिला। एक दर्जन से ज्यादा वर्तमान और पूर्व मंत्री विधायक उनके साथ मौजूद थे वापस लौटते हुए जब वे हाईवे पर ओल्ड राव रेस्टोरेंट में खाना खाने रुकी तो उनसे मिलकर परिचय देने और फोटो खींचाने वालों की होड़ लग गई।

मुकाबले का आएगा मजा।

लंबे समय से राज्य सरकार अपने 2 साल के कार्यकाल और कांग्रेस के 5 साल के कार्यकाल की विज्ञापन के जरिए तुलना कर रही थी, कांग्रेस का पक्ष आ नहीं पा रहा था पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अब हर शनिवार को बजट फाइल जारी करने का ऐलान करते हुए शनिवार को जल जीवन मिशन पर पहली फाइल जारी कर दी और खुलासा किया कि एक साल में हमने जो काम किया था भाजपा सरकार 3 साल में भी नहीं कर पाई है हाथों-भाजपा के मंत्री का जवाब भी आ गया। पब्लिक को मजा भी आया क्योंकि दोनों का पक्ष था और सच्ची बात निकल कर आई, इसलिए आने वाले दिनों में और भी मजा आएगा समाचार पत्र और टीवी पर भाजपा कांग्रेस में कुश्ती देखने को मिलेगी।

उड़ता तीर
.....प्रदीप लोढ़ा

ऑपरेशन खुशी-11 बाल दिवस पर अजमेर पुलिस ने परिवार के चेहरों पर लौटाई खोई मुस्कान

नौ माह से लापता बालिका को अजमेर पुलिस ने नई दिल्ली से किया दस्तयाब

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस की ओर से गुमशुदा एवं लापता नाबालिग बच्चों की तलाश और पुनर्स्थापना के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन खुशी-11 के तहत अजमेर जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना गांधीनगर, किशनगढ़ की टीम ने नौ माह से लापता बालिका को नई दिल्ली से दस्तयाब कर उसके परिजनों से मिलवाया। बालिका की तलाश एवं दस्तयाबी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। विशेष बात यह रही कि बालिका ने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर नाम-पता बदल लिया था और नई दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित किलकारी रेनबो होम फॉर गर्ल्स फाउंडेशन में रह रही थी।

300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, 2286 मोबाइल नंबरों की सीडीआर का किया विश्लेषण अजमेर पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 19 फरवरी 2026 को बालिका के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद उसकी तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सिविल राइट्स एवं एएचटीयू) के निर्देशन में संचालित ऑपरेशन खुशी-11 के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. लालचन्द कायल के निर्देशन एवं पुलिस उप अधीक्षक किशनगढ़ शहर श्री धर्मराज चौधरी के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार प्रयास किए। बालिका की तलाश के लिए पुलिस ने राजस्थान के जयपुर, खाटूश्यामजी, अलवर, कोटा, कोटपूतली, नागौर, सीकर, चूरू, जोधपुर, अजमेर एवं टोंक सहित अनेक जिलों में सघन अभियान चलाया।

इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के बरेली एवं आगरा, नई दिल्ली, भोपाल और रतलाम सहित विभिन्न शहरों के धार्मिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, बालिका गृहों, बाल कल्याण समितियों, सखी वन स्टॉप सेंटर, बचपन बचाओ संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों से संपर्क कर तलाश की गई।

पुलिस टीम ने बालिका की संभावित आवाजाही के मार्गों पर 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। वहीं थाना गांधीनगर एवं साइबर सेल अजमेर की तकनीकी टीमों ने करीब 2286 संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल का विश्लेषण किया तथा इंस्टाग्राम, स्नैपचैट सहित विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर भी लगातार निगरानी रखी।

न्यूज़ ब्रीफ

करतारपुरा में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया लोक आस्था का महापर्व छठजावा येज़दी



जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर करतारपुरा क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच जबरदस्त उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर क्षेत्र की महिलाओं और परिवारों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ छठी मैया और सूर्य देव की आराधना की। पूजा स्थल को केले के पत्तों, रंग-बिरंगे गुब्बारों, फूलों की मालाओं और आकर्षक टेंट से भव्य रूप में सजाया गया था। पारंपरिक परिधानों (साड़ियों) में सजी व्रती महिलाओं ने हाथों में पूजा की थाली, दीपक और अर्घ्य सामग्री लेकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक पूरे परिवार की सहभागिता देखने को मिली और पूरा वातावरण छठ मैया के पारंपरिक लोकगीतों व जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूपह्व से पूजा कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

सरपंच पद के लिए 269 प्रत्याशी चुनाव मैदान म

रतनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। पंचायत समिति के अंतिम चुनाव के चरण में आज सरपंच पद के लिए प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। उक्त जानकारी देते हुए निर्वाचन अधिकारी मिथलेश कुमार ने बताया कि पंचायत समिति के अन्तर्गत आने वाली 59 ग्राम पंचायतों के लिए सरपंच पद के लिए 385 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया व 116 प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लिए तथा 269 प्रत्याशी मैदान में रहे। 16 नवंबर सोमवार को चुनाव बेलेट पेपर के माध्यम से करवाकर उसी दिन शाम तक परिणाम घोषित किए जायेंगे।

अंचल में हल्की बारिश सड़कों पर कीचड़, राहगीर परेशान

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। जिले में रविवार को मौसम ने करवट ली और तीन स्थानों में हल्की बारिश दर्ज की गई। जानकारी के अनुसार, रामगढ़ शेखावाटी में 02 मिमी, फतेहपुर में 03 मिमी और पलसाना में 02 मिमी बारिश हुई, जबकि शेष समस्त तहसीलों में बारिश शून्य रही। बीती रात फतेहपुर शेखावाटी में हुई बारिश के कारण सड़कों पर कीचड़ देखा गया, जिससे राह चलते लोगों को हल्की परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, यह बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है। कृषि विज्ञान केंद्र फतेहपुर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, सुबह 7:30 बजे तक 1.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। उस समय न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, दोपहर 2:33 बजे अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे दिन में गर्मी का एहसास हुआ।

डिग्गी में गिरने से महिला की मौत, शव निकालने के लिए एसडीआरएफ बुलाई

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। थाना क्षेत्र के गांव ऊपनी रोही में एक महिला की डिग्गी में गिरने से डूबकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान जेठी देवी जाट के रूप में हुई है। महिला के डिग्गी में गिरने के बाद उसकी डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही श्रीडूंगरगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि डिग्गी काफी बड़ी होने के कारण शव को बाहर निकालने में पुलिस को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा पार्षद डॉ सुरेन्द्र सिंह ने नगर निगम के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए दस वर्षों की आय-व्यय का मांगा हिसाब, नगर निगम आयुक्त को लिखा पत्र

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। भाजपा राजस्थान के प्रदेश प्रवक्ता एवं वार्ड संख्या 13 के पार्षद डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर निगम के पिछले दस पूर्ण वित्तीय वर्षों के बजट, वास्तविक आय-व्यय, राजस्व वसूली, परिसंपत्तियों, सरकारी अनुदान और देनदारियों से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है। पत्र में वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक के अभिलेख वर्षवार एवं मदवार उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।डॉ. सिंह ने कहा कि बीकानेर की सफाई, कचरा संग्रहण, नालों, स्ट्रीट लाइट, पार्कों और अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए पर्याप्त एवं नियमित संसाधन उपलब्ध होना आवश्यक है। इसके लिए निगम की वास्तविक वित्तीय स्थिति, स्वयं की आमदनी और खर्च की संरचना का तथ्यपरक अध्ययन किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा, 'बीकानेर को केवल बड़ा बजट नहीं, भरोसेमंद आमदनी, जवाबदेह खर्च और बेहतर नागरिक सेवाएं चाहिए। बजट में प्रस्तावित राशि और वास्तव में प्राप्त एवं खर्च हुई राशि का अंतर समझना जरूरी है। हमारा उद्देश्य निगम की आर्थिक क्षमता मजबूत करने के व्यावहारिक सुझाव तैयार करना है। **आयुक्त से निम्न प्रमुख सूचनाएं मांगी गई हैं:** *दस वर्षों के बजट एवं वास्तविक वार्षिक खाते:* प्रत्येक वर्ष के मूल और संशोधित बजट, उनकी स्वीकृति से संबंधित प्रस्ताव, वास्तविक प्राप्ति-भुगतान खाते, आय-व्यय खाते, बैलेंस शीट तथा संबंधित अनुसूचियां मांगी गई हैं। बजट अनुमान और वास्तविक प्राप्ति एवं व्यय का तुलनात्मक विवरण भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। जिन वर्षों का ऑडिट लंबित है, उनके अनंतिम खाते अलग चिन्हित करने को कहा गया है। कर, शुल्क और बकाया वसूली: नगरीय विकास कर, गृहकर अथवा संपत्ति कर सहित संबंधित अवधि में लागू करों एवं शुल्कों की प्रारंभिक बकाया राशि, चालू मांग, वास्तविक वसूली, छूट अथवा समायोजन और वर्षांत बकाया का विवरण मांगा गया है। करयोग्य संपत्तियों, कर निर्धारण में शामिल संपत्तियों तथा बड़े बकायों पर की गई वसूली कार्रवाई की जानकारी भी अपेक्षित है। निगम की संपत्तियों से आमदनी:* निगम की भूमि, दुकानों, भवनों, बाजारों, पार्किंग स्थलों और अन्य व्यावसायिक परिसंपत्तियों का उपलब्ध रिकॉर्ड मांगा गया है। निर्धारित किराये, वास्तविक प्राप्ति, किराया बकाया, रिक्त संपत्तियों, लीज की शर्तों तथा विवाद या अतिक्रमण के कारण उपयोग से बाहर संपत्तियों का विवरण भी इसमें शामिल है। संपत्ति विक्रय से होने वाली एकमुश्त आय और नियमित किराये को अलग दर्शाने का अनुरोध किया गया है।

सरकारी अनुदान एवं योजनागत राशि: केंद्र और राज्य सरकार, केंद्रीय एवं राज्य वित्त आयोग तथा अन्य संस्थाओं से स्वीकृत और वास्तव में प्राप्त राशि का योजनावार विवरण मांगा गया है। इसके साथ उपयोग की शर्तें, वास्तविक खर्च, अव्ययित शेष, लौटाई गई राशि, उपयोगिता प्रमाणपत्रों की स्थिति तथा स्वीकृत किंतु अप्राप्त राशि का ब्यौरा अपेक्षित है।

नियमित सेवाओं और प्रशासन पर खर्च: वेतन-पेंशन, संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के भुगतान, सफाई, घर-घर कचरा संग्रहण, परिवहन, ईंधन, वाहनों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट की बिजली एवं रखरखाव, नालों, सीवरेज, पार्कों, सार्वजनिक भवनों और आवारा पशु प्रबंधन पर निगम द्वारा किए गए वास्तविक व्यय का विवरण मांगा गया है। स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों की वर्षवार जानकारी भी मांगी गई है।

विकास कार्यों पर वास्तविक भुगतान: सड़क, नाला, प्रकाश व्यवस्था, पार्क, भवन, वाहन और मशीनरी सहित पूंजीगत कार्यों की स्वीकृत लागत, वित्तीय स्रोत, कार्यादेश राशि, वास्तविक भुगतान, भौतिक प्रगति और लंबित भुगतान का विवरण मांगा गया है। अधूरे कार्यों, लागत वृद्धि और समयवृद्धि के उपलब्ध अभिलेखित कारण भी अपेक्षित हैं। प्रमुख ठेके और सेवा की निगरानी: सफाई, कचरा संग्रहण, परिवहन, प्रकाश व्यवस्था और वाहन किराये जैसे प्रमुख अनुबंधों की शर्तें, अनुबंध मूल्य, भुगतान का आधार, वास्तविक भुगतान और लंबित बिलों की जानकारी मांगी गई है। उपलब्ध प्रदर्शन मूल्यांकन, संसाधन तैनाती और अनुबंध उल्लंघन पर की गई कटौती अथवा जुर्माने का विवरण भी मांगा गया है। ऋण, देनदारियां और उपलब्ध धनराशि: ऋण, ब्याज, चुकौती, ठेकेदारों एवं आपूर्तिकर्ताओं के बकाये, कर्मचारियों के देय भुगतान, बिजली बिलों, वापसी योग्य जमा राशियों तथा बैंक शेष और सावधि जमा का वर्षवार विवरण अपेक्षित है।

चौथे चरण में सरपंच पद के लिए 575 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में, आज होगा मतदान

- चार पंचायत समितियों की 120 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए 415 मतदान केंद्रों पर होगा मतदान

हनुमानगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के तहत जिले में चौथे चरण की चार पंचायत समितियों की 120 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए रविवार को नामांकन, संवीक्षा, नाम वापसी, चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण हो गई। सरपंच पद के लिए जिले की इन 120 ग्राम पंचायतों में 884 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए। इनमें से 3 नामांकन अवैध पाए गए तथा 306 अभ्यर्थियों ने नाम वापस ले लिए। इसके बाद सरपंच पद के लिए कुल 575 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में रह गए हैं। इसी प्रकार, 120 ग्राम पंचायतों के 1234 वार्ड पंच पदों के लिए कुल 2068 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किए। चौथे चरण में संगरिया, रावतसर, टिब्बी एवं हनुमानगढ़ टाउन पंचायत समितियों की ग्राम पंचायतों में सोमवार, 16 नवंबर 2026 को मतदान होगा। मतदान प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक कराया जाएगा। इसके बाद मतगणना होगी। पंचायत समिति वार स्थिति के अनुसार संगरिया की 27 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 213 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से नाम वापसी के बाद 129 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। रावतसर की 30 ग्राम पंचायतों में 189 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से नाम वापसी के बाद 127 अभ्यर्थी शेष हैं। इसी तरह टिब्बी की 33 ग्राम पंचायतों में 236 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से 156 अभ्यर्थी चुनाव लड़ेंगे। वहीं, हनुमानगढ़ टाउन की 30 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 246 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से नाम वापसी के बाद 163 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में हैं। चौथे चरण के तहत चारों पंचायत समितियों में कुल 3,93,176 पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके लिए कुल 415 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिला निर्वाचन द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

दीपावली स्नेह मिलन में पेंशनर्स ने बांधा समरसता का सूत्र, 13 नए सदस्य व वृद्धजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान



सीकर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान पेंशनर्स मंच समिति सीकर के तत्वावधान में जिले के कर्मचारियों, अधिकारियों, पेंशनर्स एवं वरिष्ठजनों का भव्य दीपावली स्नेह मिलन समारोह डिस्पेंसरी नंबर दो के पीछे, वार्ड नंबर 33, गोगामेड़ी में आयोजित हुआ। मंच के प्रवक्ता आनंद सिंह कच्छावा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोषाधिकारी संतरा देवी मौजूद रहीं, जबकि जिला अध्यक्ष सत्यनारायण पवार एवं मुख्य संरक्षक राधेश्याम मौर्य विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता सज्जन सिंह शेखावत ने की। इस अवसर पर गणेश कुमार शर्मा, ओंकारमल वर्मा, बाबूलाल शर्मा, प्रेम प्रकाश एवं केशरदेव भास्कर सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स, कर्मचारी, अधिकारी और वरिष्ठ महिला-पुरुष मौजूद रहे।

बनेठा पंचायत में नई शुरुआत, यशकरण सैनी बने सरपंच, पूर्व सरपंच ने सौंपा चार्ज



बनेठा (हुक्मनामा समाचार)। उनियारा उपखंड की ग्राम पंचायत बनेठा में नवनिर्वाचित सरपंच यशकरण सैनी ने रविवार को विधि-विधान एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना के साथ विधिवत पदभार ग्रहण किया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत में नए कार्यकाल की शुरुआत हुई। पूर्व सरपंच गोप्या देवी ने नवनिर्वाचित सरपंच यशकरण सैनी को पंचायत का चार्ज सौंपा। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान उपसरपंच शिवदयाल मीणा, ग्राम विकास अधिकारी जितेन्द्र मीणा सहित नवनिर्वाचित वार्ड पंच मौजूद रहे। इस अवसर पर ग्रामीणों एवं समर्थकों की भी भागीदारी रही। धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित कार्यक्रम में नए पंचायत कार्यकाल को लेकर उत्साह देखने को मिला। सरपंच यशकरण सैनी के पदभार संभालने के साथ ही ग्रामीणों की उम्मीदें नई पंचायत से जुड़ गई हैं। ग्राम पंचायत क्षेत्र में पेयजल, सड़क, बिजली, सफाई और नाली निर्माण सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर ग्रामीणों को नई कार्यकारिणी से अपेक्षाएं हैं। नई पंचायत के सामने गांव में विकास कार्यों को प्राथमिकता देना, सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का समाधान करना प्रमुख जिम्मेदारियां रहेंगी।

माल्यावास में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भव्य स्वागत अभिनंदन

फुलेरा (हुक्मनामा समाचार)। ग्राम माल्यावास में रविवार को जमवाय माता मंदिर परिसर में ग्रामीणों की ओर से नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सम्मान में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में ग्रामवासियों ने जनप्रतिनिधियों का माला एवं साफा पहनाकर तथा महिला जनप्रतिनिधियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समाजसेवी भूपेंद्र सिंह के अनुसार समारोह में नगर पालिका फुलेरा के उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह शेखावत, ग्राम पंचायत अरड़का के सरपंच संम्पत सिंह राठौड़, जयपुर नगर निगम के वार्ड 95 के पार्षद मानवेन्द्र सिंह शेखावत, ग्राम पंचायत सुरसिंहपुरा की उपसरपंच लाड कंवर, ग्राम पंचायत रोजड़ी की सरपंच गुलाब देवी प्रतिनिधि मोनूकुमावत, उपसरपंच ओमपाल सिंह खंगारोत, ग्राम पंचायत काचरोदा की सरपंच रजनी कुमावत तथा माल्यावास की वार्ड पंच प्रेम देवी, मांगी देवी एवं भूरी देवी का स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने सभी जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचल के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। साथ ही सड़क, पेयजल सहित अन्य जनसमस्याओं के समाधान तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।



आठवीं क्वानकिडो स्टेट चैम्पियनशिप बीकानेर में हुई सम्पन, बीकानेर जिले ने ओवरऑल चेम्पियन ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

जीते 57 गोल्ड, 05 सिल्वर व 03 ब्रोंज सहित कुल 65 स्टेट मेडल नेशनल चैम्पियनशीप का आयोजन आठ जनवरी से कटक में

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। आठवीं राजस्थान स्टेट क्वानकिडो चैम्पियनशिप पुगल रोड़ स्थित रायन इंटरनेशनल स्कूल बीकानेर में आयोजित की गई। क्वानकिडो एसोसिएशन राजस्थान स्टेट प्रेसीडेंट देवेन्द्र सारस्वत ने मेडल सेरेमनी कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश में वियतनामी मार्शल आर्ट्स क्वानकिडो खेल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। राजस्थान प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले चयनित बालक एवं बालिका आठ से दस जनवरी 2027 में कटक ओडिशा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगें। इससे पहले स्टेट चैम्पियनशिप का शुभारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष रायन इंटरनेशनल स्कूल प्रिसिंपल रितु अजय चौरे, मुख्य अतिथि बीकानेर मेयर अनिल कल्ला, बीकानेर जिला ओलंपिक संघ जिला महासचिव माणकचंद व्यास, गायत्री परिजन शोभा सारस्वत, ममता सारस्वत, अभाविप खेलो भारत जोधपुर प्रांत संयोजक हिमांशु सारस्वत ने सरस्वती माता के तेल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। मुख्य अतिथि बीकानेर मेयर अनिल कल्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि खेलो से खिलाडियों में परिश्रम, अनुशासन, लग्न, आत्मविश्वास और विनम्रता जैसे गुणों का विकास होता है। जिससे खिलाड़ियों को वांछित सफलता प्राप्त होती है तथा यहा खिलाड़ी देश व समाज का नाम रोशन करते हैं। जिला महासचिव मानकचंद व्यास ने संबोधित करते हुए कहा कि खेल उपलब्धियों में बीकानेर के क्वानकिडो खिलाड़ियों का भी नाम गौरव से लिया जाता है। ये सब खिलाड़ियों और उनके कोचेज ट्रेनर की मेहनत का ही सुखद परिणाम है। आयोजन सचिव एवं स्टेट टेक्निकल डायरेक्टर धनंजय सारस्वत ने बताया कि क्वानकिडो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 05 वर्ष से 60 वर्ष तक की पीवी, चिल्ड्रन, सब-जुनियर, कैडेट, जुनियर, सीनियर केटेगरी एवं 35 वर्ष से अधिक के मास्टर केटेगरी के 17 जिलों के 200 से अधिक बालक बालिकाओं महिला पुरुषों ने प्रतिभाग किया।



द भटूरा प्रोजेक्ट का सी-स्कीम में दूसरा आउटलेट शुरू, पहले दिन उमड़े ग्राहक

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। जयपुर के फूड लवर्स के बीच पहचान बना चुके 'द भटूरा प्रोजेक्ट' ने सी-स्कीम में अपना दूसरा आउटलेट शुरू किया है। बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को खुले इस नए आउटलेट को पहले ही दिन ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला। छोले-भटूरे के स्वाद का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और ग्राहकों की भीड़ के चलते वेटिंग की स्थिति बनी रही। राजा पार्क स्थित पहले आउटलेट की सफलता के बाद ब्रांड ने सी-स्कीम में विस्तार किया है। नए आउटलेट पर दोस्तों, परिवारों और युवाओं की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। ग्राहकों के उत्साह ने इसे क्षेत्र के नए फूड डेस्टिनेशन के रूप में पहचान दिलाई। सी-स्कीम में आउटलेट शुरू होने से आसपास के लोगों को अब पसंदीदा छोले-भटूरे का स्वाद लेने के लिए राजा पार्क नहीं जाना पड़ेगा। पहले दिन मिली प्रतिक्रिया से ब्रांड की लोकप्रियता और जयपुर के फूड मार्केट में उसके बढ़ते विस्तार को नई गति मिलने की उम्मीद है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर किया हमला

- जिनके अधिकारी और मंत्री जेल गए, वे किस मुंह से दे रहे नसीहत जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार करने वाले अब कर रहे फाइलों की बात

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा जल जीवन मिशन को लेकर लगाए गए आरोपों पर हमला करते हुऐ कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जल जीवन मिशन में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। जिन लोगों ने जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा हड़प लिया, वे आज फाइलों में काम होने की बात कहकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री दिलावर ने कहा कि अशोक गहलोत पहले अपने शासनकाल में जल जीवन मिशन के तहत हुए कार्यों और खर्च की गई राशि का हिसाब दें। जनता के लिए आई राशि कहां खर्च हुई और किसने उसका लाभ उठाया, यह प्रदेश की जनता जानना चाहती है। गहलोत को पहले अपने कार्यकाल की फाइलें खुलवाकर उनका हिसाब देना चाहिए। मंत्री दिलावर ने कहा कि यह विडंबना है कि जिनके शासनकाल में भ्रष्टाचार के गंभीर मामले सामने आए, वे आज दूसरों को नसीहत दे रहे हैं। जल जीवन मिशन से जुड़े मामलों में तत्कालीन सरकार के समय पीएचईडी विभाग के मंत्री सहित कई लोगों को जेल जाना पड़ा। ऐसे में गहलोत को दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपने कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार का जवाब देना चाहिए। मंत्री दिलावर ने कहा कि आरपीएससी के एक पूर्व सदस्य द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये देकर नियुक्ति प्राप्त करने संबंधी बयान भी बेहद गंभीर है। गहलोत को बताना चाहिए कि उस समय नियुक्तियां किसके स्तर पर होती थीं और इस पूरे मामले में किन लोगों की भूमिका थी। ऐसे आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और सच्चाई प्रदेश की जनता के सामने आनी चाहिए।

दीप प्रज्वलन और श्रम दान के साथ गोपाष्टमी महोत्सव का शुभारम्भ हुआ आज फहराई जाएगी गो कीर्ति पताका गो सेवा के 5 संकल्प होंगे

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। श्रीगंगानगर रोड, कानासर फांटा स्थित संत भावनाथ आश्रम गौशाला में रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्वलन कर तीन दिवसीय गोपाष्टमी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। आश्रम से जुड़े प्रहलाद ओझा 'भैरूं' ने बताया कि संत भावनाथ महाराज,टाटा मोटर्स के धन सिंह काजला,आश्रम स्थित मंदिर के पुजारी विष्णु भाटी,समाज सेवी मुरली जोशी एवं सोहन महाराज उपाध्याय ने दीप प्रज्वलित कर गोपाष्टमी महोत्सव का शुभारम्भ किया ।प.सुरेश महाराज एवं सोहन महाराज ने स्वस्तिवाचन व मंगलाचरण का पाठ किया तथा गो माता का सामूहिक जयकारा लगवाया जिससे संपूर्ण आश्रम परिसर गो सेवा भक्तिमय हो गया। **'ठाण' - 'खेली' की सफाई,कुंडियों में जल भरा प्लास्टिक जलाया** महोत्सव शुभारंभ के साथ ही आश्रम से जुड़े श्रद्धालुओं और गो सेवकों ने गौशाला क्षेत्र में वृहद स्तर पर श्रमदान शुरू किया। सेवादारों ने गौशाला के भीतर और उसके आसपास के संपूर्ण क्षेत्र में सघन सफाई अभियान चलाया। इस दौरान पूरे गौ शाला के आस पास क्षेत्र से बिखरे हुए प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर जलाया गया । गोवंश के चारे के लिए बने 'ठाण' और खुले क्षेत्र में बनी पानी की 'खेलियों ' की भी अच्छी तरह से सफाई की गई। कुंडियों में स्वच्छ जल भरा गया। श्रमदान में केशरी सिंह,नीरज भाटी,भूराराम कुम्भार,बद्री महाराज सहित अनेक गोभक्तों ने अपनी सक्रिय सेवाएं दीं।इससे पूर्व डॉ. कपिल पारी ने कहा कि गो सेवा और श्रमदान केवल पर्वों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को श्रमदान और गो सेवा को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए अथवा कम से कम सप्ताह में एक दिन तो गो सेवा जरूर करनी चाहिए। **फहरेगी कीर्ति पताका, संत सानिध्य में होंगे 5 संकल्प** गोपाष्टमी महोत्सव के दौरान सोमवार को गो कीर्ति पताका को गौशाला में विधिवत फहराई और स्थापित की जाएगी। श्रद्धालुओं द्वारा गौशाला की परिक्रमा की जाएगी। गो महत्व पर विशेष व्याख्यान और भजन संकीर्तन का आयोजन होगा। प्रहलाद ओझा 'भैरूं' ने बताया कि महोत्सव के दौरान सोमवार को विशेष रूप से गो सेवा के 5 संकल्प होंगें संत भावनाथ महाराज के सानिध्य में आश्रम से जुड़े श्रद्धालुओं को पहली रोटी गाय को खिलाने,घर के बाहर प्लास्टिक थैलियां न फेंक कर उसे जलाने,जन्मदिन एवं शादी की वर्षगांठ को गौ शाला में सामर्थ्य के अनुसार गुड़ चारा गायों को खिलाने,माह में कम से कम एक दिन परिवार सहित पहुंचकर गो शाला में श्रम दान करने एवं गो हत्या बंद तथा गो संरक्षण के लिए आवाज उठाने के 5 संकल्प दिलाए जाएंगे।**कल गो पुष्टि यज्ञ ,दीपमाला और गायों का पूजन** मंगलवार को गोपाष्टमी के मुख्य पर्व पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे।विश्व कल्याण और गोवंश की समृद्धि के लिए होने वाले 'गो पुष्टि यज्ञ' में गोपाल सहस्त्रनाम के साथ वैदिक आहुतियां दी जाएंगी।

इस दौरान गो स्तुति और भजन संकीर्तन की सरिता बहेगी। सायंकाल गायों का चरण पखाल कर विधि-विधान से मुख्य पूजन किया जाएगा। गायों का श्रृंगार किया जाएगा। गौशाला परिसर में भव्य रंगोली सजाई जाएगी और दीपमाला प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया जाएगा। गो स्तुति और गो माता की आरती की जाएगी। महोत्सव के समापन अवसर पर गो सेवादारों का सम्मान किया जाएगा।



बीकानेर के चहुमुखी विकास और समस्या समाधान हेतु बीकानेर के संभरान्त नागरिकों ने बीकानेर विकास मंच के गठन की नींव रखी

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। रविवार दोपहर 1:00 बजे मोहता भवन नजदीक रतन बिहारी पार्क में बीकानेर के नागरिकों के एक बैठक रखी गई।जिसमे विजय कोचर को सर्वमत से बीकानेर विकास मंच का संयोजक और सूरजमाल सिंह नीमराना को बीकानेर विकास मंच का समव्यक्त घोषित किया गया। बीकानेर विकास मंच के गठन की प्रक्रिया में उपस्थित जन समुदाय ने मुकेश जोशी को संगठन का संयोजक और समन्वयक घोषित करने के निर्णय का अधिकार सर्व सम्मती से दिया! मुकेश जोशी ने सभी उपस्थित बीकानेर नागरिकों की भावना जानकर बीकानेर विकास मंच का संयोजक विजय कोचर और समन्वयक सूरजमाल सिंह नीमराना के नामों की घोषणा की। उपस्थित जनसमुदाय ने तालियां बजाकर इस घोषणा का स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता नरसिंग भाटी रिटायर्ड अधीक्षक कस्टम विभाग द्वारा की गई। बैठक में लक्ष्मण मोदी, संजय गोस्वामी, रामदयाल सिंह राजपुरोहित, मुकेश जोशी ,बलदेव दास भादानी ,शशांक गंगल ,ममता सिंह, माया भाटी ,रामेश्वर सोनी साधक, त्रिलोक सिंह चौहान, राजेश आचार्य आदि ने विचार रखें। बैठक के शुभारंभ में सरस्वती वंदना राम भक्त नवीन गोस्वामी द्वारा की गई। बैठक के दौरान एक संचालन समिति बनाने की घोषणा भी की गई जिसका प्रमुख समाजसेवी संतोष बांठिया को बनाया गया। उनको संस्था के रजिस्ट्रेशन करवाने की जिम्मेदारी भी प्रदान की गई।बीकानेर के नागरिकों को धन्यवाद सूरजमल सिंह नीमराना द्वारा दिया गया। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति में विजय कोचर संयोजक बीकानेर विकास मंच बीकानेर ने दी।



राजस्थान प्रांतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक आयोजित : सदस्यों को जोडने, शिक्षा व सहायता कोष पर हुआ मंथन

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान प्रांतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 15 नवम्बर 2026 को नत्थूसर गेट बाहर स्थित सेवगों की बगेची भवन में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से महासभा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने सहभागिता की। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ समाज के सर्वांगीण विकास, सदस्यता विस्तार, संविधान संशोधन एवं



आगामी कार्ययोजना सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। महासभा के अध्यक्ष गणेश दास सेवग ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज की एकता और संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक परिवार की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने एक परिवार, एक सदस्य एवं सदस्यता माह अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर जोर दिया। महासभा के महासचिव राजेश शर्मा ने प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में महासभा की पहुंच बढ़ाने तथा युवाओं सहित अधिकाधिक सामाजिक बंधुओं को संगठनात्मक गतिविधियों से जोडने पर बल दिया। महासभा के संयुक्त सचिव मनोज शर्मा ने बताया कि बैठक में कुल नौ महत्वपूर्ण मुद्दों पर विमर्श किया गया। इनमें प्रमुख रूप से सदस्यता अभियान, महासभा के संविधान में प्रस्तावित सुझाव-संशोधन की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। शिक्षा कोष, सहायता कोष, सरकारी कर्मचारियों की सूची और समन्वय, सदस्यता राशि संशोधन, वित्तीय अधिकारों, वोटिंग अधिकारों, एकत्र कोष के उपयोग संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा एवं भरतपुर संभाग में संबंधित जिलों को जोड़ा गया। चुनाव संबंधी प्रावधान पर विस्तृत चर्चा की गई। महासभा के संगठन मंत्री जुगलकिशोर सेवग एवं बीकानेर संभाग अध्यक्ष एडवोकेट दिलीप सेवग ने महासभा के संविधान में प्रस्तावित संशोधनों पर गंभीरता से विचार-विमर्श करने की आवश्यकता बताई। बीकानेर संभाग सचिव निलेश शर्मा ने बताया कि बैठक में पूनमचंद शर्मा, शंकर सेवग, आर.के. शर्मा, बजरंगलाल सेवग, दिलीप शर्मा, दिनेश शर्मा, दयाशंकर शर्मा, रविन्द्र शर्मा, विकास शर्मा, हरीश भोजक, शिवरतन सेवग, नितिन वत्सस, मूलचंद सेवग ने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। शंकर सेवग एवं विकास शर्मा ने आभार व्यक्त किया। बैठक का संचालन लक्ष्य सेवग ने किया। **वार्षिक कार्यक्रम कैलेंडर की हुई समीक्षा** बैठक के दौरान महासभा द्वारा वर्षभर में किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

एयू जयपुर मैराथन 2027 की तैयारी का आगाज, जयपुर रनर्स क्लब द्वारा शुरू किया ट्रेनिंग कैंप



- **सेंट्रल पार्क में शुरू हुई ट्रेनिंग पहल 'रोड टू एयू जयपुर मैराथन 2027', शुरुआती से लेकर अनुभवी धावकों को मिलेगा विशेषज्ञों का मार्गदर्शन**
- **14 फरवरी को होगा एयू जयपुर मैराथन 2027**

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। एयू जयपुर मैराथन 2027 की तैयारियों को लेकर जयपुर रनर्स क्लब ने अपनी विशेष ट्रेनिंग पहल 'रोड टू एयू जयपुर मैराथन 2027' ट्रेनिंग कैंप का शुभारंभ किया। सेंट्रल पार्क में आयोजित उद्घाटन समारोह में पं. सुरेश मिश्रा, संस्कृति युवा संस्था ने इस प्रशिक्षण अभियान का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य शहर में रनिंग कल्चर को बढ़ावा देना और हर आयु एवं क्षमता के धावकों को व्यवस्थित प्रशिक्षण के माध्यम से मैराथन के लिए तैयार करना है।इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के तहत शुरुआती धावकों से लेकर अनुभवी रनर्स तक को विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। प्रतिभागियों को 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, हाफ मैराथन और फुल मैराथन की तैयारी के लिए नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा। जेआरसी रन अकादमी ओर सेंट्रल पार्क के कोच मोहनीश और आकांक्षा धावकों को प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।इस अवसर पर एयू जयपुर मैराथन के सीइओ मुकेश मिश्रा ने कहा, 'एयू जयपुर मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि फिटनेस, स्वास्थ्य और सामुदायिक सहभागिता का एक बड़ा मंच है। रोड टू एयू जयपुर मैराथन 2027 जैसी पहल से नए धावकों को सही मार्गदर्शन मिलेगा और अनुभवी रनर्स को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। यह पहल एयू जयपुर मैराथन 2027 तक धावकों को निरंतर अभ्यास, अनुशासन और विशेषज्ञ प्रशिक्षण से जोड़ने का प्रयास है।'कार्यक्रम में जयपुर रनर्स क्लब के पूर्व अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया, सुशील कुल्हरी, शिव कुमार भारद्वाज, क्लब के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, कोषाध्यक्ष ऋषभ दुग्गड़ तथा सेंट्रल पार्क के जोनल डायरेक्टर अनीता वर्मा और मुंजाल मयंक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है वंदे मातरम् : गोविन्द कुमार



झुंझुनूं (हुक्मनामा समाचार)। केशव उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, झुंझुनूं में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को प्रबुद्ध जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े प्रबुद्धजनों ने भाग लेकर राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व, भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रभक्ति के भावों पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री गोविन्द कुमार रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में विद्या भारती जयपुर के विद्वत परिषद के सहसंयोजक बृजेश कुमार, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र प्रजापत, जे.बी. शाह गर्ल्स कॉलेज झुंझुनूं की प्राचार्या डॉ. योगिता शर्मा तथा प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी सुभाष जालान मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात जिला सचिव राजेश शर्मा ने अतिथियों का परिचय करवाते हुए उनका स्वागत कराया। विद्या भारती के श्री बृजेश कुमार ने गोष्ठी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. योगिता शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों के भीतर कर्तव्य बोध, नैतिक मूल्यों और संस्कारों का विकास करना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि ऐसे नागरिक तैयार करना भी है जो समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझें। उन्होंने संस्कारमय शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण आधारशिला बताया। मुख्य अतिथि गोविन्द कुमार ने अपने बौद्धिक उद्बोधन में भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं का उल्लेख किया। उन्होंने वंदे मातरम् गीत के इतिहास को विस्तार से बताते हुए कहा कि यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण, त्याग और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इस गीत ने देशवासियों में राष्ट्रीय चेतना और एकजुटता का संचार किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी वंदे मातरम् राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक गौरव और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में राजेन्द्र प्रजापत ने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं उपस्थित प्रबुद्धजनों का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी में राजेन्द्र गोयन, रामगोपाल कुमावत, बजरंग दर्जी, ओमप्रकाश कुमावत सहित शहर के अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के महत्व और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन के संकल्प के साथ हुआ।

रामचरितमानस भारत का आदर्श ग्रंथ है : स्वामी विशोकानंद भारती जी महाराज

स्वामी सोमेश्वरानंद भारती जी महाराज के 34वें निर्वाण दिवस महोत्सव के द्वितीय दिवस पर संतों के प्रवचन एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। धनीनाथ गिरी मठ पंच मंदिर प्रांगण में पूर्व अधिष्ठाता राजगुरु बीकानेर ब्रह्मलीन स्वामी सोमेश्वरानंद भारती जी महाराज के 34वें निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पंचदिवसीय निर्वाण महोत्सव के द्वितीय दिवस पर संतों के प्रवचन एवं विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इस अवसर पर निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर राजगुरु बीकानेर स्वामी विशोकानंद भारती जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि रामचरितमानस भारत का आदर्श ग्रंथ है। अपौरुषेय वेदों को गहराई से समझने के लिए वेदांगों का अध्ययन आवश्यक है।



कलियुग में भगवान वेदव्यास जी के अवतारी स्वरूप गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने वेदों के सार को सरल भाषा में प्रस्तुत करते हुए रामचरितमानस जैसे महान आदर्श ग्रंथ की रचना की। मानस का प्रत्येक पात्र भारतीय समाज के लिए आदर्श एवं प्रेरणास्रोत है। मनुष्य रामचरितमानस से जीवनोपयोगी शिक्षा ग्रहण कर अपने भीतर के पशुभाव को दूर कर सकता है तथा सद्गुणों, मर्यादा और मानवीय मूल्यों को आत्मसात कर सकता है। कार्यक्रम में हरिद्वार से पधारे संत मोहन दास जी महाराज, संत तपेश्वर दास जी महाराज तथा मेरठ से पधारे महंत स्वामी भगवत भारती जी महाराज ने भी धर्म, अध्यात्म एवं भारतीय संस्कृति पर प्रेरणादायी प्रवचन दिए। निर्वाण महोत्सव के द्वितीय दिवस पर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए 'मंदोदरी एवं सुलोचना चरित्र' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में लक्ष्य तँवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ध्रुव छाबड़ा एवं चंद्रेश लड्ढा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान पर प्रतिभागी रहे। इस अवसर पर वैद्य वाचस्पति जोशी, गोपाल व्यास, शंकर सिंह राठौर, अरुण पुरोहित, अशोक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बयाना ग्रह कलेश से तंग आकर महिला ने खाया कीटनाशक पदार्थ गंभीर हालत में कराया अस्पताल में भर्ती

बयाना (हुक्मनामा समाचार)। वैर थाना क्षेत्र के गांव समराया में रविवार को एक विवाहिता ने गृह क्लेश के चलते कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। महिला की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे बयाना उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक गांव समराया निवासी रीनू कुमारी (24) ने रविवार शाम करीब 5 बजे गृहक्लेश के चलते कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ देर बाद ही उसे उल्टियां होकर तबीयत बिगड़ने लग गई।

विधायक जेठानंद व्यास की पहल लाई रंग, नगर निगम के माध्यम से भेजा गया था प्रस्ताव

बीकानेर में 225 करोड़ रुपए की लागत से होगा वेस्ट वाटर मैनेजमेंट, आरयूआईडीपी फेज-वी में मिली स्वीकृति

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। शहर में सीवरेज एवं वेस्ट वाटर मैनेजमेंट व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। राजस्थान सरकार के राजस्थान अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (फेज-वी के तहत बीकानेर के लिए 225 करोड़ रुपए की राशि का अस्थायी आवंटन प्रस्तावित किया गया है। इस संबंध में आरयूआईडीपी के परियोजना निदेशक कार्यालय की ओर से स्वीकृति जारी की गई है।

बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने शहर की वेस्ट वाटर मैनेजमेंट व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम के माध्यम से प्रस्ताव भिजवाया था। इस प्रस्ताव के आधार पर बीकानेर को इस महत्वाकांक्षी परियोजना में शामिल किया गया है। भारत सरकार द्वारा स्वीकृत आरयूआईडीपी फेज-वी के अंतर्गत राजस्थान अर्बन लाइवबिलिटी इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट एशियन डेवलपमेंट बैंक की वित्तीय सहायता से तथा सस्टेनेबल अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन इन राजस्थान एक्सीलरेटेड विश्व बैंक की वित्तीय सहायता से संचालित किया जाना है। पत्र के अनुसार वेस्ट वाटर मैनेजमेंट के लिए कोटा को 394 करोड़ तथा बीकानेर को 225 करोड़ रुपए का अस्थायी आवंटन प्रस्तावित है। विधायक ने बताया कि नगर निगम को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट एवं निविदा दस्तावेज तैयार करने होंगे। इसके लिए परियोजना क्षेत्र एवं घटकों की पहचान, निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन तथा संबंधित तकनीकी संस्थानों से डीपीआर का मूल्यांकन करवाने सहित आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। यह परियोजना क्रियान्वित होने पर बीकानेर शहर की वेस्ट वाटर मैनेजमेंट व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी।

कारीगर पहल के तहत 10 पारंपरिक शिल्प कलाओं के 3,214 कारीगरों का डिजिटल जिओ टैगिंग



- **एग्जीबिशन 'सीन एट लास्ट' में जयपुर के हुनरमंद कारीगरों को मिला मंच**

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। गुलाबी नगरी की पहचान उसकी ऐतिहासिक इमारतों और पर्यटन के साथ-साथ यहां की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा से भी है, लेकिन इन कलाओं को जीवंत रखने वाले कारीगर अक्सर पहचान और उचित मंच से वंचित रह जाते हैं। इसी अंतर को दूर करने के उद्देश्य से जयपुर में पले-बढ़े तीन युवा सह-संस्थापक तिरशिव ओहलान, समरवीर सिंह शेखावत और अनिका सिंह ने इस पहल 'कारीगर' की शुरुआत की। उनका उद्देश्य राजस्थान की पारंपरिक कलाओं को सुरक्षित करने के साथ उन कारीगरों को पहचान दिलाना है, जिनके हुनर से जयपुर की सांस्कृतिक पहचान बनी हुई है। अब इसी उद्देश्य के अंतर्गत 'सीन एट लास्ट' नाम से विशेष प्रदर्शनी रविवार को जयपुर में बानी पार्क स्थित कृपाल कुंभ में आयोजित की गई। जिसका विधिवत उद्घाटन डायरेक्टर, राजस्थान टूर के मधुवंती सिंह ने किया। इनके अलावा, जयपुराइट्स के साथ राजस्थान सरकार के समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष, अर्चना शर्मा; सवाई मानसिंघ द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट की डायरेक्टर, रामा दत्त और फॉर्मर विधान सभा स्पीकर, दीपेंद्र सिंह भी शामिल हुए।कारीगर के तहत अब तक जयपुर के 3,214 पारंपरिक कारीगरों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। साथ ही 10 पारंपरिक शिल्प कलाओं ब्लॉक प्रिंटिंग, फ्रेस्को, ब्लू पॉटरी, मिनिएचर पेंटिंग, लाख, तारकशी, ठिकरी, बंधेज, और नक्काशी की तकनीक, इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को डिजिटल आर्काइव के रूप में संकलित किया गया है। जिनमे से प्रदर्शनी में चार तकनीकों को प्रदर्शित किया गया है। पहल के तहत राजस्थान का पहला जियोटैग्ड पारंपरिक कारीगर मानचित्र भी तैयार किया गया है।

कारीगर पहल के तहत 10 पारंपरिक शिल्प कलाओं के 3,214 कारीगरों का डिजिटल जिओ टैगिंग

- एग्जीबिशन 'सीन एट लास्ट' में जयपुर के हुनरमंद कारीगरों को मिला मंच

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। गुलाबी नगरी की पहचान उसकी ऐतिहासिक इमारतों और पर्यटन के साथ-साथ यहां की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा से भी है, लेकिन इन कलाओं को जीवंत रखने वाले कारीगर अक्सर पहचान और उचित मंच से वंचित रह जाते हैं। इसी अंतर को दूर करने के उद्देश्य से जयपुर में पले-बढ़े तीन युवा सह-संस्थापक तिरशिव ओहलान, समरवीर सिंह शेखावत और अनिका सिंह ने इस पहल 'कारीगर' की शुरुआत की। उनका उद्देश्य राजस्थान की पारंपरिक कलाओं को सुरक्षित करने के साथ उन कारीगरों को पहचान दिलाना है, जिनके हुनर से जयपुर की सांस्कृतिक पहचान बनी हुई है। अब इसी उद्देश्य के अंतर्गत 'सीन एट लास्ट' नाम से विशेष प्रदर्शनी रविवार को जयपुर में बानी पार्क स्थित कृपाल कुंभ में आयोजित की गई। जिसका विधिवत उद्घाटन डायरेक्टर, राजस्थान टूर के मधुवंती सिंह ने किया। इनके अलावा, जयपुराइट्स के साथ राजस्थान सरकार के समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष, अर्चना शर्मा; सवाई मानसिंघ द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट की डायरेक्टर, रामा दत्त और फॉर्मर विधान सभा स्पीकर, दीपेंद्र सिंह भी शामिल हुए।कारीगर के तहत अब तक जयपुर के 3,214 पारंपरिक कारीगरों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। साथ ही 10 पारंपरिक शिल्प कलाओं ब्लॉक प्रिंटिंग, फ्रेस्को, ब्लू पॉटरी, मिनिएचर पेंटिंग, लाख, तारकशी, ठिकरी, बंधेज, और नक्काशी की तकनीक, इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को डिजिटल आर्काइव के रूप में संकलित किया गया है। जिनमे से प्रदर्शनी में चार तकनीकों को प्रदर्शित किया गया है। पहल के तहत राजस्थान का पहला जियोटैग्ड पारंपरिक कारीगर मानचित्र भी तैयार किया गया है। इस पहल को राजस्थान के पर्यटन एवं वस्त्र मंत्रालय का सहयोग और विभिन्न शिल्प संगठनों का प्रोत्साहन प्राप्त है।

स्टाफिंग पैटर्न की समीक्षा के बाद नए पदों का होगा सृजन

विधायक जेठानंद व्यास के विधानसभा में उठाया तारांकित प्रश्न, अब शिक्षा विभाग ने शुरू की कार्रवाई, प्रदेश के स्कूलों में बढ़ेंगे 1.23 लाख पद

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों एवं अन्य कार्मिकों के पदों की संख्या बढ़ाने की दिशा में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग में वर्तमान स्टाफिंग पैटर्न के तहत स्वीकृत 3.92 लाख पदों की संख्या बढ़ाकर 5.15 लाख किए जाने की तैयारी है। इससे प्रदेश में कुल 1,23,186 नए पद बढ़ेंगे। इस संबंध में शिक्षा विभाग की ओर से प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। यह मामला बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास द्वारा विधानसभा में उठाए गए तारांकित प्रश्न से जुड़ा है। विधायक व्यास ने 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र में तारांकित प्रश्न संख्या 3589 के माध्यम से शिक्षा विभाग में स्टाफिंग पैटर्न एवं विद्यालयों में पदों की स्थिति से संबंधित विषय उठाया था। इस प्रश्न के जवाब में शिक्षा विभाग की ओर से आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। शिक्षा विभाग की प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नए स्टाफिंग पैटर्न में सबसे पहले उन स्कूलों में पद सृजित किए जाएंगे, जहां वर्तमान में स्वीकृत पद नहीं हैं।

इसके बाद क्रमशः उन विद्यालयों में पदों की व्यवस्था होगी, जहां शिक्षकों की कमी है। इससे एक ही स्कूल में पदों की कमी और दूसरे स्कूलों में रिक्त पदों की स्थिति में संतुलन स्थापित करने में मदद मिलेगी। प्रस्ताव के अनुसार कुल 1,23,186 पद बढ़ेंगे। इनमें सर्वाधिक 29,127 पद मंत्रालयिक कर्मचारियों के तथा 24,979 पद चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के होंगे। नए पदों के सृजन से प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में कार्मिकों की उपलब्धता बेहतर होने के साथ ही आगामी भर्तियों का रास्ता भी खुलेगा। **विधायक के प्रश्न से विभागीय स्तर पर आगे बढ़ी प्रक्रिया** विधायक जेठानंद व्यास द्वारा विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से उठाए गए इस विषय पर शिक्षा विभाग की ओर से जवाब प्रस्तुत किया गया है। अब विभागीय स्तर पर स्टाफिंग पैटर्न को लागू करने की दिशा में कार्यवाही आगे बढ़ रही है। इससे प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पदों की उपलब्धता और कार्मिक व्यवस्था में बदलाव की आएगा।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट और नकदी छीनने का आरोप ,नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। गंगाशहर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर 25 हजार रुपये छीनने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार भीनासर के नेखा रोड निवासी कमल चंद उपाध्याय ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवादी ने आरोप लगाया कि पिछली 14 नवंबर को शाम करीब 6 बजे से रात 11 बजे के बीच आरोपी धर्मवीर नेहरा शराब के नशे में उसके घर पहुंचा। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी ने शराब के लिए पैसे मांगे। मना करने पर उसने परिवादी के साथ मारपीट की और जेब में रखे 25 हजार रुपये छीनकर फरार हो गया। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर आरोपी धर्मवीर नेहरा के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच एएसआई मदनलाल को सौंपी गई है।

झुंझुनूं की बास्केटबॉल टीम ने रचा इतिहास, पहली बार बनी राजस्थान चैंम्पियन

झुंझुनूं ने राजस्थान पुलिस को फाइनल में 75-72 से हराकर जीता स्वर्ण पदक, महिला टीम का रहा चौथा स्थान

झुंझुनूं (हुक्मनामा समाचार)। 76 वीं सीनियर राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में रविवार को नया इतिहास लिखा गया। पहली बार झुंझुनूं जिले की सीनियर बास्केटबॉल टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए राजस्थान पुलिस को 75-72 से हराकर राजस्थान चैम्पियन बनी। सीनियर टीम के शानदार खेल प्रदर्शन से 76 साल में पहली बार स्वर्ण पदक जितने



का झुंझुनूं को गौरव मिला। फाइनल से पूर्व सेमीफाइनल में झुंझुनूं टीम ने सीकर को कड़े मुकाबले में 86-79 अंकों से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं फाइनल मुकाबले में झुंझुनूं टीम ने राजस्थान पुलिस को रोमांचक मुकाबले में 75-72 अंकों से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक हासिल किया। खिलाड़ी गौरव चंदेल, शरद दाधीच, नीलेश, जतिन एवं नितेश ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हनुमानगढ़ में खेली गई प्रतियोगिता में झुंझुनूं की महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। जिसमें आंचल, निकिता ने उत्कृष्ट खेल का परिचय दिया। जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव एवं कोच डॉ. सुशील यादव ने बताया कि यह उपलब्धि जिले के बास्केटबॉल इतिहास में महत्वपूर्ण ही नहीं मील का पत्थर है। खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, टीम भावना एवं निरंतर अभ्यास के परिणामस्वरूप जिले को यह ऐतिहासिक सफलता मिली है। जीत की खुशी में जिला बास्केटबॉल संघ के सदस्य पूर्णेन्दुनाथ त्रिपाठी, कमल वाक्याण, अमृतप्रकाश, नरेंद्र वर्मा, विनोद सैनी, उमंग, अनुराग टीबड़ा, लियाकत अली, प्रमोद, रूपेश जांगिड़, हिमांशु त्रिहुन, सुधांशु शर्मा, लव जोशी, विनोद शर्मा, शत्रुघ्न गुप्ता, विनय चौधरी, डीके, नरेश यादव, अमित केडिया, डॉ. विकास, कैलाश यादव, जर्नलिस्ट संजय सैनी सहित जिला खेल अधिकारी राजेश ओला ने खिलाड़ियों को बधाई दी।